जबलपुर
शनिवार 11 जुलाई 2026
■ आषाढ़ मास कृष्ण पक्ष–11
■ वर्ष : 21, अंक : 70
■ पृष्ठ : 14 मूल्य : 3.00 *

मौसम
अधि. 28
न्यून. 23

हरिभूमि

मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित
समाचार ही नहीं, विचार भी
haribhoomi.com

8 समुद्र पर बनेगा भारत का हवाई अड्डा

मैट्रो
14 खारिज केस बहाल कराना है...

राजेंद्र भारती

भाजपा ने फिर चौंकाया, नरोत्तम शुरू कर चुके थे प्रचार

नरोत्तम का पत्ता कटा, दतिया से आशुतोष को भाजपा का टिकट

- आशुतोष तिवारी संघ की पसंद, पार्टी में पूर्व संभागीय संगठन मंत्री रह चुके
- राजेंद्र भारती की याचिका खारिज होने के बाद भाजपा ने किया ऐलान

विशेष प्रतिनिधि ▶▶ भोपाल

मौजूदा भाजपा नेतृत्व चौंकाने वाले निर्णय के लिए जाना जाता है। दतिया में भी ऐसा ही हो गया। अपने टिकट को लेकर आश्वस्त चल रहे पूर्व गृह मंत्री नरोत्तम मिश्रा का पत्ता कट गया और संघ से जुड़े पूर्व संभागीय संगठन मंत्री आशुतोष तिवारी भाजपा के उम्मीदवार घोषित कर दिए गए।

उधर, दिल्ली हाईकोर्ट ने कांग्रेस के पूर्व विधायक राजेंद्र भारती की याचिका खारिज कर दी और इधर भाजपा नेतृत्व ने प्रत्याशी के नाम का ऐलान कर दिया। नरोत्तम ने दतिया में प्रत्याशी की घोषणा से पहले ही अपना प्रचार अभियान प्रारंभ कर दिया था। सभाओं में वे जनता से पूर्व की गलतियों के लिए माफी मांग रहे थे। नरोत्तम को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह का नजदीक माना जाता है लेकिन यह उनके काम नहीं आया। पिछले चुनाव में पराजय उनकी राह का कांटा बन गई। उन्होंने बुधवार को नामांकन फॉर्म भी खरीद लिया था। इसके शुक्रवार को दाखिल करने की चर्चा थी। अब तक 13 लोगों ने नामांकन फॉर्म खरीदा है। इनमें से 4 ने जमा कर दिया है।

आशुतोष तिवारी नरोत्तम मिश्रा

नरोत्तम को टिकट न मिलने से भड़के कार्यकर्ता

आशुतोष वापस जाओ के नारे हाईवे पर लगाया जाम

दतिया। दतिया विधानसभा उपचुनाव के लिए भाजपा द्वारा पूर्व गृहमंत्री डॉ. नरोत्तम मिश्रा को टिकट न दिए जाने से नाराज पार्टी कार्यकर्ताओं का गुस्सा खुलकर सामने आ गया है। शुक्रवार शाम को बड़ी संख्या में कार्यकर्ताओं ने दतिया-झांसी हाईवे पर धरना देकर चक्काजाम कर दिया।

कांग्रेस से अवधेश नायक हो सकते हैं प्रत्याशी

कांग्रेस ने अब तक प्रत्याशी घोषित नहीं किया है, लेकिन भाजपा से कांग्रेस में आए पूर्व विधायक अवधेश नायक का नाम सबसे ऊपर बताया जा रहा है। कांग्रेस ने 2023 में उनको प्रत्याशी घोषित कर दिया था लेकिन बाद में उनका टिकट काट कर राजेंद्र भारती को दे दिया गया था। अन्य प्रमुख दावेदारों में राजेंद्र भारती की पत्नी शोभा भारती के अलावा पूर्व विधायक घनश्याम सिंह शामिल हैं। राजेंद्र भारती कह चुके हैं कि पार्टी चाहे तो उनके परिवार के बजाए किसी अन्य नेता को उम्मीदवार बनाया जा सकता है। कांग्रेस जिस भी उम्मीदवार को मैदान में उतारेगी, वे उसके समर्थन में पूरी ताकत से चुनाव प्रचार करेंगे। उधर, दिल्ली हाईकोर्ट ने दतिया विधानसभा उपचुनाव से पहले शुक्रवार को बैंक एफडी घोटाला मामले में राजेंद्र भारती की याचिका खारिज कर दी। इससे उनकी 3 साल की सजा बरकरार रहेगी। भारती ने दिल्ली हाईकोर्ट में सजा और दतिया विधानसभा उपचुनाव की प्रक्रिया पर रोक लगाने की मांग की थी। याचिका में उन्होंने कहा था कि अगर दोषसिद्धि पर रोक नहीं लगी, तो उनका चुनाव लड़ने का अधिकार प्रभावित होगा।

inh
छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश का सर्वाधिक लोकप्रिय चैनल देखें
TATA PLAY चैनल नं. 1155 | airtel चैनल नं. 366

खबर संक्षेप

चेक बाउंस केस में राजपाल यादव को 3 महीने की जेल

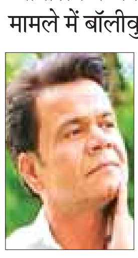

नई दिल्ली। दिल्ली उच्च न्यायालय ने चेक बाउंस के एक मामले में बॉलीवुड अभिनेता राजपाल यादव को तीन महीने की कारावास की सजा सुनाई है। न्यायमूर्ति स्वर्णा कांता शर्मा की अदालत ने याचिका पर फैसला दिया। बकाया राशि चुकाने के अवसर दिए गए लेकिन उन्होंने भुगतान नहीं किया।

नाना पटवारी ने माना- तीन साल पहले करता था नशा

इंदौर। कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी के भाई नाना पटवारी ने पुलिस की कार्रवाई को राजनैतिक प्रतिशोध और सत्ता का दुरुपयोग बताया। नाना पटवारी ने स्वीकार किया कि वे तीन वर्ष पहले तक नशा करते थे, लेकिन अब वे पूरी तरह ठीक हैं। मेरी गलती सिर्फ इतनी है कि मैं जीतू का भाई हूं।

टिकट बुकिंग के दौरान अब कैप्चा होगा खत्म

नई दिल्ली। आईआरसीटीसी की नई वेबसाइट का 'बीटा' वर्जन लॉन्च करने जा रहा है। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने घोषणा की है कि नई वेबसाइट लगभग तैयार है और इसे रेलवे के नए पैसेंजर रिजर्वेशन सिस्टम (पीआरएस) के साथ जोड़ा जा रहा है, जिससे टिकट बुकिंग पहले से ज्यादा तेज, आसान और तकनीकी दिक्कतों से मुक्त हो जाएगी।

राजधानी के रविंद्र भवन में प्रदेश स्तरीय अतिथि विद्वान सम्मेलन

सीएम ने कहा- पुजारी हैं अतिथि विद्वान, उनके हित में आवश्यक हर संभव कदम उठाए जाएंगे

अतिथि विद्वानों की मांगों पर विचार के लिए समिति गठित, अनुशंसाएं आना शेष

सीएम ने कहा कि मप्र लोक सेवा आयोग की सहायक प्राध्यापक भर्ती परीक्षा में अतिथि विद्वानों के लिए 25 प्रतिशत पद आरक्षित करते हुए इन्हें आयु सीमा में 10 वर्ष की छूट भी दी गई है

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

हमारे महाविद्यालयों में शिक्षा देने वाले अतिथि विद्वान युवा पीढ़ी का भविष्य संवारने वाले पावन मंदिर के पुजारी हैं, जो अनेक युवाओं के जीवन को नई दिशा प्रदान करते हैं। अतिथि विद्वानों के परिश्रम का सम्मान करते हुए राज्य सरकार कई महत्वपूर्ण निर्णय ले रही है।

अतिथि विद्वानों की सभी मांगों पर विचार करने के लिए सरकार ने एक उच्च स्तरीय समिति गठित की है। इस समिति की अनुशंसाएं आना अभी शेष है। समिति की अनुशंसाएं प्राप्त होते ही सरकार उच्च शिक्षा एवं तकनीकी शिक्षा विभाग में सेवाएं दे रहे अतिथि विद्वानों के हित में आवश्यक संभव कदम उठाएगी। यह बात मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने राजधानी स्थित रविंद्र भवन में शुक्रवार को प्रदेश स्तरीय अतिथि विद्वान सम्मेलन को संबोधित करते हुए कही।

अंग्रेज गए और कांग्रेस छोड़ गए कांग्रेस केवल काम अटकाती थी, आज समय आगे बढ़ने का है

- *स्कूल शिक्षा में भी मध्यप्रदेश की ड्रॉप आउट दर शून्य पर*
- *अतिथि विद्वानों को उनके घर के पास ही कॉलेज चुनने की सुविधा भी दी गई*

दूसरे राज्यों का भी करेंगे अध्ययन

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि अतिथि विद्वानों के कल्याण के लिए बनी उच्च स्तरीय समिति देश के दूसरे राज्यों में लागू व्यवस्थाओं का भी अध्ययन करेगी और मध्यप्रदेश में सबसे बेहतर मॉडल वाली व्यवस्था लागू की जाएगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि बेहतर स्कूल शिक्षा के लिए राज्य में सांदीपनि विद्यालय शुरू किए जा रहे हैं। पहले राज्य के सकल पंजीयन दर और राष्ट्रीय दर में बड़ा अंतर था(

13 आकस्मिक और 3 ऐच्छिक अवकाश देने की व्यवस्था

मुख्यमंत्री ने कहा सरकार ने अतिथि विद्वानों के लिए 13 आकस्मिक और 3 ऐच्छिक अवकाश देने की व्यवस्था की है। इसके साथ ही महिला अतिथि विद्वानों के लिए प्रसूति अवकाश भी सुनिश्चित किया गया है। अतिथि विद्वानों को उनके घर के पास ही कॉलेज चुनने की सुविधा भी दी गई थी। साथ ही मप्र लोक सेवा आयोग की सहायक प्राध्यापक भर्ती परीक्षा में अतिथि विद्वानों के लिए 25 प्रतिशत पद आरक्षित करते हुए इन्हें आयु सीमा में 10 वर्ष की छूट भी दी गई है।

अटकाने-लटकाने-भटकाने का समय गया

मुख्यमंत्री ने अतिथि विद्वानों के हित में अग्रणी भारतीय मजदूर संघ की सराहना करते हुए कहा कि इस संघ ने हमेशा सच्चाई और अच्छाई के लिए अपनी महती भूमिका निभाई है। हमने भारतीय मजदूर संघ के बैनर तले समिति गठित की है।

सुप्रीम कोर्ट में एक शख्स ने किया भारी हंगामा

जजों के सामने फेंके कागज सीजेआई को कहे 'अपशब्द'

कोर्ट ने खारिज की याचिका दिखाई सहानुभूति

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट में शुक्रवार को उस समय भारी हंगामा हुआ, जब खुद अपना केस लड़ रहे एक याचिकाकर्ता, प्रबल प्रताप ने कोर्टरूम में जजों के सामने कागज हवा में फेंक दिए और अभद्र भाषा का इस्तेमाल किया। यह घटना सुबह करीब 11 बजे जस्टिस के.वी. विश्वनाथन और जस्टिस आलोक अराधे की बेंच के सामने हुई।याचिकाकर्ता ने जजों को न्यायिक सेवक संबोधित करते हुए आक्रामक लहजे में कहा कि मिस्टर न्यायिक सेवक, मैं आपको आदेश देता हूं कि आप लखनऊ के एएसपी के खिलाफ साइबर अपराध का सिंडिकेट चलाने के लिए एफआईआर दर्ज करने का आदेश दें। इस पर जब जस्टिस विश्वनाथन ने हैरानी जताई।

पूर्व आईएएस नियाज खान का विवादित बयान

मुस्लिमों को दी तुर्की जैसा पहनावा अपनाने की सलाह

लोकतंत्र और राजनीति पर भी उठाए सवाल

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

मप्र कैडर के पूर्व आईएएस अधिकारी और लेखक नियाज खान अपने एक सोशल मीडिया पोस्ट को लेकर चर्चा में आ गए हैं। उन्होंने एक्स पर दावा किया कि भारत में मॉब लिंचिंग की घटनाओं से बचने के लिए मुस्लिमों को अपनी पारंपरिक पहचान बदलकर तुर्की के मुसलमानों जैसा पहनावा अपनाना चाहिए, ताकि भीड़ उन्हें आसानी से पहचान न सके। नियाज खान ने लिखा कि देश में मॉब लिंचिंग के ज्यादातर मामलों में पीड़ित कुर्ता, पायजामा, दाढ़ी और टोपी में नजर आते हैं, जिससे उनकी पहचान उजागर हो जाती है। सुरक्षा के लिहाज से उन्हें अपना हुलिया बदल लेना चाहिए।

प्रदेश में बारिश का सिस्टम कमजोर

वापस आया लो प्रेशर सिस्टम बारिश थमने से बढ़ेगा तापमान

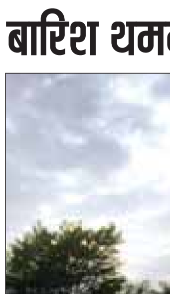

गर्मी और उमस लोगों को करेगी परेशान

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

पिछले पांच दिनों से हो रही अच्छी बारिश के बाद मानसून का लो प्रेशर सिस्टम वापस लौट गया है, जिसकी वजह से प्रदेश में बारिश का सिस्टम कमजोर हो गया है। हालांकि शुक्रवार को सीधी में 13 मिलीमीटर और सतना में 7 मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई, जबकि ग्वालियर समेत कुछ जिलों में बूंदाबांदी हुई। अब अगले तीन दिनों के दौरान दिन और रात के तापमान में बढ़ोतरी होने का अनुमान लगाया जा रहा है।

सिंगरौली में नाबालिग से बर्बरता

भैंस चोरी के शक में 14 साल के बच्चे की पीट-पीटकर हत्या

तीन आरोपियों के खिलाफ हत्या का केस दर्ज तीनों फरार

हरिभूमि न्यूज ▶▶ सिंगरौली

यहां भैंस चोरी के शक में तीन दबंगों द्वारा 14 वर्षीय बच्चे विनोद सिंह की लाठी-डंडों से बेरहमी से पिटाई का मामला सामने आया है। इलाज के दौरान अस्पताल में बच्चे की मौत हो गई। पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट आने के बाद पुलिस ने शुक्रवार को तीन आरोपियों के खिलाफ हत्या का केस दर्ज किया है। घटना करकोसा गांव की है, जहां आसमान सिंह नामक व्यक्ति की भैंस 6 जुलाई को चोरी हुई थी।

बिस्तर पर रेंगता मिला जहरीला करैत

बिस्तर पर सो रहे एक ही परिवार के तीन लोगों को सांप ने काटा

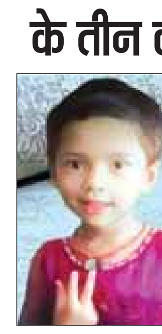

6 साल की मासूम की मौत माता-पिता की हालत गंभीर

हरिभूमि न्यूज ▶▶ अनूपपुर

जिले के भेड़वाटोला गांव में गुरुवार-शुक्रवार की दरमियानी रात एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई, जहां जहरीले करैत सांप के काटने से 6 वर्षीय मासूम बच्ची की मौत हो गई, जबकि उसके माता-पिता अस्पताल में जिंदगी की जंग लड़ रहे हैं। घटना रात करीब ढाई बजे की है, जब भानु प्रताप सिंह अपनी पत्नी रेखा सिंह और बेटी माधवी सिंह के साथ बिस्तर पर सो रहे थे।

आगर मालवा में पकड़ाया रिश्वतखोर बाबू

27 लाख के भुगतान के एवज में 50 हजार की घूस लेते गिरफ्तार

लंबित ग्रेच्युटी, बीमा आदि की राशि के एवज में मांगे थे रुपए

हरिभूमि न्यूज ▶▶ आगर मालवा

लोकायुक्त उज्जैन की टीम ने शुक्रवार को आगर मालवा जिले के खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग में बड़ी कार्रवाई की है। टीम ने जिला आपूर्ति अधिकारी कार्यालय में पदस्थ सहायक ग्रेड-3 और प्रभारी लेखपाल मनीष कुमार पंडया को 50 हजार रुपए की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ गिरफ्तार किया। आरोपी ने एक सेवानिवृत्त अधिकारी के करीब 27 लाख रुपए के लंबित फंड्स (ग्रेच्युटी, बीमा और अवकाश नकदीकरण) को जारी करने के एवज में डेढ़ लाख रुपए की घूस मांगी थी। जावरा (रतलाम) निवासी विजय कुमार बोरसिया ने इस संबंध में 8 जुलाई को लोकायुक्त एसपी आनंद कुमार यादव से शिकायत की थी।

भोपाल कलेक्ट्रेट में हंगामा...'औकात' तक पहुंची बात

एक-दूसरे की तरफ अंगुली उठाकर बात करने से बढ़ा विवाद

दिशा बैठक में मास्टर प्लान पर भिड़े कांग्रेस विधायक और जनपद अध्यक्ष

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

कलेक्ट्रेट में शुक्रवार को आयोजित दिशा समिति की बैठक उस समय भारी हंगामे की भेंट चढ़ गई, जब भोपाल के मास्टर प्लान को लेकर जनप्रतिनिधि आपस में ही भिड़ गए। बैठक में कांग्रेस विधायक आरिफ मसूद और आतिफ अकील की फंदा जनपद पंचायत अध्यक्ष प्रमोद सिंह राजपूत के साथ तीखी बहस हो गई। दोनों पक्षों के बीच एक-दूसरे की तरफ अंगुली उठाकर बात करने से विवाद इतना बढ़ा कि जनपद अध्यक्ष ने विधायकों को औकात में रहकर बात करने तक की नसीहत दे डाली। विवाद तब शुरू हुआ जब विधायक आरिफ मसूद मास्टर प्लान में हो रही देरी को लेकर सांसद से चर्चा कर रहे थे।

10 मिनट तक बहसबाजी

दोनों नेताओं के बीच करीब 10 मिनट तक हाई-वोल्टेज ड्रामा चला। मसूद ने जनपद अध्यक्ष को शांत रहने की हिदायत देते हुए कहा कि वे उनका तरीका ठीक नहीं है और वे केवल सांसद का सम्मान करते हुए यहां बैठे हैं।

चढ़ावा प्रबंधन और सुरक्षा व्यवस्था को पारदर्शी बनाने के लिए ट्रस्ट का बड़ा फैसला

राम मंदिर में पहली बार सीईओ पद, 2500 कर्मचारियों की होगी उन पर जिम्मेदारी, 22 जुलाई को होगी घोषणा

एजेंसी ▶▶ अयोध्या

श्रीरामजन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट ने राम मंदिर के प्रशासनिक ढांचे में एक बड़ा बदलाव करने का निर्णय लिया है। मंदिर के संचालन को अधिक पेशेवर, पारदर्शी और जवाबदेह बनाने के लिए पहली बार मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) का पद सृजित किया जा रहा है। आगामी 22 जुलाई को होने वाली बैठक में नए सीईओ के नाम की घोषणा की जा सकती है, जिसके चयन के लिए तीन सदस्यीय समिति का गठन पहले ही किया जा चुका है। नवनियुक्त सीईओ को मंदिर के प्रशासन और वित्तीय प्रबंधन को लेकर व्यापक अधिकार सौंपे जाएंगे।

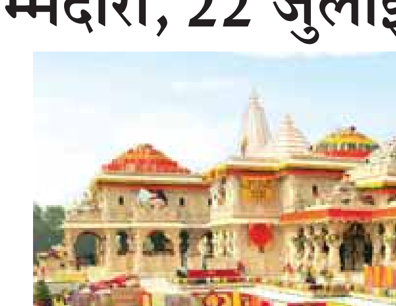

तीन सदस्यीय समिति करेगी सीईओ का चयन

सीईओ को ये मिलेंगी जिम्मेदारी

1. **चढ़ावा और वित्तीय प्रबंधन**
   वित्तीय विशेषज्ञों और चार्टर्ड अकाउंटेंट (सीए) की मदद से एक आधुनिक अकाउंटिंग सिस्टम लागू किया जाएगा।
2. **2500 कर्मचारियों की निगरानी**
   परिसर की सुरक्षा, सफाई और दर्शन व्यवस्था में तैनात करीब 2500 कर्मचारियों की ड्यूटी, उनके बीच समन्वय और प्रशासनिक कार्यों की कमान सीधे सीईओ के हाथों में होगी।

23 कर्मचारियों का सामूहिक इस्तीफा

नई दिल्ली। राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामले में आगामी 13 जुलाई को सुप्रीम कोर्ट में अहम सुनवाई होगी। चीफ जस्टिस सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली बेंच तीन अलग-अलग याचिकाओं पर सुनवाई करेगी, जिनमें मामले की जांच सीबीआई को सौंपने या एसआईटी गठन की मांग की गई है। साथ ही, मंदिर दान प्रबंधन की समीक्षा के लिए एक एक्सपर्ट कमेटी बनाने की भी अपील की गई है।

खबर संक्षेप

आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन की समीक्षा

नई दिल्ली। केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जेपी नड्डा ने आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन की तीसरी मिशन संचालन समूह बैठक की अध्यक्षता की। बैठक में इसकी प्रगति की समीक्षा की। इसे और मजबूत बनाने की रणनीति पर चर्चा की। यह स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर, आसान और सुलभ बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है।

पतंग को पाइप से उतारने में दादा की मौत

खुर्जा। कोतवाली क्षेत्र के बुर्ज उस्मान मोहल्ले में शुक्रवार सुबह एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई, जहां 12 वर्षीय पोते को बिजली के करंट से बचाने के प्रयास में दादा की जान चली गई। करंट की चपेट में आए पोते की हालत गंभीर बनी हुई है और उसका अस्पताल में इलाज चल रहा है। वीडियो सामने आया है।

51 साल के एक्टर संजीब का निधन

नई दिल्ली। टीवी इंडस्ट्री से एक दुखद खबर सामने आ रही है। खबर है कि टीवी के पॉपुलर सीरियल 'डॉ. आरंभी' में नजर आ रहे एक्टर संजीब सिंह की अचानक मौत हो गई है। शूटिंग करने के बाद घर लौट रहे एक्टर संजीब सिंह के निधन की घटना ने इंडस्ट्री में हड़कंप मचा दी है। वे घर लौट रहे थे तभी हार्ट अटैक आया था।

गृहमंत्री ने पड़ोसी मुल्कों से लगते जिलों के एसपी के साथ अहम सम्मेलन को किया संबोधित

भारत को घुसपैठ मुक्त बनाएंगे, 3 साल में नारकोटिक्स की समस्या भी हो जाएगी हल

'सीमांत जिला पुलिस अधीक्षक सम्मेलन-2026' में की कॉन्फ्रेंस

पाकिस्तान, बांग्लादेश और चीन समेत पड़ोसी मुल्कों से लगते जिलों पर बात की

हम एक ऐसा मजबूत सुरक्षा तंत्र बना रहे, जिससे कहीं भी घुसपैठ ही नहीं हो सकेगी

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने गुरुवार को पाकिस्तान, बांग्लादेश और चीन समेत तमाम पड़ोसी मुल्कों से लगते जिलों के एसपी के साथ एक अहम सम्मेलन को संबोधित किया। सीमांत जिला पुलिस अधीक्षक सम्मेलन-2026 नाम की इस कॉन्फ्रेंस में उन्होंने कहा कि हम एक ऐसा मजबूत सुरक्षा तंत्र बना रहे हैं। जिससे देश को घुसपैठिया मुक्त करने के साथ ही घुसपैठ ही नहीं हो सकेगी। उन्होंने कहा कि जिस तरह से देश को जम्मू कश्मीर और नॉर्थ-ईस्ट में आतंकवाद और नक्सलवाद से निजात मिली है। घुसपैठ को रोकने के साथ ही आने वाले 3 सालों में सरकार नारकोटिक्स की समस्या पर भी विजय प्राप्त करेगी। सम्मेलन में बॉर्डर से लगते 119 जिलों के एसपी और अन्य अधिकारी शामिल हुए। इनके सात गृहमंत्री शाह ने कई सुरक्षात्मक मुद्दों पर चर्चा की। इसके साथ ही उनके परामर्श को भी ध्यान से सुना और समस्याओं के निराकरण के लिए विस्तार से बात भी की।

गृहमंत्री शाह ने 3 बड़े ऐलान किए

119 जिलों के एसपी और अन्य अधिकारी बैठक में रहे शामिल

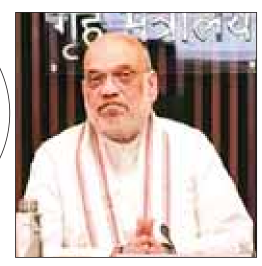

केंद्र सरकार मजबूत चतुष्कोणीय सुरक्षा ग्रिड बना रही

शाह ने कहा कि मोदी सरकार, संबद्ध सीमा रक्षक बल, राज्य और जिला प्रशासन, भारत सरकार के संबंधित हितधारक तथा स्थानीय नागरिकों के साथ मिलकर एक मजबूत चतुष्कोणीय सुरक्षा ग्रिड का निर्माण कर रही है। बॉर्डर इन्फ्रास्ट्रक्चर में 400 प्रतिशत की बढ़ोतरी की है।

घुसपैठ से जनसांख्यिकी में हो रहे बदलाव

गृह मंत्री ने कहा कि सीमांत क्षेत्रों में हो रहे जनसांख्यिकी परिवर्तन का मूल कारण घुसपैठ है। मोदी सरकार आइसोलेटेड सीमा चौकी की व्यवस्था से एकीकृत सुरक्षा ग्रिड का निर्माण करने की दिशा में आगे बढ़ रही है। सीमांत क्षेत्रों में जनसांख्यिकी में हो रहे बदलाव की सूचना मिली है।

म्यांमार बॉर्डर पर 610 किलोमीटर लंबी सीमा पर बाड़बंदी हो रही

गृहमंत्री शाह ने कहा कि मोदी सरकार 31 हजार करोड़ से 1610 किलोमीटर लंबे म्यांमार बॉर्डर पर बाड़बंदी कर रही है। प्रॉक्सी वार, घुसपैठ, कट्टरपंथ का प्रसार, नारकोटिक्स, तस्करी, ड्रोन, साइबर अपराध, संगठित अपराध और जनसांख्यिकीय परिवर्तन रोकना, सीमा को रहने लायक बनाना और वहां से पलायन रोकना और सुरक्षा सुनिश्चित करना हमारे उद्देश्य हैं। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में तटीय सीमा सुरक्षा को सुनिश्चित करने की दिशा में भी हम समग्रता से आगे बढ़ेंगे। स्मार्ट बॉर्डर की कल्पना पर आधारित भारत की बॉर्डर सुरक्षा व्यवस्था आने वाले समय में विश्व में सबसे आधुनिक सुरक्षा व्यवस्था होगी।

रेलवे सुरक्षा और पटरियों की तोड़फोड़ को रोकने व्यापक योजना बना रहे

केंद्रीय गृह मंत्री शाह ने रेलवे सुरक्षा और पटरियों की तोड़फोड़ को रोकने के लिए कई सुरक्षा एजेंसियों के साथ मिलकर एक व्यापक योजना बनाने की बात कही है। इस योजना में रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ), राजकीय रेलवे पुलिस (जीआरपी), सीबीआई (सीबीआई) और राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) जैसी एजेंसियां शामिल हैं।रेलवे सुरक्षा और समन्वय योजनागृह मंत्रालय और रेल नेटवर्क की सुरक्षा के लिए संयुक्त रणनीति।रेल पटरियों पर किसी भी तरह की तोड़फोड़ या साजिश को नाकाम करने के उपाय।खुफिया एजेंसियों और रेलवे पुलिस के बीच बेहतर तालमेल स्थापित किया जाएगा।

केंद्रीय मंत्री ने शाह से गुहार लगाई

घुसपैठियों को बना रहे स्थायी मूल निवासी कर्नाटक सीएम

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

केंद्रीय सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम तथा श्रम और रोजगार राज्य मंत्री शोभा करंदलाजे ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से अपील की कि वे कर्नाटक स्थायी निवास प्रमाण पत्र (पीआरसी), 2026 के मामले में तत्काल हस्तक्षेप करें। उन्होंने संवैधानिक और राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े गंभीर कारण बताए। सीएम डीके शिवकुमार ने नागरिकों को चुनाव आयोग की मतदाता सूची के "विशेष गहन संशोधनमें भाग लेने में मदद करने के लिए स्थायी निवास प्रमाण पत्र (पीआरसी) जारी करने की घोषणा की है। उनका कहना है कि इस कदम का उद्देश्य पात्र मतदाताओं के नाम मतदाता सूची से हटने से रोकना है।

संविधान के प्रावधान का हवाला दिया

शोभा ने कहा कि संविधान पूरे देश के सभी नागरिकों के लिए एक ही नागरिकता की व्यवस्था करता है। कर्नाटक सरकार द्वारा 'स्थायी निवास प्रमाण पत्र' शुरू करना इस संवैधानिक ढांचे के विपरीत है, क्योंकि यह बिना किसी संवैधानिक या कानूनी अधिकार के 'स्थायी निवासियों' की एक अलग श्रेणी बनाने का प्रयास करता है।

इसे अनुच्छेद 14 का उल्लंघन बताया

उन्होंने जोर देकर कहा कि इस तरह का वर्गीकरण मनमाना है। इसका किसी वैध संवैधानिक उद्देश्य से कोई तार्किक संबंध नहीं है और यह संविधान के अनुच्छेद 14 का उल्लंघन करता है। 'स्थायी निवासियों' के रूप में नामित व्यक्तियों का एक अलग वर्ग बनाकर राज्य सरकार वास्तव में ऐसी विशिष्ट कानूनी मान्यता दे रही है, जिसे संविधान के तहत कोई मंजूरी नहीं मिली है।

राष्ट्रीय सुरक्षा पर चिंता जताई

उन्होंने बताया कि राष्ट्रीय सुरक्षा के नजरिए से यह अधिसूचना और भी चिंताजनक है। इसमें पात्रता के मानदंड मुख्य रूप से निवास और राजस्व अधिकारियों द्वारा स्थानीय सत्यापन पर आधारित बताए गए हैं। हालांकि, सक्षम केंद्रीय अधिकारियों के माध्यम से भारतीय नागरिकता के सत्यापन को अनिवार्य करने या अवैध प्रवासियों और विदेशी नागरिकों को बाहर करने के लिए कोई मजबूत व्यवस्था नहीं की गई है।

अवैध प्रवासियों को मिलेगा फायदा : उन्होंने कहा कि नतीजतन, जो लोग अवैध रूप से भारत में आए हैं या राज्य में गैरकानूनी तरीके से रह रहे हैं, वे स्थानीय दस्तावेज दिखाकर या धोखाधड़ी के जरिए स्थायी निवास प्रमाण पत्र हासिल कर सकते हैं। इससे गैरकानूनी रूप से रह रहे लोगों को कानूनी पहचान मिलने का खतरा पैदा हो सकता है।

ऊंचाई से डरने वाली अमायरा 4वीं मंजिल से कैसे कूद गई?

एजेंसी ▶▶ जयपुर

यहां के नीरजा मोदी स्कूल में चौथी कक्षा की 9 वर्षीय छात्रा अमायरा की मौत के मामले में नए सीसीटीवी फुटेज सामने आने के बाद कई गंभीर सवाल खड़े हुए हैं। पिछले साल 1 नवंबर 2025 को स्कूल की चौथी मंजिल से गिरने से अमायरा की मौत हो गई थी। अब बच्ची के माता-पिता का आरोप है कि जिस बेटी को ऊंचाई से बहुत डर लगता था, वह अचानक चौथी मंजिल से कैसे कूद सकती है? घटना से पहले अमायरा लगातार मदद मांग रही थी, लेकिन किसी ने उसकी बात नहीं सुनी। मां शिवानी ने आरोप लगाया कि घटना वाले दिन एक छात्र ने पूरी 55 मिनट तक उनकी बेटी को परेशान किया। वह छात्र अमायरा के आगे बैठा था। अमायरा उसे बार-बार बोर्ड की तरफ देखने के लिए कह रही थी। क्योंकि वह पढ़ाई में फोकस थी और क्लास में ध्यान से बैठी रहती थी।

हिमाचल में 17 आईएएस 22 एचएएस इधर-उधर

शिमला। हिमाचल प्रदेश सरकार ने सिविल सेवा बोर्ड की सिफारिशों पर 17 आईएएस और 22 एचएएस अधिकारियों के तबादला व तैनाती आदेश जारी किए हैं। मुख्य सचिव कमलेश पंत ने आदेश दिए। अतिरिक्त मुख्य सचिव ओंकार चंद अतिरिक्त मुख्य सचिव परिवहन का अतिरिक्त कार्यभार भी देखेंगे।

1996 श्रीनगर हिंसा केस में बड़ा एक्शन

एनआईए ने शब्बीर शाह समेत 6 हुर्रियत नेताओं के खिलाफ चार्जशीट दाखिल की

एनआईए की जांच में सामने आया कि हुर्रियत नेताओं ने भारत विरोधी, पाकिस्तान समर्थक और अलगाववादी नारे लगाए। उन्होंने भड़काऊ भाषण देकर सशस्त्र संघर्ष की वकालत की

एजेंसी ▶▶ श्रीनगर

राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने अलगाववादी संगठन हुर्रियत कॉन्फ्रेंस के 6 वरिष्ठ नेताओं के खिलाफ चार्जशीट दाखिल की है। यह मामला 1996 में श्रीनगर में भीड़ द्वारा हिंसा और पुलिस पर फायरिंग से जुड़ा है। एनआईए ने शुक्रवार को जम्मू की एनआईए स्पेशल कोर्ट में यह चार्जशीट दाखिल की। चार्जशीट में जिन 6 कश्मीरी अलगाववादी नेताओं के नाम हैं, उनमें शब्बीर अहमद शाह, सैयद अली शाह गिलानी, अब्दुल गनी लोन, मोहम्मद याकूब वकील उर्फ मोहम्मद याकूब वकील, जाविद अहमद मीर और शकील अहमद बख्शी शामिल हैं। सभी 6 नेताओं पर रणबीर दंड संहिता, 1989 के तहत आपराधिक साजिश, हत्या की कोशिश, दंगा और सरकारी कर्मचारी पर हमले के आरोप लगाए गए हैं। साथ ही गैरकानूनी गतिविधि (रोकथाम) अधिनियम, 1967 की धारा 13 भी लगाई गई है।

सभी पर आपराधिक साजिश और पुलिस पर हमले के आरोप

शब्बीर अहमद शाह

जाविद अहमद मीर

शकील अहमद बख्शी

3 नेताओं की मौत

अधिकारियों के मुताबिक, सैयद अली शाह गिलानी, अब्दुल गनी लोन और मोहम्मद याकूब वकील का निधन हो चुका है। इसलिए उनके खिलाफ आरोप खत्म माने जाएंगे। लेकिन चार्जशीट में एनआईए ने सबूतों के साथ बताया है कि ये तीनों भी आपराधिक साजिश और गैरकानूनी भीड़ का हिस्सा थे।

नारी स्वास्थ्य समस्याओं में भरोसेमंद
कमर–पेड़ू में दर्द, खून की कमी, कमज़ोरी,
हथेली–तलवों में जलन, हार्मोन्स असंतुलन
चिड़चिड़ापन आदि कठिन समस्याओं में सहायक
हेमपुष्पा
90 वर्षों से No.1 वुमन हेल्थ टॉनिक
Helpline: 011-23261111, rajvaidyacare@gmail.com

यह है 1996 का पूरा मामला

एनआईए के अनुसार, 17 जुलाई 1996 को श्रीनगर के नाज़ क्रॉसिंग पर मारे गए आतंकी हिलाल अहमद बेग की अंतिम यात्रा निकाली गई थी। आरोप है कि इस जुलूस की अगुवाई हुर्रियत नेताओं ने की थी। जुलूस में हथियारबंद आतंकी भीड़ में घुल-मिल गए थे। उन्होंने पुलिस पर अंधाधुंध फायरिंग की। भारी पत्थरबाजी में कई पुलिसकर्मी घायल हुए और सरकारी गाड़ियों को नुकसान पहुंचा। हिंसा के दिन ही श्रीनगर के शेरगढ़ी थाने में एफआईआर दर्ज हुई थी। गृह मंत्रालय के आदेश पर एनआईए ने अप्रैल 2026 में मामले की जांच अपने हाथ में ली थी ।

हिंसा फैलाने पहले से रची थी साजिश

एनआईए की जांच में सामने आया कि हुर्रियत नेताओं ने भारत विरोधी, पाकिस्तान समर्थक और अलगाववादी नारे लगाए। उन्होंने भड़काऊ भाषण देकर सशस्त्र संघर्ष की वकालत की। एनआईए ने कहा कि बारीक जांच से साफ हुआ कि यह हिंसा पहले से रची गई बड़ी साजिश का हिस्सा थी। हुर्रियत नेतृत्व ने अंतिम यात्रा को अलगाववादी सोच फैलाने, भारत सरकार के खिलाफ जनता को भड़काने, अशांति फैलाने और पुलिस पर हमला करवाने के लिए मंच बनाया था।

खबर संक्षेप

नीरव शाह अमेरिकी सीनेट चुनाव लड़ेंगे

वॉशिंगटन। भारतीय मूल के महामारी विशेषज्ञ नीरव डी. शाह ने अमेरिकी सीनेट का चुनाव लड़ने का ऐलान किया। डेमोक्रेटिक उम्मीदवार ग्राहम प्लैटनर ने यौन उत्पीड़न के आरोपों के बीच अपनी उम्मीदवारी वापस ले ली जिसके बाद नीरव ने यह घोषणा की। विस्कॉन्सिन में भारतीय प्रवासी माता-पिता के घर जन्मे नीरव शाह कोविड-19 महामारी के दौरान मेन के रोग नियंत्रण केंद्र के निदेशक रहे थे। इसके अलावा, वह मेन के गवर्नर पद के लिए हुए डेमोक्रेटिक प्राइमरी चुनाव के अंतिम चरण में दूसरे स्थान पर रहे थे।

स्पेन के जंगल में लगी आग, 11 लोगों की मौत

मैड्रिड। स्पेन के अधिकांश हिस्सों में तापमान बढ़ने के बीच जंगल में आग लगने से 11 लोगों की मौत हो गई। अधिकारियों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। जंगल में लगी आग के कई पीड़ितों के शव जले हुए वाहनों के अंदर मिले। आग पर काबू पाने के अभियान में 150 दमकलकर्मी और स्पेन की सैन्य आपातकालीन इकाई के 220 जवान जुटे हुए हैं। यह आग सिएरा दे लॉस फिलाब्रेस पहाड़ियों के पास एक छोटे से गांव में लगी। आग लगने के कारण की पुष्टि नहीं की लेकिन स्थानीय लोगों ने बताया कि आग बिजली के जमीन पर गिरे तार से भड़की थी।

रूस में दो एआई रोबोट ने किया विवाह

मॉस्को। रूस की राजधानी मॉस्को में दो ह्यूमनॉइड रोबोट ने आपस में प्रतीकात्मक विवाह कर लिया। दो एआई ह्यूमनॉइड रोबोट (रॉबर्ट और मटिल्डा) को आधिकारिक रूप से जीवनसाथी घोषित किया गया। एक रोबोडॉग ने वेडिंग रिंग पहुंचाई। ह्यूमनॉइड रोबोट रॉबर्ट को ऑफिस कर्मचारी और ब्लॉगिंग के लिए डिजाइन किया गया है। जबकि मटिल्डा को एक बैलेरिना के रूप में बनाया गया है। दोनों ह्यूमन रोबोट्स एआई की मदद से बातें कर सकते हैं। मॉस्को की पुश्किन लाइब्रेरी में यह विवाह आयोजित किया गया।

चार दशकों में किसी भारतीय पीएम का न्यूजीलैंड का यह पहला दौरा

पीएम मोदी पहुंचे ऑकलैंड, एयरपोर्ट पर पीएम लक्सन ने किया स्वागत

व्यापार, निवेश और रक्षा क्षेत्रों में हुए संबंधों की व्यापक समीक्षा करेंगे

पीएम मोदी ने मुक्त व्यापार समझौते पर हस्ताक्षर के साथ ही भारत और न्यूजीलैंड ने द्विपक्षीय व्यापार और वाणिज्यिक संबंधों को मजबूत करने की प्रतिबद्धता जताई है। उन्होंने कहा कि हमारे द्विपक्षीय संबंधों में भारतीय प्रवासी समुदाय का महत्वपूर्ण योगदान रहा है

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

पीएम नरेंद्र मोदी अपने तीन देशों के दौरे के आखिरी चरण के लिए शुक्रवार को ऑकलैंड पहुंचे। पीएम मोदी के यहां पहुंचने पर न्यूजीलैंड के पीएम क्रिस्टोफ़र लक्सन ने उन्हें गले लगाकर उनका स्वागत किया। इस दौरान न्यूजीलैंड में भारत की उच्चायुक्त मुआनपुई सैयावी समेत कई अधिकारी मौजूद थे।

पीएम मोदी ने 'एक्स' पर इसकी जानकारी देते हुए कहा कि एयरपोर्ट पर स्वागत के लिए पीएम लक्सन का आभारी हूं। पीएम मोदी ने इस दौरे को ऐतिहासिक बताते हुए कहा कि चार दशकों में किसी पीएम का न्यूजीलैंड का यह पहला दौरा है। मैं पीएम लक्सन के साथ बातचीत करने और भारत-न्यूजीलैंड दोस्ती के सभी पहलुओं पर चर्चा करने के लिए उत्सुक हूं। बता दें, दोनों नेता व्यापार, निवेश, रक्षा और अन्य अहम क्षेत्रों में दोनों देशों के संबंधों की व्यापक समीक्षा करेंगे। पिछले दो वर्षों में भारत और न्यूजीलैंड के बीच व्यापार और रक्षा सहयोग में उल्लेखनीय प्रगति हुई है। पीएम मोदी का एयरपोर्ट पर भारतीय समुदाय के लोगों ने स्वागत किया।

भारतीय समुदाय से मिले पीएम मोदी

पीएम मोदी का स्वागत करते न्यूजीलैंड के पीएम लक्सन

आर्थिक और व्यापारिक संबंध मजबूत होंगे

पीएम मोदी ने कहा कि मेरी यह यात्रा मार्च 2025 में पीएम लक्सन की भारत यात्रा के बाद हमारे द्विपक्षीय संबंधों में आई मजबूती को और आगे बढ़ाएगी। इस यात्रा के दौरान, मैं पीएम लक्सन के साथ आर्थिक, व्यापारिक और वाणिज्यिक संबंधों को और मजबूत करने के तरीकों पर चर्चा करूंगा। मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) पर हस्ताक्षर के साथ ही भारत और न्यूजीलैंड ने द्विपक्षीय व्यापार और वाणिज्यिक संबंधों को मजबूत करने की प्रतिबद्धता जताई है।

भारत आर्थिक महाशक्तिः ट्वायफोर्ड

न्यूजीलैंड के सांसद फिल ट्वायफोर्ड ने कहा कि भारत एशिया में एक राजनीतिक और आर्थिक महाशक्ति के तौर पर उभरा है और न्यूजीलैंड को भारत के साथ गहरी साझेदारी से फायदा होगा। अब हम एक बहुपक्षीय अंतरराष्ट्रीय माहौल में रहते हैं। अब सिर्फ एक सुपरपावर नहीं है; कई हैं। भारत के साथ मुक्त व्यापार समझौता इस मामले में बहुत सही समय पर हुआ है।

दोनों देशों की अर्थव्यवस्था बढ़ेगीः मैक्ले

न्यूजीलैंड व्यापार और निवेश मंत्री टॉड मैक्ले ने कहा कि भारत-न्यूजीलैंड एफटीए दोनों देशों को आर्थिक साझेदारी को गहरा करने के लिए एक मजबूत मंच देता है। इस समझौते के बाद भारत के साझेदार के रूप में न्यूजीलैंड अर्थव्यवस्था के विकास में मदद करेगा। खेती, इनोवेशन और एग्री-टेक्नोलॉजी में न्यूजीलैंड की विशेषज्ञता भारत के विकास में, खासकर खेती की उत्पादकता और ग्रामीण आय बढ़ाने में, अहम योगदान दे सकती है।

12 दिसंबर को चेन्नई में होगा बिग बैश लीग का पहला मैच

शुक्रवार को ऑस्ट्रेलियाई पीएम एंथनी अल्बानीज ने घोषणा की कि 2026-27 बिग बैश लीग सीजन भारत में शुरू होगा। चेन्नई का एमए चिदंबरम स्टेडियम दिसंबर में शुरुआती मैच की मेजबानी करेगा। यह घोषणा पीएम मोदी के साथ एक संयुक्त बयान में की गई। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने बाद में पुष्टि की कि मेलबर्न रेनेगेड्स 12 दिसंबर को ऐतिहासिक सीजन के पहले मैच में पर्थ स्कॉचर्स का सामना करेगा। यह मैच ऑस्ट्रेलिया के बाहर खेला जाने वाला पहला बिग बैश लीग मैच होगा। पीएम मोदी ने कहा कि भारत 2030 राष्ट्रमंडल खेलों की मेजबानी करेगा। देश 2036 ओलंपिक के लिए भी अपनी दावेदारी पेश कर रहा है।

स्टीव वॉ और लीसा से मिले पीएम

एमसीजी दौरे के दौरान पीएम ने पूर्व ऑस्ट्रेलियाई कप्तान स्टीव वॉ को लगभग दो दशक पुरानी एक तस्वीर भेंट की। यह तस्वीर उस समय की थी जब नरेंद्र मोदी गुजरात के मुख्यमंत्री थे और उनकी स्टीव वॉ से मुलाकात हुई थी। पूर्व महिला कप्तान लीसा स्थालेकर के आग्रह पर पीएम मोदी ने बैट पर अपने हस्ताक्षर दिए।

देश की मिट्टी में मरने की चाहत

दिसंबर में बांग्लादेश लौटेंगी पूर्व पीएम शेख हसीना, कोर्ट में करेंगी 'सरेंडर'

पूर्व पीएम शेख हसीना

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

बांग्लादेश की पूर्व पीएम शेख हसीना ने कहा है कि वह दिसंबर में भारत से बांग्लादेश देश लौटेंगी और कोर्ट में सरेंडर करेंगी। उन्होंने कहा कि उनके साथ अवामी लीग के कई सीनियर नेता भी बांग्लादेश लौटकर आत्मसमर्पण करेंगे। उन्होंने कहा कि अवामी लीग के नेताओं और कार्यकर्ताओं पर लगातार कार्रवाई हो रही है।

लगभग सभी बड़े नेताओं और कार्यकर्ताओं पर मुकदमे दर्ज किए गए हैं और कई लोग छिपकर रहने को मजबूर हैं। बता दें, हसीना 2024 में सरकार विरोधी आंदोलन के बाद बांग्लादेश छोड़कर भारत आ गई थीं। इसके बाद उन्हें छात्र आंदोलन पर कार्रवाई से जुड़े मामले में मौत की सजा सुनाई गई। वह इन आरोपों से इनकार करती रही हैं।

सरकार से वापसी पर कोई बातचीत नहीं

शेख हसीना ने कहा कि उन्होंने बांग्लादेश लौटने को लेकर सरकार से कोई बातचीत नहीं की है। उनका कहना है कि लोकतंत्र, चुनाव, अवामी लीग के राजनीतिक अधिकार और न्याय जैसे मुद्दों पर पर्दे के पीछे बातचीत नहीं हो सकती। उन्होंने दावा किया कि बांग्लादेश सरकार उन्हें वापस भेजने के लिए भारत को लगातार पत्र लिख रही है। मुझे वापस लाने की जरूरत नहीं पड़ेगी, मैं खुद ही लौटूंगी। हालांकि, हसीना के इस दावे पर बांग्लादेश सरकार की ओर से कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है। वहीं भारत ने भी फिलहाल कोई टिप्पणी नहीं की। इससे पहले अप्रैल में भारत ने कहा था कि वह बांग्लादेश के प्रत्यर्पण अनुरोध पर विचार कर रहा है और नई सरकार के साथ संबंध मजबूत करने की दिशा में काम कर रहा है।

गलती की है तो फैसला जनता करे

शेख हसीना ने कहा कि उन्हें जेल जाने का डर नहीं है, क्योंकि वह पहले भी कई बार गिरफ्तार हो चुकी हैं। उन्होंने कहा कि सत्ता में लंबे समय तक रहने वाली किसी भी सरकार से गलतियां हो सकती हैं, लेकिन उसका फैसला अदालत नहीं, जनता को करना चाहिए। अगर हमारी सरकार से गलतियां हुई हैं, तो जनता फैसला करेगी।

संयुक्त राष्ट्र की एक रिपोर्ट में 2024 के छात्र आंदोलन पर कार्रवाई में करीब 1,400 लोगों की मौत होने की बात कही गई है। इसी मामले में शेख हसीना को अनुपस्थिति में मौत की सजा सुनाई गई थी। हसीना ने कहा कि उन्हें भरोसा है कि अदालत की सुनवाई शुरू होने पर सच्चाई सामने आ जाएगी।

यूएन में संघर्ष संबंधी यौन हिंसा की निंदा

भारत बोला- यह एक जघन्य कृत्य राजनीतिक दमन का बड़ा हथियार

एजेंसी ▶▶ वॉशिंगटन

भारत ने संघर्ष-संबंधी यौन हिंसा (सीआरएसवी) की कड़ी निंदा करते हुए इसे युद्ध, आतंकवाद, यातना और राजनीतिक दमन का एक हथियार बताया है, जिसका प्रयोग समुदायों को अधीन करने, असहमति को दबाने और मानवीय पीड़ा पहुंचाने के लिए किया जाता है। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में संघर्ष-संबंधी यौन हिंसा पर खुली बहस में बोलते हुए, संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी प्रतिनिधि, राजदूत पी. हरीश ने कहा कि इस तरह की हिंसा दण्ड मुक्ति की प्रचलित संस्कृति के बीच जारी है। उन्होंने कहा कि भारत ऐसे जघन्य कृत्यों की कड़ी निंदा करता है। संयुक्त राष्ट्र महासचिव की रिपोर्ट का संदर्भ देते हुए उन्होंने कहा कि 2025 में सत्यापित मामलों में हुई तीव्र वृद्धि सामूहिक कार्रवाई की तत्काल आवश्यकता को रेखांकित करती है। संयुक्त राष्ट्र शांतिरक्षा में भारत के महत्वपूर्ण योगदानों पर प्रकाश डाला।

ओमान पहुंचे विदेश मंत्री एस. जयशंकर

रक्षा, व्यापार, साइबर, समुद्री सुरक्षा समेत कई मुद्दों पर हुई अहम चर्चा

एजेंसी ▶▶ मस्कट

विदेश मंत्री डॉ. सुब्रह्मण्यम जयशंकर कुवैत की यात्रा पूरी करने के बाद ओमान पहुंचे। उनके आगमन पर ओमान के विदेश मंत्रालय के महानिदेशक शेख अहमद अल मस्कारी ने उनका स्वागत किया। जयशंकर ने ओमान की राजधानी मस्कट में ओमान के विदेश मंत्री बद्र अलबुसादी से मिले। उन्होंने एक्स पर इस मुलाकात की जानकारी देते हुए लिखा कि हमारे सहयोग के विभिन्न पहलुओं पर चर्चा करके खुशी हुई। बातचीत मुख्य रूप से व्यापार, निवेश, कनेक्टिविटी, समुद्री मामलों, टेक्नोलॉजी, रक्षा और साइबर व एआई के क्षेत्रों पर केंद्रित रही। खाड़ी क्षेत्र में हो रहे घटनाक्रमों और शांति व स्थिरता सुनिश्चित करने के प्रयासों पर विस्तार से विचारों का आदान-प्रदान हुआ। हमारी बातचीत हमारी रणनीतिक साझेदारी के भरोसे और मजबूती को दर्शाती है।

जयशंकर और बद्र अलबुसादी

नेतन्याहू की ईरान को चेतावनी, युद्ध अभी खत्म नहीं हुआ

समझौता हो या न हो, तेहरान के पास नहीं होंगे परमाणु हथियार

एजेंसी ▶▶ तेल अवीव/वॉशिंगटन

अमेरिका और ईरान के बीच युद्धविराम के टूटने के बाद पश्चिम एशिया में तनाव बढ़ गया है। इस बीच इजराइली पीएम बेंजामिन नेतन्याहू ने ईरान को धमकी देते हुए कहा है कि युद्ध अभी खत्म नहीं हुआ है और इजराइल हर स्थिति से निपटने की तैयारी कर रहा है। नेतन्याहू ने कहा कि देश की हवाई श्रेष्ठता बनाए रखना उसकी राष्ट्रीय सुरक्षा रणनीति का आधार है। उन्होंने कहा कि हमारी नीति साफ है कि ईरान के पास परमाणु हथियार नहीं होंगे, चाहे कोई समझौता हो या न हो। अगर हमने कार्रवाई नहीं की होती तो ईरान परमाणु हथियार हासिल कर चुका होता। युद्ध अभी खत्म नहीं हुआ है और हमारे सामने नई चुनौतियां उभर रही हैं।

ईरानी विदेश मंत्री ने भी की बातचीत

ईरान के विदेश मंत्री सैयद अब्बास अराघची ने के विदेश मंत्री सैय्यद बद्र बिन हमद अल बुसैदी और तुर्किए के विदेश मंत्री हकन फिदान के साथ फोन पर बातचीत की।

राष्ट्रपति ट्रंप से फोन पर की बात

पीएम नेतन्याहू ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से फोन पर बातचीत की। दोनों नेताओं ने अपने देशों के बीच विभिन्न मोर्चों पर समन्वय और तालमेल बनाए रखने पर सहमति जताई। ट्रंप ने नेतन्याहू को खाड़ी क्षेत्र में अमेरिका की हालिया गतिविधियों और कार्रवाइयों की विस्तृत जानकारी दी। पीएम नेतन्याहू ने तुर्की के राष्ट्रपति रेसेप तैयप एर्दोगन और उनके सहयोगियों की इजराइल-विरोधी टिप्पणियों की गंभीरता का मुद्दा उठाया।

8 माह तक चिकित्सा से जुड़े कई वैज्ञानिक प्रयोग करेंगे

भारतीय मूल के नासा अंतरिक्ष यात्री अनिल मेनन 14 जुलाई को स्पेस के लिए होंगे रवाना

एजेंसी ▶▶ वॉशिंगटन

अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा के भारतीय मूल के अंतरिक्ष यात्री अनिल मेनन 14 जुलाई को कजाखस्तान स्थित बैकानूर कॉस्मोड्रोम (अंतरिक्ष प्रक्षेपण स्थल) से अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन के लिए आठ महीने के मिशन पर रवाना होंगे। मिनियापोलिस में यूक्रेनी और भारतीय प्रवासी माता-पिता के घर जन्मे मेनन आपातकालीन चिकित्सा के चिकित्सक और अमेरिकी अंतरिक्ष बल में कर्नल हैं।

अनिल मेनन

सेमीकंडक्टर के शोध को आगे बढ़ाएंगे

मेनन कई वैज्ञानिक प्रयोग करेंगे। इनमें लंबे समय तक अंतरिक्ष में रहने का मानव शरीर पर पड़ने वाले शारीरिक प्रभावों का अध्ययन तथा यह जांच शामिल होगी कि सूक्ष्म गुरुत्वाकर्षण अंतरिक्ष यात्रियों के रक्त प्रवाह, नसों की संरचना और रक्त की संरचना को किस प्रकार प्रभावित करता है। वह अंतरिक्ष स्टेशन की पेयजल प्रणाली का उपयोग करके अंतःशिरा द्रव तैयार करने की तकनीक का भी परीक्षण करेंगे। वे सेमीकंडक्टर क्रिस्टल के उत्पादन को बेहतर बनाने से जुड़े शोध को भी आगे बढ़ाएंगे, ताकि उच्च प्रदर्शन वाले कंप्यूटरों, कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) और उन्नत चिकित्सा उपकरणों के लिए आवश्यक पुर्जों का बड़े पैमाने पर निर्माण संभव हो सके।

पत्नी भी अंतरिक्ष यात्री

अमेरिकी वायुसेना में अपने कार्यकाल के दौरान उन्होंने 'ऑपरेशन एंड्यूरिंग फ्रीडम' के तहत अफगानिस्तान में अग्रिम मोर्चे पर सेवा दी। उन्होंने 'हिमालयन रेस्क्यू एसोसिएशन' के साथ भी काम किया, जहां वह माउंट एवरेस्ट पर पर्वतारोहियों का इलाज करते थे। 49 वर्षीय मेनन वह रूस की अंतरिक्ष एजेंसी रोस्कोस्मोस के सोयुज एमएस-29 अंतरिक्ष यान से अंतरिक्ष की यात्रा करेंगे।

चीन के सबसे बड़े बांध पर भूवैज्ञानिकों की चेतावनी

ब्रह्मपुत्र पर बांध से आ सकती है तबाही, भूस्खलन और भूकंप का खतरा

एजेंसी ▶▶ बीजिंग

चीन तिब्बत में यारलुंग त्सांगपो नदी पर दुनिया की सबसे बड़ी जलविद्युत परियोजना बनाने में जुटा है। वहीं, चीनी भूवैज्ञानिकों ने चेतावनी दी है कि यह विशाल बांध एक सक्रिय फॉल्ट लाइन के ऊपर स्थित है और इससे भूस्खलन और भूकंप का खतरा उत्पन्न हो सकता है। चीन की सरकारी पत्रिका 'सेडिमेंट्री जियोलॉजी एंड टेथियन जियोलॉजी' में प्रकाशित शोध पत्र के अनुसार, पैझेन फॉल्ट सीधे उस क्षेत्र से होकर गुजरता है जहां जलविद्युत परियोजना का निर्माण किया जा रहा है। चेंगदू प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय और चीन भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के शोधकर्ताओं ने स्पष्ट चेतावनी दी है कि यह फॉल्ट लाइन बांध, सड़कों और पुलों जैसी बुनियादी संरचनाओं की स्थिरता के लिए बड़ा खतरा है।

यह विशाल बांध एक सक्रिय फॉल्ट लाइन के ऊपर स्थित

तिब्बत में यारलुंग त्सांगपो नदी पर चीन बना रहा बांध

चट्टानें कमजोर होने से लैंडस्लाइड का बड़ा खतरा

रिसर्च के अनुसार, इस क्षेत्र की चट्टानें अत्यधिक कमजोर हैं और यहां की ढीली मिट्टी के कारण बड़े पैमाने पर लैंडस्लाइड की आशंका बनी रहती है। यह बांध थ्री गोरजेस बांध की तुलना में तीन गुना अधिक बिजली उत्पादन के लिए डिजाइन किया गया है, लेकिन इसकी नींव की भार वहन क्षमता फॉल्ट गतिविधि के कारण असुरक्षित है। इससे कभी भी तबाही मच सकती है। यह फॉल्ट लाइन बांध हिमालय की उन सक्रिय टेक्टोनिक प्लेटों के बीच स्थित है जहां भारतीय और यूरेशियन प्लेटों का टकराव होता रहता है, जिससे भूकंप का खतरा हमेशा बना रहता है। चीनी वैज्ञानिकों ने 2017 में मिलिन में आए 6.9 तीव्रता के भूकंप का हवाला देते हुए इसे वास्तविक आपदा जोखिम बताया है।

भारत पर होगा असर

बता दें, यारलुंग त्सांगपो नदी भारत में प्रवेश करने के बाद सियांग और आगे चलकर ब्रह्मपुत्र नदी के नाम से जानी जाती है। विशेषज्ञों का मानना है कि चीन के इतने बड़े बांध से नदी के प्राकृतिक जल प्रवाह में बदलाव आ सकता है, जिससे अरुणाचल प्रदेश और असम में कृषि, पर्यावरण और जैव विविधता प्रभावित हो सकती है। वहीं, अचानक पानी छोड़े जाने की स्थिति में विनाशकारी बाढ़ का खतरा भी बढ़ सकता है।

राजनीतिक तनाव

चीन की विशाल बांध परियोजना पहले ही भू-राजनीतिक तनाव का केंद्र बन चुकी है। भारत ने ब्रह्मपुत्र नदी पर चीन की गतिविधियों को लेकर बार-बार चिंता व्यक्त की है, जिसमें जल सुरक्षा, पारिस्थितिकी और निचले इलाकों में रहने वाले समुदायों के लिए संभावित खतरों का हवाला दिया गया है।

पुलिस मुख्यालय ने बड़े पैमाने पर पदोन्नति की प्रक्रिया शुरू की

मप्र पुलिस में पदोन्नति का रास्ता साफः एक साथ 400 निरीक्षक बनेंगे उप पुलिस अधीक्षक, आरक्षक तक मिलेगा प्रमोशन का लाभ

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

मप्र में करीब एक दशक से पदोन्नति का इंतजार कर रहे पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों के लिए बड़ी राहत की खबर है। पदोन्नति पर लगी रोक हटने के बाद पुलिस मुख्यालय (पीएचक्यू) ने बड़े पैमाने पर पदोन्नति की प्रक्रिया शुरू कर दी है। इसके तहत एक साथ करीब 400 निरीक्षकों (इंस्पेक्टर) को उप पुलिस अधीक्षक (डीएसपी) बनाया जाएगा।

पुलिस मुख्यालय ने इस संबंध में प्रस्ताव तैयार कर गृह विभाग को भेजने की तैयारी पूरी कर ली है। विभागीय स्तर पर माना जा रहा है कि गृह विभाग की मंजूरी के बाद जल्द ही विभागीय पदोन्नति समिति (डीपीसी) की बैठक होगी और इसके बाद पदोन्नति आदेश जारी किए जाएंगे।

प्रदेश में वर्तमान में 297 कार्यवाहक डीएसपी पदस्थ

जानकारी के अनुसार प्रदेश में वर्तमान में 297 कार्यवाहक डीएसपी पदस्थ हैं। पदोन्नति पर लंबे समय तक रोक रहने के कारण नियमित डीएसपी के लगभग 113 पद रिक्त हैं। इन रिक्त पदों को भरने और कार्यवाहक अधिकारियों को नियमित पद देने के उद्देश्य से करीब 410 निरीक्षकों को डीएसपी बनाए जाने का प्रस्ताव तैयार किया गया है। इनमें कार्यवाहक डीएसपी के रूप में कार्य कर रहे अधिकारी भी शामिल हैं।

पुलिस कर्मचारियों का सेवा रिकॉर्ड तत्काल उपलब्ध कराने के निर्देश

पुलिस मुख्यालय ने सभी पुलिस इकाइयों को पत्र जारी कर पदोन्नति नियम-2025 के तहत पात्र अधिकारियों और कर्मचारियों का सेवा रिकॉर्ड तत्काल उपलब्ध कराने के निर्देश दिए हैं। इसमें उपनिरीक्षक से निरीक्षक, निरीक्षक से डीएसपी, रक्षित निरीक्षक से निरीक्षक तथा अन्य संबंधित पदों की पात्रता सूची और अभिलेख मांगे गए हैं। सभी जिलों और इकाइयों से रिकॉर्ड प्राप्त होने के बाद अंतिम प्रस्ताव गृह विभाग को भेजा जाएगा।

एसआई को निरीक्षक और सहायक उपनिरीक्षक को एसआई बनाया जाएगा

पदोन्नति की प्रक्रिया केवल डीएसपी तक सीमित नहीं रहेगी, बल्कि इसका लाभ पुलिस विभाग की पूरी श्रृंखला को मिलेगा। सबसे पहले निरीक्षकों को डीएसपी पद पर पदोन्नत किया जाएगा। इसके बाद खाली होने वाले निरीक्षक पदों पर रक्षित निरीक्षकों को पदोन्नति मिलेगी। फिर उपनिरीक्षक (एसआई) को निरीक्षक और सहायक उपनिरीक्षक (एएसआई) को एसआई बनाया जाएगा। यह प्रक्रिया आगे बढ़ते हुए आरक्षक स्तर तक पहुंचेगी, जिससे हजारों पुलिसकर्मियों के पदोन्नति के अवसर खुलेंगे। उनको इसका लाभ मिलेगा।

प्रस्ताव तैयार कर गृह विभाग को भेजने की तैयारी

परिवहन विभाग में भी लंबे समय बाद पदोन्नति शुरू

उधर, परिवहन विभाग में भी लंबे समय बाद पदोन्नति की प्रक्रिया शुरू हुई है। विभाग के 27 परिवहन उपनिरीक्षकों को परिवहन निरीक्षक पद पर पदोन्नत किया गया है। हालांकि ये पदोन्नतियां सर्वोच्च न्यायालय में लंबित मामलों और भविष्य में आने वाले न्यायालय के आदेशों के अधीन रहेंगी। पदोन्नति प्रक्रिया शुरू होने से पुलिस विभाग में लंबे समय से रुका करियर ग्रोथ का रास्ता खुलने की उम्मीद है। इससे न केवल अधिकारियों का मनोबल बढ़ेगा, बल्कि प्रशासनिक व्यवस्था में सकारात्मक प्रभाव होगा।

अपना दल (एस) ने पेश किया 100 दिन का रोडमैप

भोपाल। अपना दल (एस) मप्र ने संगठन विस्तार एवं सदस्यता अभियान को गति देने एक वर्चुअल बैठक का आयोजन किया। मुख्य अतिथि राष्ट्रीय महासचिव एवं मप्र प्रदेश प्रभारी आर बी सिंह पटेल रहे, जहां रणनीतिकार डॉ अतुल मलिकराम ने एक प्रेजेंटेशन के माध्यम से आगामी 100 दिनों का रोडमैप साझा किया। बैठक के दौरान आगामी 19 जुलाई को भोपाल में एक विशेष बैठक की घोषणा भी की गई, जिसमें सभी जिलाध्यक्षों को अपने अब तक के कार्यों की प्रगति रिपोर्ट प्रदेश अध्यक्ष के समक्ष प्रस्तुत करनी होगी। इस वर्चुअल कार्यक्रम में प्रदेशभर के सैकड़ों कार्यकर्ताओं ने हिस्सा लिया। इस दौरान वरिष्ठ नेता देवेंद्र प्रताप सिंह ने भी संगठन विस्तार को लेकर अपने मूल मंत्र साझा किए। कार्यक्रम में प्रदेश भर के प्रमुख कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई, जिनमें राजेश्वर मिश्रा, एस आर नागले, मोहित गुप्ता, कैलाश गावंडे, सीता सरण सिंह, डीपी पटेल, आर के सनोडिया, रौशन पटेल और फिल्म अभिनेता गौरव प्रतीक आदि प्रमुख रूप से शामिल रहे। इस बैठक में सिंगरौली जिला अध्यक्ष त्रिलोकी सिंह, इंदौर जिला अध्यक्ष टीकम चंद शर्मा, मैहर जिला अध्यक्ष मनोज पटेल, भोपाल जिलाध्यक्ष सुरेंद्र नाहर, ग्वालियर जिला अध्यक्ष राहुल सिंह, बैतूल जिला अध्यक्ष डॉ. अनूप चौरे और छतरपुर जिला अध्यक्ष प्रदीप पटेल उपस्थित रहे।

- 19 जुलाई को भोपाल में होगी अगली अहम बैठक

कालापीपल को दी 30.86 करोड़ की सौगात, दोहराया यूसीसी लागू करने का संकल्प

फिल्मी गाने की तरह शाजापुर हमारे लिए सोना उगलने वाली धरतीः मुख्यमंत्री

विशेष प्रतिनिधि ▶▶ भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि कालापीपल अद्भुत क्षेत्र है। मां राज-राजेश्वरी की इस पर असीम कृपा है। आज यह क्षेत्र पौधरोपण में नया रिकॉर्ड बना रहा है। नेवज, लकुंदर, चिल्लर, पार्वती इन पांच नदियों की क्षेत्र को कृपा मिल रही है। परमात्मा ने शाजापुर को अद्भुत सौंदर्य दिया है। हमारे लिए सौभाग्य की बात है कि हमारे प्रदेश में शाजापुर जैसा जिला है। उन्होंने कहा कि एक गाना है, 'मेरे देश की धरती सोना उगले, उगले हीरे-मोती, मेरे देश की धरती...' इसी गाने की तरह शाजापुर हमारे लिए सोना उगलने वाली धरती भी है।

डॉ. यादव शाजापुर जिले के कालापीपल को 30.86 करोड़ रुपए लागत के विभिन्न विकास कार्यों की सौगात दी। कई कामों के लोकार्पण और भूमिपूजन किए। उन्होंने आयोजित किसान समृद्धि संकल्प सम्मेलन एवं 'हरा-भरा कालापीपल' पौधरोपण अभियान का शुभारंभ किया। इससे पहले कालापीपल में उनका 'रोड शो' हुआ। कार्यक्रम के दौरान डॉ. यादव ने शाजापुर को नई सड़कें और रेलवे ओवर ब्रिज देने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि इसी महीने राज्य में यूसीसी लागू करने के प्रयास किए जाएंगे। देश में अलग-अलग कानून नहीं होने चाहिए।

किसान समृद्धि संकल्प सम्मेलन एवं 'हरा-भरा कालापीपल' पौधरोपण अभियान प्रारंभ

हितग्राहियों को चेक सौंपते मुख्यंत्री डॉ. यादव व मंत्री परमार।

किसानों के लिए सबकुछ करने को तैयारः डॉ. मोहन

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि जो धरती को हरियाली का उपहार देते हैं, वही आने वाले कल को आकार देते हैं। 'किसान मुस्कुराए तो मुस्कुराता जहां है, इन्हीं की मेहनत से महकता अपना हिंदुस्तां है।' आज का यह आयोजन केवल भूमिपूजन, लोकार्पण का औपचारिकता का कार्यक्रम नहीं है। उन्होंने कहा कि किसानों का 6-6 महीने के ब्याज का झंझट खत्म हो जाएगा। अब हम एक साल के लिए लोन देंगे। किसानों के लिए हमारी सरकार सब कुछ करने के लिए तैयार है।

खेत में किसान और सीमा पर जवान का सम्मान

डॉ. यादव ने कहा कि खेत में किसान और सीमा पर जवान, दोनों का सम्मान, ये है भाजपा की पहचान। हमने पारस पत्थर तो नहीं देखा, लेकिन यह पक्की बात है कि अगर सूखे खेत को पानी मिल जाए, तो सोना उगलने लगता है।

सीएम बोले, अलग-अलग कानूनों की जरूरत नहीं

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि हमारे यहां हिंदू का कानून अलग, मुसलमान का कानून अलग। कानून एक ही होना चाहिए। मुस्लिम बहनें भी हमारी बहनें हैं। उनके साथ जो होता है अब वो नहीं चलेगा।

सीएम ने किया उज्जैन–जावरा ग्रीनफील्ड फोरलेन परियोजना का भूमिपूजन

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि मप्र के सड़क अधोसंरचना विकास में शुक्रवार 10 जुलाई को एक और ऐतिहासिक अध्याय जुड़ गया है। आज उज्जैन–जावरा ग्रीनफील्ड फोरलेन मार्ग परियोजना का भूमिपूजन हुआ। लगभग 98.73 किमी लंबी इस महत्वाकांक्षी परियोजना का निर्माण 5,017 करोड़ रुपए की लागत से मप्र सड़क विकास निगम द्वारा किया गया। यह परियोजना उज्जैन दक्षिण, घट्टिया, नागदा-खाचरौद, आलोट एवं जावरा विधानसभा क्षेत्रों से होकर गुजरेगी।

दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस-वे से मिलेगा सीधा संपर्क

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि ग्रीनफील्ड फोरलेन मार्ग के निर्माण से उज्जैन को दिल्ली–मुंबई एक्सप्रेस-वे से सीधा एवं तेज संपर्क मिलेगा। विशेष रूप से सिंहस्थ-2028 के दौरान राजस्थान, गुजरात तथा देश के विभिन्न हिस्सों से आने वाले श्रद्धालुओं एवं पर्यटकों के लिए यह मार्ग अत्यंत सुगम और सुविधाजनक साबित होगा।

व्यापारिक व कृषि विकास को मिलेगी गति

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि यह परियोजना क्षेत्र के औद्योगिक, व्यापारिक एवं कृषि विकास को नई गति प्रदान करेगी। किसानों को अपनी उपज विभिन्न कृषि उपज मंडियों तक शीघ्र पहुंचाने में सुविधा मिलेगी, वहीं उद्योगों, लॉजिस्टिक्स एवं निवेश गतिविधियों को भी बढ़ावा मिलेगा। बेहतर सड़क संपर्क से यात्रा समय एवं ईंधन की बचत होगी।

रिकॉर्ड में धान स्टॉक दर्ज था, भौतिक सत्यापन से गायब

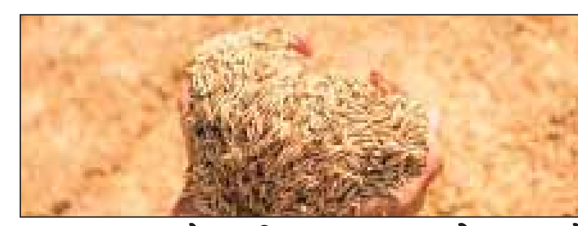

महासमुंद में करीब 17.93 करोड़ रुपये का कथित धान घोटाला उजागर

हरिभूमि न्यूज ▶▶ महासमुंद

जिले में करीब 17.93 करोड़ रुपये का कथित धान घोटाला सामने आया है। इस मामले ने प्रशासन की निगरानी व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए हैं। जांच में कई खरीदी केंद्रों के रिकॉर्ड में धान का स्टॉक दर्ज था। हालांकि, भौतिक सत्यापन के दौरान वहां स्टॉक नहीं मिला।

वर्ष 2025-26 के धान खरीदी सत्र में 182 खरीदी केंद्रों से 1,01,95,681.20 मीट्रिक टन धान खरीदा गया था। मिलिंग के बाद रिकॉर्ड के अनुसार 57,860.47 कुंतल धान शेष होना चाहिए था। लेकिन, जांच के दौरान 54 केंद्रों पर यह स्टॉक नहीं मिला। गायब धान का मूल्य करीब 17 करोड़ 93 लाख 67 हजार 457 रुपये आंका गया है। यह समर्थन मूल्य 3,100 रुपये प्रति कुंतल के आधार पर है।

आरंगी-बम्हनी सहकारी समितियों में सबसे ज्यादा

आरंगी और बम्हनी सहकारी समितियों में सबसे अधिक धान गायब मिला। इन दोनों केंद्रों से चार-चार हजार कुंतल से अधिक धान गायब पाया गया। तोषगांव, बघरपाली, मोगरापाली, समहर, कोटद्वारी, मल्यामाल, बेलसोंडा और खेमड़ा सहकारी समितियों में भी बड़ी मात्रा में धान की कमी सामने आई है। इससे लाखों रुपये के नुकसान का अनुमान है। धान खरीदी की निगरानी के लिए नोडल और मॉनिटरिंग अधिकारी नियुक्त होते हैं। इसके बावजूद बड़ी मात्रा में स्टॉक नहीं मिलने से निगरानी व्यवस्था पर सवाल उठे हैं।

15 समितियों के खिलाफ केस दर्ज

जिला विपणन अधिकारी ने करोड़ों रुपये मूल्य का धान स्टॉक में नहीं मिलने की पुष्टि की है। उन्होंने बताया कि अब तक 15 सहकारी समितियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई गई है। मामले की रिपोर्ट उच्च अधिकारियों को भेजी गई है। 54 खरीदी केंद्रों पर धान का स्टॉक नहीं मिलने के बावजूद केवल 15 समितियों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज हुई है। शेष 39 केंद्रों के संबंध में आगे की

टोना-टोटका करने वाली महिला कहकर किया बदनाम

बुजुर्ग महिला को प्रताड़ित करने के आरोप में देवरानी, उसकी पुत्री और पुत्र गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ▶▶ कोरबा

उरगा थाना क्षेत्र के भांटापारा कुदुरमाल में प्रताड़ना का सनसनीखेज मामला सामने आया है। 65 वर्षीय बुजुर्ग महिला को 2 साल से मानसिक और सामाजिक रूप से प्रताड़ित करने के आरोप में पुलिस ने देवरानी, उसकी पुत्री और पुत्र को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया है। मामले में बीएनएस और टोनही प्रताड़ना अधिनियम के तहत अपराध दर्ज किया गया है।

थाना उरगा में अपराध क्रमांक 304/2026 के तहत सत्यभामा वैष्णव पति स्व. ओमप्रकाश वैष्णव उम्र 65 वर्ष निवासी कुदुरमाल वार्ड क्र. 04 ने शिकायत दर्ज कराई।

पीड़िता ने बताया कि उनकी देवरानी लक्ष्मीन वैष्णव उर्फ लक्ष्मी, उसकी पुत्री चंचल वैष्णव और पुत्र किशन वैष्णव उर्फ गोलू पिछले कई वर्षों से उन्हें परेशान कर रहे हैं। शिकायत में कहा गया है कि आरोपी रोज घर के सामने आकर गाली-गलौज करते हैं। बुजुर्गों को जादू-टोना करने का आरोप लगाकर टोना-टोटका करने वाली महिला कहकर पूरे मोहल्ले में बदनाम करते हैं।

जान से मारने की धमकी देने का भी आरोप

पीड़िता के अनुसार आरोपियों ने मिलकर धमकी दी कि घर से बाहर निकली तो जान से मार दूंगा। साथ ही यह भी कहा कि घर में कूलर जल जाए या कोई सामान खराब हो तो उसका आरोप भी मुझ पर लगा देते हैं। इस कारण पीड़िता और उसका बेटा राजेंद्र वैष्णव भयभीत हैं और घर से बाहर निकलने से डरते हैं।शिकायत के आधार पर उरगा पुलिस ने बीएनएस की धारा 296, 351(3), 3(5) और 4, 5 टोनही प्रताड़ना अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर विवेचना शुरू की।

नर्सिंग छात्रा की उसके कमरे में घुसकर अज्ञात युवक ने की हत्या

हरिभूमि न्यूज ▶▶ दुर्ग

वैशाली नगर थाना क्षेत्र के रामनगर में शुक्रवार को एक नर्सिंग छात्रा की उसके पीजी के कमरे में अज्ञात युवक द्वारा घुसकर हत्या की वारदात को अंजाम दिया है। घटना के समय मृतक को सहेली बाथरूम में नहाने के लिए गई हुई थी।

इसी दौरान एक युवक कमरे में पहुंचा और धारदार हथियार से छात्रा पर हमला कर फरार हो गया। गंभीर हालत में छात्रा को अस्पताल ले जाया गया।जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। घटना को सूचना मिलने पर भिलाई नगर सीएसपी सहित वैशाली नगर थाना पुलिस और क्राइम ब्रांच की टीम मौके पर पहुंची। पुलिस अज्ञात आरोपी की पतासाजी में जुटी हुई है।

आठ सौ करोड़ से अधिक के विकास कार्यों को मिल रही गति

सिंहस्थ-2028 की तैयारी

सरकार का 3,778 करोड़ का मेगा प्लान, उज्जैन समेत सात जिलों के धार्मिक-पर्यटन स्थलों का भी होगा कायाकल्प

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

सिंहस्थ-2028 को भव्य और सुव्यवस्थित बनाने के लिए मध्यप्रदेश सरकार ने बड़ा मास्टर प्लान तैयार किया है। सरकार ने 3,778 करोड़ रुपये की लागत से उज्जैन सहित सात जिलों के धार्मिक, ऐतिहासिक और पर्यटन स्थलों के विकास का खाका तैयार किया है। इस योजना के तहत सड़क संपर्क, घाट निर्माण, मंदिर परिसरों का विकास, श्रद्धालुओं के लिए मूलभूत सुविधाएं और पर्यटन स्थलों की ब्रांडिंग पर विशेष जोर दिया जाएगा। फिलहाल 800 करोड़ रुपये से अधिक के विकास कार्य विभिन्न विभागों द्वारा किए जा रहे हैं, जिन्हें 2027 तक पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है।

सरकार का उद्देश्य सिंहस्थ के दौरान आने वाले करोड़ों श्रद्धालुओं और पर्यटकों को केवल महाकाल तक सीमित न रखते हुए आसपास के प्रमुख धार्मिक और पर्यटन स्थलों तक भी आकर्षित करना है। इसके लिए संस्कृति एवं पर्यटन विभाग महाकाल लोक के साथ अन्य धार्मिक और ऐतिहासिक स्थलों की ब्रांडिंग और प्रचार-प्रसार करेगा।

नावघाट खेड़ी में 163 करोड़ रुपए की लागत से घाटों का निर्माण

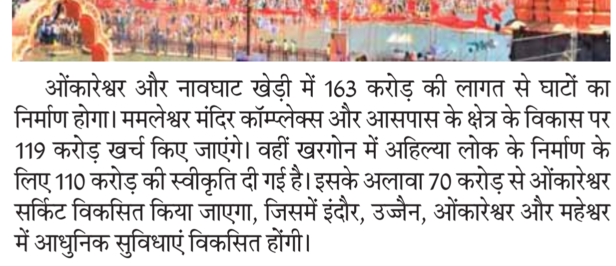

ओंकारेश्वर और नावघाट खेड़ी में 163 करोड़ की लागत से घाटों का निर्माण होगा। ममलेश्वर मंदिर कॉम्प्लेक्स और आसपास के क्षेत्र के विकास पर 119 करोड़ खर्च किए जाएंगे। वहीं खरगोन में अहिल्या लोक के निर्माण के लिए 110 करोड़ की स्वीकृति दी गई है। इसके अलावा 70 करोड़ से ओंकारेश्वर सर्किट विकसित किया जाएगा, जिसमें इंदौर, उज्जैन, ओंकारेश्वर और महेश्वर में आधुनिक सुविधाएं विकसित होंगी।

हाईटेक पीरियोडिक ओवरहालिंग का कार्य किया पूरा

रेलवे का सेफ्टी मिशनः कोच फैक्ट्री में 280 कोचों के मेंटेनेंस का रिकॉर्ड

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

रेलवे ने यात्री सुरक्षा और आरामदायक सफर की दिशा में अपने 'सेफ्टी मिशन' को नई गति दी है। पश्चिम मध्य रेल के भोपाल स्थित 'सवारी डिब्बा पुनर्निर्माण कारखाना (कोच फैक्ट्री)' ने चालू वित्त वर्ष (2026-27) के प्रथम तिमाही कुल 286 कोचों का सफलतापूर्वक पीरियोडिक ओवर हॉलिंग (पीओएच) कर उल्लेखनीय प्रदर्शन किया है। जबकि जून में 99 कोचों का पीओएच किया गया है।

वरिष्ठ अधिकारियों की सतत निगरानी में भोपाल कारखाना प्रबंधन ने टीम भावना और सुनियोजित कार्ययोजना के साथ यह सफलता हासिल की। इस हाईटेक मरम्मत से न केवल यात्रियों का सफर सुरक्षित और आरामदायक होगा, बल्कि ट्रेनों के तकनीकी खराबी के कारण निरस्त होने या देरी से चलने की संभावना भी कम हो जाएगी।

हाईटेक परियोडिक ओवरहॉलिंग कार्य को पूरा करते कर्मचारी।

हाईटेक ओवरहॉलिंगः अब सफर में नहीं लगेंगे झटके

रेलवे अधिकारियों के अनुसार, इस अभियान का मुख्य उद्देश्य ट्रेनों की सुरक्षा और स्थिरता को विश्वस्तरीय बनाना है। पीरियोडिक ओवरहालिंग के तहत उन कोचों की पूरी तरह से कायाकल्प की जाती है, जो अपनी निर्धारित दूरी या समय सीमा पूरी कर चुके होते हैं।

ऐसे किया जाता है मेंटेनेंस का काम

- कोचों की बॉडी और अंडर गियर की मरम्मत कर परिचालन में अधिकतम सुरक्षा सुनिश्चित की जाती है।
- ट्रॉली, बोगी के सभी महत्वपूर्ण पार्ट्स की मरम्मत की जाती है, जो सुरक्षा की दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण हैं।
- एयर ब्रेक सिस्टम, बफर व अन्य संरचनात्मक उपकरणों की मरम्मत की जाती है, जिससे यात्रियों को झटका-रहित और सुरक्षित यात्रा का अनुभव हो सके।
- व्हील और एक्सल का रखरखाव और मरम्मत कर परिचालन सुरक्षा को सुदृढ़ किया जाता है।

यात्रियों की सुविधा, सुरक्षा एवं सुगम आवागमन को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाएः डीसीएम

भोपाल। भोपाल रेलवे स्टेशन पर वैसे तो नियमानुसार 15 मिनट का समय यात्रियों को लेने और छोड़ने के लिए पर्याप्त माना जाता है, लेकिन जब स्टेशन परिसर में भीड़ और ऑटो चालकों की मनमर्जी जारी हो तो यह समय आधा घंटे में कब तब्दील हो जाता है। ऐसी ही कुछ पार्किंग को लेकर भोपाल स्टेशन पर यात्रियों को मंडल मुख्यालय को शिकायतें की जा रही थी। इसके बाद गुरुवार को यात्रियों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने तथा स्टेशन परिसर में उपलब्ध वाणिज्यिक व्यवस्थाओं को और अधिक सुव्यवस्थित बनाने के उद्देश्य से मंडल के वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक सौरभ कटारिया ने स्टेशन के प्लेटफॉर्म संख्या-6 की ओर निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने प्लेटफॉर्म संख्या-6 की ओर स्थित वाहन पार्किंग की उपलब्धता, यातायात प्रबंधन, प्रवेश एवं निकास व्यवस्था, संकेतक बोर्ड, प्रकाश व्यवस्था तथा स्वच्छता की समीक्षा की गई। उन्होंने संबंधित को निर्देश दिए कि यात्रियों की सुविधा, सुरक्षा एवं सुगम आवागमन को सर्वोच्च प्राथमिकता दिए जाए। साथ ही आवश्यक सुधारात्मक कार्य समयबद्ध रूप से सुनिश्चित किए जाएं।

सांची रेलवे स्टेशन को अमृत भारत योजना के तहत किया पुनर्विकसित

भोपाल। *विश्व धरोहर सांची का रेलवे स्टेशन सहित भोपाल रेल मंडल के चार स्टेशन विश्वस्तरीय सुविधाओं से लेस हो गया। इसी योजना के तहत भोपाल मंडल के सांची, विदिशा, शिवपुरी व अशोक नगर स्टेशन का काम पूरा होने के साथ ही यात्रियों को आधुनिक सुविधाएं आने वाले दिनों में मिलने लगेंगी।*

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा वर्चुअल तरीके से 17 जुलाई को भोपाल मंडल के चार स्टेशन सहित अन्य स्टेशनों का उद्घाटन करेंगे। इसको लेकर भोपाल रेल मंडल की ओर बड़े स्तर पर तैयारी शुरू कर दी गई है। अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत सांची रेलवे स्टेशन का पुनर्विकास 15.32 करोड़ की लागत से किया गया है, जिसके तहत स्टेशन को आधुनिक, सुविधायुक्त एवं आकर्षक स्वरूप प्रदान किया गया है।

दो आतंकियों को सुरक्षा कर्मियों ने किया ढेर, तीन को जिंदा दबोचा!

मॉकड्रिलः हाईकोर्ट में आतंकी हमला!

जबलपुर। हाईकोर्ट में शुक्रवार शाम अचानक हुए आतंकी हमले ने सबकों चौंका दिया। व्हीआईपी गेट से फायरिंग करते हुए घुसे आतंकियों पर जवाबी कार्रवाई की। इस दौरान दो आतंकियों को मार गिरया गया तो वहीं तीन को जिंदा दबोचा गया। सूचना पर कई थानों का बल, बीडीडीएस की टीम, फायर बिग्रेड व एम्बूलेंस के वाहन मौके पर पहुंचे। अचानक सायरन बजते वाहनों और भारी पुलिस बल की चहलकदमी ने अधिवक्ताओं सहित सभी को चौंका दिया, बाद में पता चला कि एहतियात के तौर पर मॉकड्रिल आयोजित की गई थी।

दरअसल शुक्रवार को शाम पौने पांच बजे उच्च न्यायालय जबलपुर की सुरक्षा में पदस्थ अधिकारी-कर्मचरियों के द्वारा आकस्मिक आतंकी हमला एवं आपातकालीन स्थिति से निपटने के लिये मॉक ड्रिल की कार्यवाही एसपी सम्पत उपाध्याय एवं सिद्वार्थ चौधरी सेनानी 6वीं वाहिनी विसबल जबलपुर के मार्ग-दर्शन में सम्पन्न करायी गई। मॉक ड्रिल की कार्यवाही में हाईकोर्ट सुरक्षा की टीम सहित बीडीडीएस, फायर ब्रिगेड, एम्बुलेंस की टीम के द्वारा सयुंक्त रूप से मॉक ड्रिल की कार्यवाही में भाग लिया गया। जिसमें मॉक ड्रिल कार्यवाही के दौरान उच्च न्यायालय परिसर की सुरक्षा, न्यायाधिपति महोदयों की सुरक्षा, कोर्ट रूम की सुरक्षा एवं आकस्मिक आगजनी से बचॉव की ड्रिल की गई।

दो आतंकियों किया ढेर, तीन पकड़ाए

माकड्रिल के दौरान हुए आतंकी हमले की कार्यवाही में सुरक्षा बलों ने दो आतंकियों को मार गिरया तो वहीं तीन को जिंदा धर दबोचा। इसके बाद बीडीडीएस टीम द्वारा बम विस्फोटक तलाश कर पहचानने एंव उसके नष्टीकरण करने संबधित मॉक ड्रिल तथा हद्रयघात की आपात स्थिति में किसी व्यक्ति की जान बचाने हेतु सीपीआर का प्रदर्शन भी किया। आकस्मिक आतंकी हमला मॉक ड्रिल की रूप रेखाए अभ्यास एवं प्रदर्शन उच्च न्यायालय सुरक्षा जबलपुर में पदस्थ सउनि अजय परोचे के द्वारा किया गया।

न्यायधीशगणों व अधिकारी रहे मौजूद

मॉक ड्रिल प्रदर्शन के दौरान कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश विवेक रूसिया, सहित समस्त न्यायाधिपति एवंधर्मेन्द्र सिंह राठौर रजिस्ट्रार जनरल, हर्ष सिंह बहरावत रजिस्ट्रार प्रशासन, पीएल परतेती अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक हाईकोर्ट सुरक्षा, पंकज परमार उप पुलिस अधीक्षक हाईकोर्ट सुरक्षा, वैभव कुमार दुबे निरीक्षक, समरेश उपाध्याय निरीक्षक, सकन सिंह निरीक्षक, पंकज सिंह निरीक्षक बीडीडीएस, सहित माननीय उच्च न्यायालय सुरक्षा जबलपुर में पदस्थ समस्त अधिकारी-कर्मचारी एवं उच्च न्यायालय जबलपुर के भी अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

नगर निगम की डेयरी दुकानों पर कार्रवाई, दूध-पनीर के लिए सैंपल दो संचालकों पर 4 हजार का जुर्माना

जबलपुर। नागरिकों के स्वास्थ्य और खाद्य पदार्थों की शुद्धता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से नगर निगम ने डेयरी दुकानों पर औचक जांच अभियान चलाया। नगर निगम मजिस्ट्रेट अरुण कुमार गोयल के नेतृत्व में निगम एवं खाद्य विभाग की संयुक्त टीम ने संभाग क्रमांक-3 एवं 4 के अंतर्गत आने वाली डेयरी दुकानों का निरीक्षण किया।

कार्रवाई के दौरान नरेंद्र डेयरी, मदर डेयरी, पूजा डेयरी और न्यू पूजा डेयरी से दूध एवं पनीर के सैंपल लिए गए, जिन्हें जांच के लिए प्रयोगशाला भेजा गया है। टीम ने खाद्य सुरक्षा एवं स्वच्छता मानकों की जांच करते हुए नियमों का उल्लंघन करने वाले दो डेयरी संचालकों पर मौके पर ही 4 हजार रुपये का स्पॉट फाइन लगाया। नगर निगम मजिस्ट्रेट अरुण कुमार गोयल के साथ स्वास्थ्य अधिकारी अभिनव मिश्रा, सहायक स्वास्थ्य अधिकारी अनिल बारी, धर्मेन्द्र राज, अर्जुन यादव, पोलाराव, मुख्य स्वच्छता निरीक्षक एवं स्वच्छता निरीक्षक कार्रवाई में शामिल रहे। अभियान के दौरान प्रतिबंधित सिंगल यूज पॉलिथीन का उपयोग करने वाले दुकानदारों के खिलाफ भी चालानी कार्रवाई की गई। निगम अधिकारियों ने कहा कि नागरिकों को शुद्ध खाद्य सामग्री उपलब्ध कराने और स्वच्छ वातावरण बनाए रखने के लिए इस प्रकार की कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी।

ट्रैफिक सिग्नल विवाद में हाईकोर्ट ने कहा

सिग्नलों में एकरूपता के लिए एक ही एजेंसी से संचालन पर विचार करे सरकार

जबलपुर। शहर की बदहाल यातायात व्यवस्था और बंद पड़े ट्रैफिक सिग्नलों को लेकर मप्र हाईकोर्ट ने शुक्रवार को महत्वपूर्ण दिशा-निर्देश दिया। मामले की सुनवाई करते हुए जस्टिस आनंद पाठक व जस्टिस बीपी शर्मा की डिवीजन बेंच ने राज्य सरकार को स्पष्ट शब्दों में कहा कि शहर के ट्रैफिक सिग्नलों में एकरूपता लाने के लिए इनके संचालन का जिम्मा किसी एक ही एजेंसी को सौंपने पर विचार किया जाए। कोर्ट ने सरकार को अगली सुनवाई तक इस संबंध में अपना प्रस्ताव या राय पेश करने का निर्देश दिया है। अगली सुनवाई 28 जुलाई को तय की गई है। नागरिक उपभोक्ता मंच के डॉ. पी.जी. नाजपांडे और नयागांव निवासी रजत भार्गव ने जनहित याचिका दायर की है। याचिका में आरोप लगाया गया है कि जबलपुर शहर के लगभग सभी प्रमुख चौराहों के ट्रैफिक सिग्नल बंद पड़े हैं, जिससे पूरी यातायात व्यवस्था चौपट हो चुकी है। इससे पहले हाईकोर्ट की डिवीजन बेंच ने इस मामले को बेहद संजीदगी से लेते हुए राज्य सरकार, जबलपुर कलेक्टर, एसपी, डीएसपी (ट्रैफिक), जबलपुर नगर निगम और जबलपुर स्मार्ट सिटी लिमिटेड को नोटिस जारी कर जवाब तलब किया था।

विभागों की आपसी खींचतान से जनता परेशान

याचिकाकर्ताओं की ओर से पैरवी कर रहे अधिवक्ता दिनेश उपाध्याय ने कोर्ट को बताया था कि शहर के सभी ट्रैफिक सिग्नलों का पुराना अनुबंध (कॉन्ट्रैक्ट) समाप्त हो चुका है। नया अनुबंध न होने के कारण नगर निगम, स्मार्ट सिटी और यातायात विभाग जैसी जिम्मेदार एजेंसियां एक-दूसरे पर जिम्मेदारी का ठीकरा फोड़ रही हैं।लेकिन धरातल पर सुधार करने कोई आगे नहीं आ रहा था। इसी खींचतान का नतीजा है कि शहर के मुख्य चौराहों, जैसे ब्लूम चौक को पार करने में ही लोगों को 10 से 15 मिनट का समय लग रहा है। चारों तरफ अराजकता की स्थिति बनी हुई है।

ई-चालान बंद होने से राजस्व का नुकसान

याचिका में इस बात को भी प्रमुखता से उठाया गया है कि सिग्नल बंद होने के साथ-साथ उन पर लगे कैमरों से होने वाली निगरानी भी ठप पड़ी है। इसके कारण ट्रैफिक नियमों का उल्लंघन करने वालों पर ई-चालान की कार्रवाई नहीं हो पा रही है, जिससे शासन को हर महीने लाखों रुपये के राजस्व की क्षति हो रही है। अलग-अलग विभागों के बीच समन्वय (कोऑर्डिनेशन) की कमी को देखते हुए कोर्ट ने साफ कर दिया कि जब तक कोई एक नोडल एजेंसी सिग्नलों के रखरखाव और संचालन के लिए जिम्मेदार नहीं होगी, तब तक व्यवस्था सुधरना मुश्किल है।

साढ़े पांच किलो गांजा तस्करी पर दो साल की जेल

जबलपुर। मादक पदार्थों की तस्करी के एक मामले में विशेष एनडीपीएस न्यायालय ने दोषी को सजा सुनाई है। विशेष न्यायाधीश प्रवेन्द्र सिंह ने गांजा तस्करी के आरोप में जबलपुर निवासी सचिन सोनी को दो वर्ष के सश्रम कारावास तथा 10 हजार रुपये के अर्थदंड से दंडित किया। अर्थदंड अदा नहीं करने पर अतिरिक्त कारावास भुगतना होगा। अभियोजन के अनुसार तीन मार्च, 2025 को संजीवनी नगर थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए आरोपी के कब्जे से करीब साढ़े पांच किलो गांजा बरामद किया था। जांच पूरी होने के बाद आरोपी के विरुद्ध एनडीपीएस एक्ट के तहत न्यायालय में चालान प्रस्तुत किया गया। सुनवाई के दौरान शासन की ओर से एजीपी अरविंद जैन ने साक्ष्य और तर्क प्रस्तुत किए। उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर न्यायालय ने आरोपी को दोषी ठहराते हुए दो वर्ष के कारावास और 10 हजार रुपये के अर्थदंड की सजा सुनाई।

जल संरक्षण की दिशा में नगर निगम का बड़ा अभियान, शहर में बनेंगे 1500 सोकपिट

जबलपुर। जल संरक्षण और भूजल स्तर बढ़ाने के उद्देश्य से नगर निगम ने शहर में बड़ा अभियान शुरू किया है। महापौर जगत बहादुर सिंह अन्नू की पहल पर शहर के विभिन्न क्षेत्रों में वर्षा जल संचय के लिए 1500 स्थानों पर सोकपिट बनाए जाएंगे। इसके तहत सभी शासकीय हैंडपंपों और बोरवेल के पास रिचार्ज सोकपिट तैयार किए जा रहे हैं, ताकि बारिश का पानी जमीन के भीतर पहुंचकर भूजल स्तर को बढ़ा सके। महापौर ने बताया कि विशेषज्ञों के मार्गदर्शन में शहर के 100 से अधिक पारंपरिक कुओं की सफाई एवं जीर्णोद्धार का कार्य भी कराया जा रहा है। अभियान का शुभारंभ मनमोहन नगर पार्क में किया गया, जहां 60 फीट गहरे और 6 इंची बोर के चारों ओर 3×3×3 आकार का सोकपिट तैयार कर वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम शुरू किया गया। इस सिस्टम से आसपास के दो शासकीय बोरिंग को भी रिचार्ज किया जाएगा। महापौर ने कहा कि उद्देश्य केवल पानी बचाना नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए जल स्रोतों को सुरक्षित करना है। इस अवसर पर निगमाध्यक्ष रिकुंज विज, एमआईसी सदस्य विवेकराम सोनकर, डॉ. सुभाष तिवारी, पार्षद श्रीमती रेणु कोरी, प्रीतम सिंह सेंगर, वर्षा मेहता, नीरज, संदीप जायसवाल, मनीष तड़से सहित बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित रहे।

वहीं, अपर आयुक्त देवेंद्र सिंह चौहान ने भोंगाद्वार वाटर ट्रीटमेंट प्लांट का निरीक्षण कर पेयजल आपूर्ति व्यवस्था का जायजा लिया। उन्होंने रॉ-वाटर पंपिंग, सेडिमेंटेशन, फिल्ट्रेशन और क्लोरिनेशन प्रक्रिया का निरीक्षण किया तथा जल गुणवत्ता जांच प्रयोगशाला की व्यवस्थाएं देखीं। अपर आयुक्त ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि पानी की नियमित जांच, समय पर जल आपूर्ति, पर्याप्त दबाव और तकनीकी खराबी की स्थिति में बैकअप व्यवस्था सुनिश्चित रखी जाए। उन्होंने कहा कि भोंगाद्वार प्लांट शहर की जल आपूर्ति व्यवस्था की महत्वपूर्ण कड़ी है, इसलिए इसके संचालन में किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी।

एमपी स्टेट बार काउंसिल में लगभग तय हुई जीत

जबलपुर ने रचा इतिहास : आरके सिंह सैनी को एक जिले से मिले सर्वाधिक मत

जबलपुर। एमपी स्टेट बार काउंसिल चुनाव-2026 की मतगणना में जबलपुर ने नया इतिहास रच दिया। पूर्व वाइस चेयरमैन आरके सिंह सैनी को जबलपुर जिले से अब तक किसी भी एक प्रत्याशी को मिले सबसे अधिक 980 मत प्राप्त हुए हैं। इसे प्रदेश के अधिवक्ता चुनावों में एक नया रिकार्ड माना जा रहा है। सैनी को अब तक मिले कुल मतों की संख्या 1387 हो गई है। जबलपुर से सैनी के अलावा आशीष त्रिवेदी व मनीष तिवारी भी बढ़त बनाए हुए हैं।

अब तक 34,920 मतों की गणना 27 हजार की गिनती शेष

मुख्य निर्वाचन अधिकारी हाई कोर्ट के पूर्व न्यायमूर्ति एसके पालो व वरिष्ठ अधिवक्ता नमन नागरथ के अनुसार शुक्रवार को जबलपुर की मतपेटियों की गिनती पूरी हो चुकी है। बढ़त हासिल करने वालों में राकेश सिंह भदौरिया, आरके सिंह सैनी, विवेक सिंह, नरेंद्र कुमार जैन और हितेन्द्र जय हार्डिया शामिल हैं। अब तक 34,920 मतों की गणना पूरी हो चुकी है, जिनमें 33,654 मत वैध पाए गए हैं, जबकि 1,266 मत निरस्त हुए। लगभग 27 हजार मतों की गिनती अभी शेष है।

जबलपुर के अधिवक्ता समुदाय में उत्साह का माहौल

आरके सिंह सैनी की ऐतिहासिक बढ़त से जबलपुर के अधिवक्ता समुदाय में उत्साह का माहौल है। शुक्रवार को समर्थकों ने हाईकोर्ट परिसर में सैनी को लेकर जुलूस निकाला । समर्थकों का कहना है कि एक ही जिले से किसी प्रत्याशी को इतनी बड़ी संख्या में मत मिलना पहली बार हुआ है। जिसने संस्कारधानी को प्रदेशभर में नई पहचान दिलाई है।

अधिवक्ता हितों के लिए हमेशा साथ खड़ा रहूंगा

जबलपुर सहित पूरे मध्य प्रदेश के अधिवक्ता साथियों ने जो स्नेह, आशीर्वाद और विश्वास दिया है, उसके लिए मैं हृदय से आभारी हूं। मैं हमेशा अधिवक्ता समाज के हितों के लिए उनके साथ खड़ा रहूंगा।
-**आरके सिंह सैनी**, पूर्व वाइस चेयरमैन, स्टेट बार

मामला पहुंचा मुख्यमंत्री के दरबार

लोकायुक्त ट्रैप के बाद भी नहीं मिली अभियोजन की स्वीकृति

मध्य भारत मोर्चा का हमला— 'जीरो टॉलरेंस' सिर्फ भाषणों में, फाइलों में क्यों दफन हो जाते हैं भ्रष्टाचार के मामले?

चार साल से कौन बचा रहा रिश्वतखोर अफसर?

हरिभूमि, जबलपुर।

कटनी के बहुचर्चित रिश्वत प्रकरण ने अब प्रदेश की भ्रष्टाचार विरोधी व्यवस्था पर बड़ा सवाल खड़ा कर दिया है। वर्ष 2022 में लोकायुक्त द्वारा 60 हजार रुपये की कथित रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ पकड़े गए नागरिक आपूर्ति निगम के तत्कालीन जिला प्रबंधक संजय सिंह के खिलाफ चार साल बाद भी अभियोजन की प्रक्रिया पूरी नहीं होने का मामला अब मुख्यमंत्री तक पहुंच गया है।

मध्य भारत मोर्चा ने मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपते हुए पूरे मामले की उच्चस्तरीय जांच की मांग की है। संगठन का आरोप है कि रंगे हाथों पकड़े जाने और एफआईआर दर्ज होने के बावजूद कार्रवाई में हुई असामान्य देरी ने भ्रष्टाचार के खिलाफ सरकारी दावों पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

चार साल... आखिर किसके संरक्षण में अटकी रही फाइल?

ज्ञापन का सबसे बड़ा सवाल यही है। यदि लोकायुक्त ने कार्रवाई की थी, एफआईआर दर्ज हुई थी, जांच आगे बढ़ी थी, तो फिर अभियोजन स्वीकृति में चार वर्ष क्यों लग गए?
क्या फाइल किसी अधिकारी की टेबल पर धूल खाती रही?
क्या जानबूझकर निर्णय टाला गया?
या फिर भ्रष्टाचार के मामलों में भी प्रभावशाली अधिकारियों के लिए अलग व्यवस्था काम करती है?
इन सवालों का जवाब अब शासन से मांगा जा रहा है।

मुख्यमंत्री से मांगी उच्चस्तरीय जांच मोर्चा ने मांग की है कि—
चार वर्षों की देरी की जांच हो।
फाइल रोकने वाले अधिकारियों की जवाबदेही तय हो।
दोषी पाए जाने पर विभागीय कार्रवाई की जाए।
नागरिक आपूर्ति निगम में समर्थन मूल्य खरीदी की स्वतंत्र जांच कराई जाए।
भ्रष्टाचार के मामलों में अभियोजन स्वीकृति के लिए समय-सीमा तय की जाए।

अब नजर भोपाल पर

मुख्यमंत्री को ज्ञापन सौंपे जाने के बाद अब निगाहें भोपाल पर टिक गई हैं। यदि शासन इस मामले में उच्चस्तरीय जांच के आदेश देता है, तो केवल रिश्वत प्रकरण ही नहीं, बल्कि चार वर्षों की प्रशासनिक देरी भी जांच के दायरे में आ सकती है।

क्या व्यवस्था भी लिप्त है

भ्रष्टाचार के खिलाफ सबसे बड़ी कार्रवाई गिरफ्तारी नहीं, बल्कि समय पर सजा है। यदि रंगे हाथों पकड़े गए मामलों में भी फाइलें वर्षों तक घूमती रहें, तो सवाल केवल एक अधिकारी का नहीं, बल्कि पूरे सिस्टम की विश्वसनीयता का बन जाता है। जनता जानना चाहती है कि भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ाई सचमुच निर्णायक है या फिर कार्रवाई केवल ट्रैप और प्रेस विज्ञप्ति तक सीमित रह जाती है।

सिर्फ गिरफ्तारी से खत्म नहीं होती लड़ाई

मोर्चा अध्यक्ष सौरभ यादव का कहना है कि भ्रष्टाचार के खिलाफ कार्रवाई का उद्देश्य केवल ट्रैप कर सुर्खियां बटोरना नहीं होना चाहिए। यदि रंगे हाथों पकड़े गए मामलों में भी वर्षों तक चालान और विभागीय कार्रवाई पूरी नहीं होती, तो जनता का भरोसा जांच एजेंसियों और शासन—दोनों से उठने लगता है।

कठघरे में 'जीरो टॉलरेंस'

सरकार लगातार भ्रष्टाचार पर "जीरो टॉलरेंस" की बात करती है। लेकिन कटनी प्रकरण अब पूछ रहा है
चार साल तक कार्रवाई क्यों नहीं हुई?
क्या भ्रष्टाचार के मामलों में भी अलग-अलग पैमाने हैं?
क्या देरी के लिए किसी अधिकारी की जिम्मेदारी तय होगी?
क्या मुख्यमंत्री इस मामले में हस्तक्षेप करेंगे?

पार्किंग समस्या

क्या समदडिया मॉल प्रबंधन के सामने नतमस्तक हो गया नगर निगम?

बेसमेंट में पार्किंग तो सड़क पर पेड पार्किंग क्यों....?

हरिभूमि, जबलपुर।

सिविक सेंटर स्थित समदड़िया मॉल एक बार फिर सवालों के घेरे में है। मॉल की स्वीकृत पार्किंग व्यवस्था का पालन नहीं किया जा रहा, जबकि आम नागरिकों को सड़क पर पेड पार्किंग का शुल्क चुकाना पड़ रहा है। सबसे बड़ा सवाल यह है कि यदि सार्वजनिक सड़क पर पार्किंग संचालित हो रही है तो उसकी वैधानिक मंजूरी किस विभाग ने दी है?

जानकारों का कहना है कि यदि भवन अनुज्ञा में पर्याप्त पार्किंग का प्रावधान था, तो उसका उपयोग उसी उद्देश्य के लिए होना चाहिए। यदि स्वीकृत बेसमेंट पार्किंग का किसी अन्य व्यावसायिक उपयोग में इस्तेमाल किया जा रहा है या वहां से व्यावसायिक लाभ लिया जा रहा है, तो इसकी जांच आवश्यक है। इसी तरह यदि स्वीकृत योजना में बहुस्तरीय (मल्टी स्टोरी) पार्किंग का प्रावधान था, तो यह भी स्पष्ट होना चाहिए कि उसका निर्माण क्यों नहीं हुआ।

कई विभागों की भूमिका पर सवाल

स्वीकृत नक्शे, पार्किंग व्यवस्था और पर्यावरणीय शर्तों की जांच की उठी मांग

निगम की अनदेखी

सबसे अधिक सवाल नगर निगम की कार्यप्रणाली पर उठ रहे हैं। शहर में छोटे-छोटे अतिक्रमण और नियम उल्लंघन पर त्वरित कार्रवाई करने वाला निगम इस मामले में अब तक कोई स्पष्ट कार्रवाई क्यों नहीं कर पाया? क्या प्रभावशाली लोगों के मामलों में नियमों का पालन अलग तरीके से कराया जाता है? यदि सार्वजनिक सड़क पर पेड पार्किंग बिना सक्षम अनुमति संचालित हो रही है, तो इससे न केवल यातायात प्रभावित होता है बल्कि नगर नियोजन और सार्वजनिक भूमि के उपयोग पर भी गंभीर प्रश्न खड़े होते हैं।

बड़े सवाल

- क्या सड़क पर पेड पार्किंग के लिए नगर निगम या यातायात पुलिस ने कोई वैधानिक अनुमति जारी की है?
- भवन अनुज्ञा में कितने पार्किंग स्लॉट स्वीकृत किए गए थे और वर्तमान में उनका उपयोग किस रूप में हो रहा है?
- क्या बेसमेंट की पूरी पार्किंग आज भी पार्किंग के लिए उपलब्ध है?
- यदि मल्टी स्टोरी पार्किंग का प्रावधान था तो उसका निर्माण क्यों नहीं हुआ?
- नगर निगम ने अब तक कितने निरीक्षण किए और उनकी रिपोर्ट क्या कहती है?
- यदि नियमों का उल्लंघन मिला है तो कार्रवाई क्यों नहीं हुई?

रेलवे मजिस्ट्रेट के औचक निरीक्षण में 22 अवैध वेंडरों पर की गई कार्रवाई

हरिभूमि जबलपुर।

यात्रियों को सुरक्षित, सुव्यवस्थित एवं अनधिकृत गतिविधियों से मुक्त रेल यात्रा का वातावरण उपलब्ध कराने के उद्देश्य से आज जबलपुर रेलवे स्टेशन पर रेलवे मजिस्ट्रेट वेद प्रकाश सगर द्वारा औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान स्टेशन परिसर एवं प्लेटफॉर्म पर अवैध रूप से वेंडिंग करते हुए कई व्यक्तियों को देखा गया। इस पर रेलवे मजिस्ट्रेट ने तत्काल मुख्य टिकट निरीक्षक (सीटीआई) को कार्रवाई करने के निर्देश दिए। निर्देशानुसार टिकट जांच स्टाफ की टीम ने अपने सहयोगियों के साथ संयुक्त अभियान चलाते हुए 22 अवैध वेंडरों को पकड़ा। कार्रवाई के दौरान 18 अवैध वेंडरों पर प्रतिबंधात्मक कार्रवाई करते हुए ₹2,000 प्रति व्यक्ति के हिसाब से कुल ₹36,000 का जुर्माना मौके पर ही वसूल किया गया। वहीं 4 वेंडरों द्वारा जुर्माना जमा नहीं करने पर उनके विरुद्ध न्यायालय में प्रस्तुत किए जाने हेतु चार्जशीट तैयार की गई। यह कार्रवाई रेलवे स्टेशन परिसर में अनुशासन बनाए रखने, यात्रियों की सुविधा एवं सुरक्षा सुनिश्चित करने तथा अनधिकृत वेंडिंग पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। जबलपुर रेल मंडल द्वारा इस प्रकार के विशेष अभियान आगे भी निरंतर जारी रहेंगे।

3420 मामलों में 34.81 करोड़ की चपत

साइबर ठगी का हॉटस्पॉट बन रहा जबलपुर

जबलपुर। ऑनलाइन ठगी और डिजिटल फ्रॉड के बढ़ते मामलों ने जबलपुर में चिंता बढ़ा दी है। आई4सी और एनसीआरपी की रिपोर्ट के अनुसार वर्ष 2025 में जबलपुर में साइबर धोखाधड़ी की 3420 शिकायतें दर्ज हुईं, जिनमें लोगों को करीब 34.81 करोड़ रुपए का नुकसान उठाना पड़ा। लगातार बढ़ते आंकड़े बता रहे हैं कि साइबर अपराधी नए-नए तरीकों से लोगों को अपना शिकार बना रहे हैं।

पूरे मध्यप्रदेश में भी साइबर ठगी के मामले तेजी से बढ़े हैं। वर्ष 2025 में प्रदेश में साइबर वित्तीय धोखाधड़ी की 55,659 शिकायतें दर्ज हुईं, जिसमें करीब 581 करोड़ रुपए की ठगी सामने आई। हालांकि पुलिस और साइबर टीमों की त्वरित कार्रवाई से 137 करोड़ रुपए से अधिक की राशि फ्रीज कर लोगों को राहत दिलाई गई।

निवेश ऑफर और डिजिटल अरेस्ट के नाम पर ठगी...........बजाज फाइनेंस की "नॉकआउट डिजिटल फ्रॉड"

जागरूकता मुहिम के दौरान जबलपुर साइबर क्राइम पुलिस ने लोगों को ऑनलाइन ठगी के नए तरीकों से सावधान किया। साइबर क्राइम सीएसपी अंजुल मिश्रा ने कहा कि सोशल मीडिया पर मिलने वाले फर्जी निवेश ऑफर, कम समय में ज्यादा मुनाफे का लालच और अनजान लिंक लोगों को बड़ी आर्थिक क्षति पहुंचा सकते हैं।उन्होंने कहा कि साइबर ठगी का शिकार होने पर शर्म या संकोच नहीं करना चाहिए, बल्कि तुरंत राष्ट्रीय साइबर अपराध हेल्पलाइन नंबर 1930 पर शिकायत करनी चाहिए। समय पर शिकायत मिलने से ठगी की रकम को रोकने और वापस दिलाने की संभावना बढ़ जाती है।साइबर क्राइम थाना प्रभारी भावना तिवारी ने लोगों को मोबाइल सुरक्षा के प्रति सतर्क करते हुए कहा कि किसी भी अनजान नंबर, ई-मेल या सोशल मीडिया अकाउंट से आए लिंक, ऐप या एपीके फाइल को डाउनलोड नहीं करना चाहिए। उन्होंने बताया कि यदि गलती से कोई संदिग्ध एपीके फाइल डाउनलोड हो जाए तो तुरंत इंटरनेट बंद कर देना चाहिए या फोन को फ्लाइट मोड पर डाल देना चाहिए, ताकि साइबर अपराधी डिवाइस का गलत इस्तेमाल न कर सकें।

फर्जी लोन, ओटीपी के जाल में फंस रहे लोग.......साइबर अपराधी अब पारंपरिक तरीकों के साथ हाईटेक हथकंडे अपना रहे हैं। फिशिंग लिंक, ओटीपी फ्रॉड, फर्जी नौकरी के ऑफर, नकली लोन स्कीम, निवेश योजनाओं में भारी रिटर्न का झांसा, फर्जी पहचान और डिजिटल अरेस्ट जैसे तरीकों से लोगों को ठगा जा रहा है।

बजाज फाइनेंस के प्रतिनिधि ने बताया कि कंपनी की ओर से साइबर सुरक्षा को लेकर देशभर में जागरूकता अभियान चलाए जा रहे हैं। सरस्वती इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी कॉलेज, जबलपुर में आयोजित जागरूकता कार्यक्रम में साइबर क्राइम सब इंस्पेक्टर नीरज नेगी, साइबर अधिकारी अजीत गौतम, सेवानिवृत्त सीएसपी अशोक तिवारी सहित कई विशेषज्ञ मौजूद रहे। कॉलेज की प्राचार्या डॉ. निधि खन्ना, उप-प्राचार्या श्रीमती प्रजापति, छात्र-छात्राओं और फैकल्टी सदस्यों ने भी कार्यक्रम में भाग लिया।

भोंगाद्वार वाटर ट्रीटमेंट प्लांट का अपर आयुक्त ने किया निरीक्षण, पेयजल व्यवस्था को लेकर दिए निर्देश

जबलपुर। शहर में स्वच्छ एवं निर्बाध पेयजल आपूर्ति सुनिश्चित करने के उद्देश्य से अपर आयुक्त देवेंद्र सिंह चौहान ने भोंगाद्वार वाटर ट्रीटमेंट प्लांट का औचक निरीक्षण किया। उन्होंने प्लांट की कार्यप्रणाली, जल शोधन प्रक्रिया और वितरण व्यवस्था का बारीकी से जायजा लेते हुए अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।निरीक्षण के दौरान अपर आयुक्त ने रॉ-वाटर पंपिंग, सेडिमेंटेशन, फिल्ट्रेशन और क्लोरिनेशन प्रक्रिया की जानकारी ली। उन्होंने जल गुणवत्ता जांच प्रयोगशाला का भी निरीक्षण कर पानी की शुद्धता एवं मानकों के अनुरूप जांच सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। अपर आयुक्त ने कहा कि भोंगाद्वार प्लांट शहर की जल आपूर्ति व्यवस्था का महत्वपूर्ण केंद्र है, इसलिए इसके संचालन में किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी। उन्होंने अधिकारियों को नियमित जल परीक्षण, सभी क्षेत्रों में पर्याप्त दबाव के साथ समय पर जल आपूर्ति तथा बिजली कटौती एवं तकनीकी खराबी की स्थिति में बैकअप व्यवस्था को सक्रिय रखने के निर्देश दिए। उन्होंने प्लांट में कार्यरत अधिकारियों एवं तकनीकी स्टाफ की सराहना करते हुए कहा कि जल आपूर्ति व्यवस्था को और अधिक आधुनिक एवं सुदृढ़ बनाने के प्रयास लगातार जारी रहेंगे।

हनुमानताल वार्ड को 87 लाख के विकास कार्यों की सौगात, गोविंदगंज स्कूल में बनेंगे चार नए कक्ष

जबलपुर। हनुमानताल वार्ड में शिक्षा और मूलभूत सुविधाओं के विस्तार के लिए नगर निगम द्वारा 87 लाख रुपये के विकास कार्यों का भूमिपूजन किया गया। नगर निगम गोविंदगंज स्कूल में अतिरिक्त कक्षों के निर्माण के साथ क्षेत्र में सड़क एवं नाली निर्माण कार्य कराए जाएंगे। कार्यक्रम में महापौर जगत बहादुर सिंह अन्नू, उत्तर-मध्य विधानसभा क्षेत्र के विधायक डॉ. अभिलाष पाण्डेय, निगमाध्यक्ष रिकुंज विज, एमआईसी सदस्य एवं लोककर्म प्रभारी विवेकराम सोनकर, सामान्य प्रशासन शिक्षा प्रभारी डॉ. सुभाष तिवारी, पार्षद श्रीमती कविता रैकवार, प्राचार्य, शिक्षकगण, छात्राएं एवं नागरिक उपस्थित रहे। महापौर ने कहा कि नगर निगम स्कूलों में आधुनिक शैक्षणिक वातावरण उपलब्ध कराने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि निगम के बच्चे अब अपनी प्रतिभा से कॉन्वेंट स्कूलों के विद्यार्थियों को टक्कर दे रहे हैं। महापौर गुरुकुल के माध्यम से प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए निःशुल्क कोचिंग दी जा रही है। उन्होंने बताया कि गोविंदगंज स्कूल में छात्राओं की बढ़ती संख्या को देखते हुए चार नए आधुनिक कक्षों का निर्माण कराया जा रहा है। विधायक डॉ. अभिलाष पाण्डेय ने कहा कि गोविंदगंज स्कूल का गौरवशाली इतिहास रहा है और यहां से पढ़कर निकली छात्राओं ने विभिन्न क्षेत्रों में सफलता हासिल की है। नए कक्षों के निर्माण से छात्राओं को बेहतर सुविधाएं मिलेंगी। निगमाध्यक्ष रिकुंज विज ने इसे विद्यालय के विकास की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताया। कार्यक्रम में स्कूल प्राचार्य डॉ. शैलेन्द्र पाण्डेय ने विद्यालय की उपलब्धियों की जानकारी दी। इस अवसर पर रजनीकांत अग्रवाल, गोविंद रैकवार, संतोष लालवानी, राजेश ठाकुर, विजय यादव, राकेश अग्रवाल, श्रीमती आशा मिश्रा सहित शिक्षकगण एवं नागरिक उपस्थित रहे।

मेडिकल यूनिवर्सिटी के विभाजन पर मचा घमासान

जबलपुर की साख बचाने एकजुट होने की अपील

जबलपुर। मध्य प्रदेश मेडिकल यूनिवर्सिटी के संभावित विभाजन को लेकर जबलपुर में विरोध के स्वर तेज होने लगे हैं। नागरिक उपभोक्ता मार्गदर्शक मंच ने इसे शहर की प्रतिष्ठा और पहचान से जुड़ा मुद्दा बताते हुए कहा है कि यदि मेडिकल यूनिवर्सिटी का विभाजन किया गया तो इससे जबलपुर की साख पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा। मंच ने सभी जनप्रतिनिधियों, सामाजिक संगठनों और नागरिकों से एकजुट होकर इस प्रस्ताव का विरोध करने की अपील की है।

मंच के अध्यक्ष डॉ. पी.जी. नाजपांडे ने बताया कि विधायक लखन घनघोरिया ने विधानसभा सचिवालय में प्रश्न लगाकर उपमुख्यमंत्री तथा लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग से मेडिकल यूनिवर्सिटी के विभाजन

के संबंध में जवाब मांगा है। इस प्रश्न का उत्तर 22 जुलाई को विधानसभा में दिया जाना प्रस्तावित है, जिससे इस मुद्दे को लेकर राजनीतिक और प्रशासनिक हलकों में चर्चाएं तेज हो गई हैं।डॉ. नाजपांडे का कहना है कि जानकारी मिली है कि अपर मुख्य सचिव अशोक वर्णवाल ने मेडिकल यूनिवर्सिटी के विभाजन के संबंध में आवश्यक सूचनाएं एकत्र करने के निर्देश दिए हैं। जिस तेजी से प्रशासनिक स्तर पर कार्रवाई हो रही है, उससे यह आशंका जताई जा रही है कि आगामी विधानसभा मानसून सत्र में इस संबंध में प्रस्ताव लाया जा सकता है।उपभोक्ता मंच ने कहा कि मेडिकल यूनिवर्सिटी जबलपुर की पहचान और गौरव का महत्वपूर्ण केंद्र है। इसका विभाजन शहर के शैक्षणिक, प्रशासनिक और संस्थागत महत्व को प्रभावित कर सकता है। मंच ने सभी जनप्रतिनिधियों से दलगत राजनीति से ऊपर उठकर शहर के हित में एकजुट होने और मेडिकल यूनिवर्सिटी को यथावत बनाए रखने के लिए प्रभावी पहल करने की मांग की है।इस अवसर पर रजत आर्य, एडवोकेट वेदप्रकाश अधौलिया, डी.आर. लखेरा, सुशीला कनौजिया, गीता पांडे, मनीष शर्मा एवं प्रफुल्ल सक्सेना सहित मंच के पदाधिकारियों ने भी जबलपुर के हित में सामूहिक प्रयास करने का आह्वान किया। उनका कहना है कि "एकजुटता से ही जबलपुर की साख बचेगी।

मकान कब्जाने के लिए चौकीदार से मारपीट

घर का सामान भी बाहर फेंका, मामला दर्ज

जबलपुर। तिलहरी क्षेत्र में डीमार्ट के पास स्थित एक मकान पर कब्जे को लेकर तीन लोगों द्वारा जमकर बवाल किए जाने का मामला सामने आया है। थाना गोराबाजार में गुरुवार को अमित गौड़ निवासी ग्राम आलूध थाना मुकवाह नरसिंहपुर ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि वह पिछले 2 माह से ठेकेदार मनीष कुमार रिछारिया के माध्यम से रवि ढींगरा के उक्त मकान की देखरेख पत्नी हंसवती और बच्चों के साथ कर रहा था। 8 जून की रात 9 बजे वेपूरी आईजक, वेपूरी फिलिप और वेपूरी आशीष ने बाउंड्री वॉल कूदकर घर में प्रवेश किया। मकान पर अपना हक जताते हुए तीनों ने अमित के साथ गाली-गलौज और मारपीट की। आरोपियों ने परिवार को जान से मारने की धमकी देकर घर से भगा दिया और सारा सामान बाहर फेंक दिया। पुलिस ने शिकायत पर धारा 135, 329(4), 296(ए), 115(2), 351(2), 3/5 बीएनएस के तहत मुकदमा दर्ज कर लिया है।

तीन लोगों ने किया हमला

घटना के बाद मकान मालिक रवि ढींगरा और ठेकेदार मनीष कुमार मौके पर पहुंचे तो देखा कि वेपूरी आईजक, वेपूरी फिलिप और वेपूरी आशीष ने मकान पर अपना ताला लगा दिया है। आरोपियों ने न केवल अमित गौड़ के साथ मारपीट की, बल्कि उसे और उसके परिवार को डरा-धमका कर घर से बाहर खदेड़ दिया। इलाके में इस घटना के बाद से हड़कंप मचा हुआ है।

खेत में बने कमरे में रखी 5 क्विंटल मूंग दाल चोरी

जबलपुर। खमरिया थाना अतंर्गत ग्राम उमरिया स्थित एक खेत में बने कमरे से करीब 5 क्विंटल मूंग चोरी होने का मामला सामने आया है। बताया गया है कि चोर दरवाजे के ऊपर बने होल से कमरे में घुसकर मूंग चोरी कर ले गया है। खमरिया पुलिस थाने से प्राप्त जानकारी के अनुसार पुरानी बस्ती रांझी निवासी 45 वर्षीय किसान ज्ञानेश्वर शर्मा पिछले करीब आठ वर्षों से मदनमहल निवासी उस्मान खान की ग्राम उमरिया स्थित लगभग पांच एकड़ जमीन सिकमी पर लेकर खेती कर रहा है। खेत में फसल रखने और रहने के लिए पांच कमरे बने हुए हैं, जहां पर उड़द की फसल की गहाई कराने के बाद उसने उड़द और मूंग कमरे में रखी थी। 28 जून की शाम वह घर चला गया। अगले दिन सुबह खेत पहुंचकर कमरे का ताला खोला तो मूंग की मात्रा कम दिखाई दी। उसने देखा कि दरवाजे के ऊपर लगभग डेढ़ फुट के खुले हिस्से के पास मूंग के दाने बिखरे मिले। लगभग 4 से 5 क्विंटल मूंग चोर चोरी कर ले गया, जिसकी कीमत लगभग 40 हजार रुपये है। गत दिवस उसे मोहल्ले के लोगों ने बताया कि गोकलपुर निवासी विक्की कंधे पर बोरी रखकर उसके खेत की ओर से जाते हुए देखा गया था। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ शिकायत में आरोप लगाया गया है कि आरोपी दरवाजे के ऊपर बने खुले हिस्से से कमरे के अंदर घुसा और करीब 5 क्विंटल मूंग चोरी कर ले गया। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ रिपोर्ट पर धारा 331(4) एवं 305(ए) बीएनएस का अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया।

सड़क और नाला निर्माण की मांग को लेकर कांग्रेस पार्षद राजेश चौबे ने दिया धरना, आश्वासन के बाद प्रदर्शन समाप्त

सिहोरा। खितौला बाजार से मंडी गेट तक सीसी रोड एवं नाला निर्माण की मांग को लेकर कांग्रेस पार्षद राजेश चौबे के नेतृत्व में कांग्रेस कार्यकर्ताओं और स्थानीय नागरिकों ने मंडी गेट के सामने धरना प्रदर्शन किया। प्रदर्शन में बड़ी संख्या में क्षेत्रीय नागरिक शामिल हुए और सड़क निर्माण कार्य शीघ्र शुरू कराने की मांग की। स्थानीय नागरिकों का कहना है कि टेंडर होने के चार माह बाद भी सड़क निर्माण शुरू नहीं हुआ है, जिससे विद्यार्थियों, किसानों और आम लोगों को आवागमन में परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। वार्डवासियों की समस्या को लेकर करीब तीन घंटे तक धरना दिया गया और खितौला नगर जाने वाले मार्ग को जाम किया गया। नगर पालिका अधिकारियों के मौके पर नहीं पहुंचने से प्रदर्शनकारी नाराज होकर नेशनल हाईवे पर धरना देने पहुंचे। बाद में थाना प्रभारी की पहल पर नगर पालिका अधिकारियों ने धरना स्थल पहुंचकर समस्या के शीघ्र निराकरण का आश्वासन दिया, जिसके बाद कांग्रेस ने आंदोलन समाप्त किया।

प्रदर्शन में मंजू मिश्रा, अमोल चौरसिया, प्रकाश कुररिया, बाबा कुरैशी, पवन सोनी, पार्षद रमेश पटेल, माधुरी गणेश दाहिया, ममता गोटिया, राजेश पटेल, रामलोचन कोल, लाल बहादुर पाठक, सुभाष यादव, संतोष पांडे, अजय पाठक, जितेंद्र तिवारी, फैज आलम शाह, रमा चौरसिया, संदीप शुक्ला, मन्नू शुक्ला, प्रांजल सराफ, सचिन श्रीवास्तव, रिंकू शर्मा सहित अनेक कांग्रेस कार्यकर्ता एवं नागरिक उपस्थित रहे।

जुए के फडों पर छापा, 12 जुआडी गिरफ्तार

जबलपुर। अधारताल पुलिस ने नेता कालोनी मिलन आटा चक्की के पास बिजली खंबे के नीचे और खेरमाई मंदिर के पीछे एक जुए के फड़ पर छापा मारकर 12 जुआड़ियों को गिरफ्तार कर उसके पास से नगद 5 हजार 750 रुपए जब्त किए हैं। अधारताल थाना प्रभारी विपिन ताम्रकार ने बताया कि गत रात मुखबिर की सूचना पर नेता कालोनी मिलन आटा चक्की के पास बिजली खंबे के नीचे उजाले में जुआ मन्ना खेल रहे मोह. गुलजार, मोह. आमीन, मोह. मोहसिन, आसिफ मंसूरी, आशीष शुक्ला, मोह. शहजाद को गिरफ्तार कर उनके पास से नगद 2 हजार 950 रूपये जप्त किए हैं। इसी प्रकार नेता कालोनी में खेरमाई मंदिर के पीछे दबिश देते हुये साबिर खान, इमरान, जाहिद मंसूरी, मोह. शाहरूख, मेहताब खान, अनवार हुसैन को गिरफ्तार कर उनके पास से 2 हजार 800 रूपये जप्त किए है। पुलिस ने सभी जुआड़ियों के विरुद्ध 13 जुआ एक्ट के तहत कार्यवाही की गयी।

रंगदारी वसूलने चाकूबाजी की वारदात में 2 घायल

जबलपुर। रांझी थाना अतंर्गत बड़ा पत्थर में शराब पीने के लिए रुपए नहीं मिलने की बात पर दो बदमाशों ने दो युवकों पर चाकू से हमला कर घायल कर दिया। रांझी पुलिस थाने से प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम उमरिया डिरहा मझौली निवासी 42 वर्षीय पंजी कोल गत दिवस विक्टोरिया में भर्ती अपने साले अनिल कोल को देखने के बाद साले के घर बड़ा पत्थर रांझी आया और खाना खाने के बाद बीड़ी लेने गया जहां पर वीरेन्द्र कोल एवं सुक्कू कोल उससे शराब पीने के लिए 500 रुपए की मांग करने लगे, मना करने पर दोनों ने मारपीट कर वीरेंद्र ने चाकू से हमला कर दिया। वहीं बीच बचाव करने आए शंकर गोटिया पर भी सुक्कू कोल ने चाकू से हमला कर जान से मारने की धमकी दी। पुलिस ने दोनों आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट पर धारा 296(बी), 119(1), 351(2), 3(5) बीएनएस का अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया।

श्री मारियो पीटर -गंगा मैया, व्हीएफजे निवासी श्री मारियो पीटर (बबलू) का 61 वर्ष की आयु में आकस्मिक निधन हो गया है. उनकी अंतिम यात्रा दिनांक 11.07. 26 को दोपहर 1:00 बजे उनके निज निवास से बिलहरी कब्रिस्तान प्रस्थान करेगी. वहां दोपहर 2:00 बजे पवित्र मिस्सा संपन्न होगा।

श्री किशन सिंह राजपूत- कैलाशपुरी गुप्तेश्वर निवासी श्री किशन सिंह राजपूत (70) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गुप्तेश्वर मोक्षधाम में संपन्न हुआ।

श्री सुमित चौधरी- लाल बहादुर शास्त्री वार्ड डॉ. पचौरी के निकट निवासी श्री भारत चौधरी के पुत्र श्री सुमित चौधरी (19) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर शमशान भूमि में किया गया।

श्री आर रमैया- ज्ञान विहार आदर्श नगर नर्मदा रोड निवासी श्री आर रमैया (91) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री नारायण नायर- शीतलामाई निवासी श्री नारायण नायर (71) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर शमशान भूमि में किया गया।

श्रीमती कलावती यादव- सेठी नगर निवासी श्री चुन्नीलाल यादव की धर्मपत्नी श्रीमती कलावती यादव (64) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री वृंदावन विश्वकर्मा- त्रिमूर्ति नगर निवासी श्री वृंदावन विश्वकर्मा का निधन हो गया। अंतिम संस्कार रानीताल शमशान भूमि में किया गया।

श्रीमती रामा बाई साहू- नर्मदा

नगर गौरीघाट रोड निवासी श्री केहरी लाल साहू की धर्मपत्नी श्रीमती रामा बाई साहू (70) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्रीमती संपत बाई चौधरी- बड़ी खेरमाई सती चौक निवासी श्री प्यारे लाल चौधरी की धर्मपत्नी श्रीमती संपत बाई चौधरी (76) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर शमशान भूमि में किया गया।

श्रीमती शशि तिवारी- न्यू रामनगर अधारताल निवासी श्री राज केसर तिवारी की धर्मपत्नी श्रीमती शशि तिवारी (57) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्रीमती रामकली सतनामी- वल्दी कोरी की दफाई आचार्य विनोबा भावे वार्ड निवासी श्री राजू लाल सतनामी की धर्मपत्नी श्रीमती रामकली सतनामी (59) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर शमशान भूमि में किया गया।

श्रीमती प्रेम बाई वाल्मीकि- बिलपुरा इंद्रा नगर व्हीकल निवासी श्री पूरन लाल वाल्मीकि की धर्मपत्नी श्रीमती प्रेम बाई वाल्मीकि (82) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्रीमती छोटी बाई- प्रेमसागर निवासी श्री प्रेम लाल की धर्मपत्नी श्रीमती छोटी बाई (78) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर शमशान भूमि में किया गया।

श्रीमती जानकी देवी- कचनार सिटी विजय नगर निवासी श्रीमती जानकी देवी (90) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार रानीताल शमशान भूमि में किया गया।

हरिभूमि
निजी/शोक/उठावना, पगड़ी रस्म, पुण्यतिथि संबंधी संदेश प्रकाशित कराने के लिए
अब मात्र 90/- प्रति स्क्वायर से.मी.
सम्पर्क करें विज्ञापन विभाग:-9303308294, 9407362160

साहू समाज ने किया सांसद विवेक का सम्मान

सिहोरा। छिंदवाड़ा सांसद विवेक (बंटी) साहू द्वारा मैहर तक निकाली जा रही धार्मिक पदयात्रा के सिहोरा आगमन पर साहू समाज सिहोरा-खितौला एवं मझौली द्वारा उनका भव्य स्वागत किया गया। समाजजनों ने ढोल-नगाड़ों और आतिशबाजी के साथ सांसद साहू का अभिनंदन करते हुए उन्हें शाल, श्रीफल, माला एवं पुष्पगुच्छ भेंट किए। इस अवसर पर विधायक संतोष बरकड़े, अनुपम सराफ, राजेश दाहिया, साहू समाज सिहोरा अध्यक्ष अमित साहू, सगोड़ी सरपंच दीपक साहू, सचिन साहू, विजय साहू, अजय साहू, राजेंद्र साहू, अरविंद साहू, अजय साहू (आश्रम सरपंच), राकेश साहू, योगी साहू, हिमांशु साहू, किशोरी लाल साहू, प्रिंस साहू, मनोज साहू, सतीश साहू, आंचल साहू, धर्मेंद्र साहू, दिनेश साहू, दीपक साहू सहित समाज के अनेक लोग उपस्थित रहे। महिला अध्यक्ष अंशुल साहू, साधना साहू, सारिका साहू, मनीषा साहू, कृष्णा सरावगी तथा पार्षद ज्योति चक्रवर्ती, गीता पटेल, वर्षा ठाकुर सहित अन्य जनप्रतिनिधियों ने भी सांसद साहू का स्वागत किया।

पश्चिम मध्य रेल की यात्री आय में 8.22 प्रतिशत की वृद्धि, पहली तिमाही में 685 करोड़ रुपये से अधिक राजस्व

जबलपुर। पश्चिम मध्य रेल ने वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही (अप्रैल-जून) में यात्री यातायात से 685 करोड़ 83 लाख रुपये का ऑरिजिनेटिंग राजस्व अर्जित किया है। यह पिछले वर्ष की समान अवधि में प्राप्त 633 करोड़ 76 लाख रुपये की तुलना में 8.22 प्रतिशत अधिक है। इस अवधि में आरक्षित एवं अनारक्षित सहित कुल 306 लाख 67 हजार यात्रियों ने यात्रा की, जो पिछले वर्ष की तुलना में 3.2 प्रतिशत अधिक है। मंडलवार राजस्व में जबलपुर मंडल ने 267 करोड़ 21 लाख रुपये, भोपाल मंडल ने 267 करोड़ 77 लाख रुपये तथा कोटा मंडल ने 150 करोड़ 84 लाख रुपये का योगदान दिया। अकेले जून माह में पश्चिम मध्य रेल ने 228 करोड़ 88 लाख रुपये यात्री आय अर्जित की, जो पिछले वर्ष जून की तुलना में लगभग 5 प्रतिशत अधिक है। यात्री सुविधाओं और राजस्व वृद्धि के लिए पश्चिम मध्य रेल द्वारा स्पेशल ट्रेनों का संचालन, अतिरिक्त कोच की व्यवस्था, ठहराव अवधि में वृद्धि, आईसीएफ कोच को एलएचबी में बदलने, ट्रेनों की गति बढ़ाने एवं समयपालन सुधार जैसे प्रयास किए जा रहे हैं। रेल प्रशासन ने बताया कि यात्रियों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने और यात्री आय में निरंतर वृद्धि के लिए ये प्रयास आगे भी जारी रहेंगे।

अनिल उसरेटे बने नगर अध्यक्ष

जबलपुर। स्वतंत्रता संग्राम सेनानी उत्तराधिकारी परिवार समिति मप्र (राष्ट्रीय स्वतंत्रता सेनानी उत्तराधिकारी परिवार समिति रजि. से सम्बद्ध) द्वारा संगठन के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. आलोक चंसौरिया द्वारा अनिल उसरेटे को नगर अध्यक्ष पद पर नियुक्त किया गया है। इस अवसर पर उत्तराधिकारी संगठन के प्रदेश महासचिव सचिव अरुण सिंह ने बधाई दी।

अब नहीं रुकेगी 1600 सीरीज की कॉल! ट्राई ने जारी किए नए नियम

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

दूरसंचार नियामक ट्राई ने शुक्रवार को कहा कि 1600 नंबर शृंखला से आने वाली कॉल को कोई भी मोबाइल ऐप ब्लॉक नहीं कर सकता, क्योंकि ये कॉल सरकार एवं विनियमित संस्थाओं की तरफ से आम लोगों के साथ संवाद के लिए निर्धारित हैं।

- 140 नंबर श्रृंखला वाली काल को ब्लाक किया जा सकता है

इसके साथ ही ट्राई ने कहा कि 140 नंबर श्रृंखला से आने वाली कॉल को केवल 'डू नॉट डिस्टर्ब' (डीएनडी) पंजीकरण के जरिए ही ब्लॉक किया जा सकता है। भारतीय दूरसंचार विनियामक प्राधिकरण (ट्राई) ने स्पष्ट किया कि दूरसंचार वाणिज्यिक संचार ग्राहक वरीयता विनियम (टीसीसीसीपीआर) के तहत 1600 श्रृंखला से आने वाली कॉल को टैग, ब्लॉक या फिल्टर करने की अनुमति नहीं है।

कोई भी मोबाइल ऐप इस सीरीज को ब्लाक नहीं कर सकता

1600 सीरीज का उपयोग आरबीआई, सेबी, इरडा आदि करती है : ट्राई के मुताबिक, 1600 नंबर श्रृंखला का उपयोग भारतीय रिजर्व बैंक, सेबी, बीमा विनियामक एवं विकास प्राधिकरण (इरडा) और पेंशन कोष विनियामक एवं विकास प्राधिकरण (पीएफआरडीए) जैसे नियामकों के अधीन आने वाली बैंकिंग, वित्तीय सेवा और बीमा कंपनियां अपने ग्राहकों से सेवा और लेनदेन संबंधी कॉल के लिए करती हैं।

140 की सीरीज टेलीमार्केटिंग कंपनियां उपयोग करती है

इसके साथ ही ट्राई ने कहा कि 140 नंबर श्रृंखला का उपयोग पंजीकृत टेलीमार्केटिंग कंपनियों द्वारा प्रचार संबंधी कॉल के लिए किया जाता है। इन कॉल को किसी ऐप के माध्यम से टैग या फिल्टर नहीं किया जा सकता और इन्हें केवल 'डू नॉट डिस्टर्ब' (डीएनडी) पंजीकरण के जरिए ही ब्लॉक किया जा सकता है।

सरकारी संस्थाएं भी इसी सीरीज का उपयोग करती है: इसके अलावा, सरकारी संस्थाएं भी नागरिकों से संवाद के लिए इसी फोन नंबर श्रृंखला का इस्तेमाल करती हैं। उद्देश्य इन्हें नागरिकों के लिए अधिक विश्वसनीय बनाना है।

140 सीरीज में डीएनडी का पंजीकरण हो सकता है

प्राधिकरण ने कहा, /"ट्राई डीएनडी ऐप सहित विभिन्न माध्यमों से 'डू नॉट डिस्टर्ब' (डीएनडी) पंजीकरण कराया जा सकता है। जहां तक 140 श्रृंखला की कॉल का सवाल है तो उसे टैग या फिल्टर नहीं किया जा सकता है, क्योंकि इससे उन उपभोक्ताओं को भ्रम हो सकता है जिन्होंने किसी क्षेत्र से कॉल की अनुमति दी हुई है।

प्रचार कॉल को अनुमति दे सकते हैं या ब्लॉक कर सकते हैं : नियामक के अनुसार, उपभोक्ता डीएनडी रजिस्ट्री पर अपनी पसंद दर्ज कर किसी एक या सभी क्षेत्रों से आने वाली प्रचार कॉल को अनुमति दे सकते हैं या उन्हें ब्लॉक कर सकते हैं। यदि किसी उपभोक्ता ने किसी क्षेत्र की कॉल ब्लॉक कर दी है, तो उसे उस क्षेत्र से 140 श्रृंखला की कोई भी कॉल नहीं आएगी।

इस सीरीज की फर्जी कॉल में काफी वृद्धि हुई

ट्राई के इस स्पष्टीकरण का मतलब है कि उपभोक्ता 1600 और 140 नंबर श्रृंखला से आने वाली कॉल को 'स्पैम' या 'फ्रॉड' के रूप में चिह्नित नहीं कर पाएंगे। इस बीच, कॉलर की पहचान करने वाले ऐप 'ट्रूकॉलर' के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) ऋषित झुनझुनवाला ने कहा कि 140 और 1600 श्रृंखला से आने वाली फर्जी (स्पैम) कॉल में काफी वृद्धि हुई है।

5.1 करोड़ से अधिक कॉल लोग उठाते नहीं

इन दोनों श्रृंखलाओं से प्रतिदिन आने वाली 5.1 करोड़ से अधिक कॉल को लोग उठाते भी नहीं है। उन्होंने बताया कि 1600 श्रृंखला से आने वाली कॉल को ब्लॉक करने की कार्रवाई में अक्टूबर 2025 से 208 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्ज की गई है और पिछले आठ महीनों में इस श्रृंखला के खिलाफ 7.4 करोड़ से अधिक मैनुअल ब्लॉकिंग की गई है।

खबर संक्षेप

इंडियन बैंक के लाभ में 10 प्रतिशता का इजाफा

नई दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र के इंडियन बैंक का एकीकृत शुद्ध लाभ चालू वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही अप्रैल-जून में 10 प्रतिशत बढ़कर 3,273 करोड़ रुपये रहा। बैंक ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। चेन्नई के इस बैंक ने वित्त वर्ष 2025-26 की इसी तिमाही में 2,973 करोड़ रुपये शुद्ध लाभ अर्जित किया था।

एचएफसीएल को डेटा सेंटर कंपनी से मिला निर्यात ठेका

नई दिल्ली। घरेलू दूरसंचार उपकरण विनिर्माता एचएफसीएल को एक अंतरराष्ट्रीय डेटा सेंटर कंपनी से ऑप्टिकल फाइबर केबल आधारित डेटा सेंटर संपर्क समाधान की आपूर्ति के लिए 495.80 करोड़ रुपये का निर्यात ठेका मिला है। कंपनी ने शुक्रवार को शेयर बाजार को दी सूचना में बताया कि इस ठेके को दिसंबर, 2026 तक पूरा किया जाना है।

रुपया 14 पैसे मजबूत होकर 95.33 प्रति डॉलर पर

मुंबई। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में शुक्रवार को रुपया 14 पैसे चढ़कर 95.33 प्रति डॉलर पर रहा। पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के बीच कमजोर होते डॉलर और कच्चे तेल की कीमतों में नरमी से रुपये को समर्थन मिला। पूंजी निकासी और पश्चिम एशिया में नए सिरे से तनाव को लेकर अनिश्चितता बढ़ने का स्थानीय मुद्रा पर दबाव रहा।

बैंक ऑफ महाराष्ट्र का लाभ 27 प्रतिशत बढ़ा

नई दिल्ली। बैंक ऑफ महाराष्ट्र (बीओएम) का शुद्ध लाभ चालू वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही अप्रैल-जून में 27 प्रतिशत बढ़कर 2,020 करोड़ रुपये हो गया। बैंक ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। पुणे स्थित बैंक ने वित्त वर्ष 2025-26 की इसी तिमाही में 1,593 करोड़ रुपये शुद्ध लाभ अर्जित किया था।

आनंद राठी वेल्थ के लाभ में 24 फीसदी की बढ़त

नई दिल्ली। आनंद राठी वेल्थ का एकीकृत शुद्ध लाभ चालू वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही अप्रैल-जून में 24 प्रतिशत बढ़कर 116 करोड़ रुपये रहा। कंपनी की कुल प्रबंधीन अधीन परिसंपत्ति और ग्राहकों की संख्या में लगातार वृद्धि से उसके प्रदर्शन को मजबूती मिली है। 2025-26 की जून तिमाही में कंपनी का शुद्ध लाभ 93.8 करोड़ रुपये था। 2026-27 की अप्रैल-जून तिमाही में उसकी कुल आय 18 प्रतिशत बढ़कर 336.4 करोड़ रुपये हो गई।

मंत्रालय ने एथेनॉल मिश्रित कार्यक्रम की आलोचनाओं का दिया जवाब

ई20 से पांच प्रतिशत घट सकती है माइलेज लेकिन स्वच्छ दहन जैसे लाभ अधिक: मंत्रालय

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने शुक्रवार को कहा कि 20 प्रतिशत एथनॉल मिश्रित पेट्रोल (ई20) के इस्तेमाल से कुछ वाहनों में ईंधन दक्षता (माइलेज) तीन से पांच प्रतिशत तक कम हो सकती है, लेकिन इसके बदले मिलने वाले ऊर्जा सुरक्षा, कम कार्बन उत्सर्जन और बेहतर इंजन प्रदर्शन जैसे लाभ कहीं अधिक महत्वपूर्ण हैं।

मंत्रालय के अनुसार, इसके अलावा ऑक्टेन रेटिंग, बेहतर एंटी-नॉक क्षमता, तेज दहन, बेहतर पिकअप आदि जैसे लाभ भी इसमें शामिल हैं।एथनॉल मिश्रित पेट्रोल (ईबीपी) कार्यक्रम की आलोचनाओं का जवाब देने के लिए जारी प्रश्नोत्तर दस्तावेज में मंत्रालय ने कहा कि ई20, ई10 या शुद्ध पेट्रोल की तुलना में ''अधिक स्वच्छ, बेहतर गुणवत्ता वाला और अधिक दक्ष ईंधन है।'

कलपुर्जों खराब होने की कोई शिकायत नहीं मिली

मंत्रालय ने कहा कि मारुति सुजुकी और हीरो मोटोकॉर्प सहित वाहन विनिर्माताओं से मिली प्रतिक्रिया के अनुसार, वास्तविक परिस्थितियों में उपयोग किए गए वाहनों में ई20 के कारण जंग लगने, असामान्य घिसाव या कलपुर्जों के जल्दी खराब होने की कोई शिकायत नहीं मिली है।

जरूरी नहीं की पेट्रोल से ई20 सस्ता हो

कीमतों के संबंध में मंत्रालय ने कहा कि ई20 जरूरी नहीं कि पारंपरिक पेट्रोल से सस्ता हो, क्योंकि किसानों को समर्थन देने के लिए एथनॉल की खरीद कीमत लाभकारी स्तर पर तय की जाती है और अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमत कम होने पर यह पेट्रोल से भी महंगा पड़ सकता है।

- कुछ वाहनों में ईंधन क्षमता तीन से पांच फीसदी तक घट सकती है
- पेट्रोल की तुलना में अधिक स्वच्छ, गुणवत्ता वाला और दक्ष है
- मंत्रालय ने यह आशंका खारिज की कि कार्यक्रम जल्दबाजी में लागू किया गया

पुराने वाहनों पर भी व्यापक परीक्षण

पुराने वाहनों को लेकर उठी चिंताओं पर मंत्रालय ने कहा कि ई20 को देशभर में लागू करने से पहले इंजन की टिकाऊ क्षमता, ईंधन प्रणाली, विभिन्न सामग्रियों के साथ अनुकूलता, जंग-रोधी क्षमता, वाहन संचालन और उत्सर्जन सहित अनेक पहलुओं पर व्यापक परीक्षण किए गए।

कई प्रकार के ईंधन उपलब्ध कराने की मांग की खारिज *: मंत्रालय ने पेट्रोल पंप पर शुद्ध पेट्रोल, ई10 और ई20 जैसे कई प्रकार के ईंधन उपलब्ध कराने की मांग को भी खारिज करते हुए कहा कि पूरे देश में समानांतर आपूर्ति श्रृंखला बनाए रखने से लॉजिस्टिक्स लागत बढ़ेगी और एक लाख से अधिक खुदरा ईंधन केंद्रों पर वितरण व्यवस्था जटिल हो जाएगी।*

1.97 लाख करोड़ की विदेशी मुद्रा की बचत

मंत्रालय ने कहा कि इस कार्यक्रम का उद्देश्य पेट्रोल पंपों पर कीमतें घटाना नहीं बल्कि आयातित कच्चे तेल पर भारत की निर्भरता कम करना, कीमतों में स्थिरता लाना और ऊर्जा सुरक्षा को मजबूत करना है। मंत्रालय के अनुसार, 2014-15 के एथनॉल आपूर्ति वर्ष से अब तक एथनॉल मिश्रण कार्यक्रम के कारण 1.97 लाख करोड़ रुपये से अधिक की विदेशी मुद्रा की बचत हुई है।

कच्चे तेल की आवश्यकता 316 लाख टन कम हुई

कच्चे तेल के आयात की आवश्यकता लगभग 316 लाख टन कम हुई है, कार्बन डाइऑक्साइड उत्सर्जन करीब 952 लाख टन घटा और किसानों को 1.66 लाख करोड़ रुपये से अधिक का भुगतान किया गया है। मंत्रालय ने उपभोक्ताओं से ई20 को लेकर फैलाई जा रही भ्रामक जानकारी से प्रभावित नहीं होने की अपील की।

शेयर बाजार में लगातार दूसरे दिन तेजी, सेंसेक्स 828 अंक उछला

एजेंसी ⏭ मुंबई

- कच्चे तेल की कीमतों में नरमी से बाजार को मिली मजबूती
- रिलायंस, आईसीआईसीआई व एचडीएफसी में रही खरीदारी

प्रमुख कंपनियों रिलायंस इंडस्ट्रीज, आईसीआईसीआई बैंक एवं एचडीएफसी बैंक में लिवाली और कच्चे तेल की कीमतों में नरमी के बीच घरेलू शेयर बाजार शुक्रवार को लगातार दूसरे दिन बढ़त के साथ बंद हुए। सेंसेक्स 828 अंक और निफ्टी 244 अंक के लाभ में रहा।

टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) के जून तिमाही के बेहतर नतीजों के बाद आईटी शेयरों में आई तेजी से भी बाजार को मजबूती मिली। बीएसई का 30 शेयरों वाला मानक सूचकांक सेंसेक्स 827.57 अंक उछलकर 77,569.39 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान यह 900.41 अंक चढ़कर 77,642.23 अंक तक पहुंच गया था। निफ्टी 244.10 अंक की बढ़त के साथ 24,206.90 अंक पर बंद हुआ। सेंसेक्स के शेयरों में रिलायंस इंडस्ट्रीज, टेक महिंद्रा, भारत इलेक्ट्रॉनिक्स, एक्सिस बैंक, टाटा स्टील और इन्फोसिस के शेयर प्रमुख रूप से बढ़त के साथ बंद हुए। देश की सबसे बड़ी आईटी सेवा कंपनी टीसीएस का शेयर करीब एक प्रतिशत चढ़कर बंद हुआ। दूसरी तरफ, इटर्नल (जोमैटो और ब्लिंकिट का संचालन करने वाली), भारती एयरटेल, सन फार्मा और ट्रेंट के शेयर गिरावट के साथ बंद हुए।

क्रूड गिरकर 76 डॉलर पर

रेलिगेयर ब्रोकिंग लिमिटेड के वरिष्ठ उपाध्यक्ष (शोध) अजीत मिश्रा ने कहा, /"बाजार में सकारात्मक रुख तिमाही नतीजों के सत्र की स्थिर शुरुआत से प्रेरित रहा। कच्चे तेल की कीमतों में लगातार नरमी और रुपये में स्थिरता ने भी निवेशकों के भरोसे को समर्थन दिया।/"वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड 0.30 प्रतिशत गिरकर 76.07 डॉलर प्रति बैरल पर आ गया।

टीसीएस के नतीजों से धारणा बदली

ऑनलाइन ट्रेडिंग मंच एनरिच मनी के मुख्य कार्यपालक अधिकारी पोनमुडी आर ने कहा, /"टीसीएस के उम्मीद से बेहतर नतीजों ने आईटी क्षेत्र को लेकर धारणा बदलने का काम किया है। बैंक, रियल्टी, धातु, तेल एवं गैस और रक्षा शेयरों में लिवाली से तेजी को समर्थन मिला।/"

एनसीडीईएक्स ने काली मिर्च वायदा कारोबार फिर किया शुरू

एजेंसी ⏭ मुंबई

जिंस बाजार एनसीडीईएक्स ने काली मिर्च (ब्लैक पेपर) के वायदा कारोबार को फिर शुरू करने की घोषणा की है।

कंपनी ने एक बयान में कहा कि इस कदम का उद्देश्य भारत को इस मसाले के वैश्विक मूल्य निर्धारण का प्रमुख केंद्र बनाना है। एनसीडीईएक्स ने कहा कि एक दशक से अधिक समय बाद काली मिर्च वायदा अनुबंध की वापसी से इस जिंस के लिए भारत में फिर से पारदर्शी मूल्य निर्धारण व्यवस्था उपलब्ध होगी। भारत दुनिया के सबसे बड़े काली मिर्च उत्पादकों, उपभोक्ताओं और प्रसंस्करण केंद्रों में शामिल है, लेकिन वर्तमान में इस जिंस के लिए दुनिया में कोई सक्रिय वायदा मानक उपलब्ध नहीं है। एनसीडीईएक्स ने बताया कि इस वायदा अनुबंध का डिलीवरी केंद्र केरल का कोच्चि होगा, जो देश में मसालों के प्रमुख व्यापार एवं प्रसंस्करण केंद्रों में शामिल है।

- भारत को मसाले के वैश्विक मूल्य निर्धारण का प्रमुख केंद्र बनाना
- एक दशक से अधिक समय के बाद काली मिर्च का अनुबंध शुरू

नई व्यवस्था के तहत कारोबार की एक इकाई एक टन (1,000 किलोग्राम) होगी।

एनसीडीईएक्स ने कहा कि पहले जब काली मिर्च वायदा अनुबंध का कारोबार होता था, तब किसानों, व्यापारियों, निर्यातकों और प्रसंस्करण इकाइयों की इसमें अच्छी भागीदारी रहती थी। अनुबंध की समाप्ति पर डिलीवरी का अनुपात लगभग 100 प्रतिशत रहता था।

भारत की स्थिति मजबूत होगी

सीईओ ने कहा कि मजबूत डेरिवेटिव बाजार से किसानों, प्रसंस्करण इकाइयों, निर्यातकों और व्यापारियों को कीमतों में उतार-चढ़ाव के जोखिम का बेहतर प्रबंधन करने में मदद मिलेगी और वैश्विक मसाला कारोबार में भारत की स्थिति मजबूत होगी।

इक्विटी म्यूचुअल फंड में शुद्ध निवेश जून में 26% बढ़ा

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

शेयर बाजारों में उतार-चढ़ाव के बीच इक्विटी यानी शेयर में निवेश से जुड़ी म्यूचुअल फंड योजनाओं में जून के दौरान शुद्ध निवेश 26 प्रतिशत बढ़कर 28,973 करोड़ रुपये रहा।

म्यूचुअल फंड कंपनियों के संगठन एसोसिएशन ऑफ म्यूचुअल फंड्स इन इंडिया (एम्फी) द्वारा शुक्रवार को जारी आंकड़ों से यह जानकारी मिली। हालांकि, बॉन्ड आधारित योजनाओं से 1.09 लाख करोड़ रुपये की निकासी के कारण जून में म्यूचुअल फंड उद्योग से कुल 52,949 करोड़ रुपये की शुद्ध निकासी दर्ज की गई। यह मई में हुई 64,131 करोड़ रुपये की शुद्ध निकासी से कम रही।

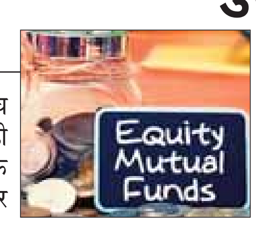

- जून के दौरान शुद्ध निवेश 28,973 करोड़ रुपए रहा
- बांड आधारित योजनाओं से 1.09 लाख करोड़ रुपए की निकासी हुई

इस बीच, म्यूचुअल फंड उद्योग की कुल प्रबंधन अधीन परिसंपत्ति (एयूएम) जून के अंत में बढ़कर 82.22 लाख करोड़ रुपये हो गईं, जो मई के अंत में 81.60 लाख करोड़ रुपये थीं। आंकड़ों के अनुसार, जून में इक्विटी योजनाओं में 28,973 करोड़ रुपये का शुद्ध निवेश आया, जबकि मई में यह 22,908 करोड़ रुपये था। इससे पहले अप्रैल में 38,440 करोड़ रुपये, मार्च में 40,450 करोड़ रुपये, फरवरी में 25,978 करोड़ रुपये और जनवरी में 24,028 करोड़ रुपये का शुद्ध निवेश दर्ज किया गया था।

लार्जकैप फंड में 2,067 करोड़ का निवेश आया

वहीं, 'लार्जकैप फंड' में 2,067 करोड़ रुपये का शुद्ध निवेश आया। वहीं, डिविडेंड वाला फंड और इक्विटी लिंक्ड सेविंग्स स्कीम (ईएलएसएस) से जून के दौरान शुद्ध निकासी दर्ज की गई। इसके अलावा, जून में गोल्ड एक्सचेंज ट्रेडेड फंड (ईटीएफ) में 3,443 करोड़ रुपये का शुद्ध निवेश आया, जबकि मई में इस श्रेणी से 725 करोड़ रुपये की शुद्ध निकासी हुई थी।

देश का विदेशी मुद्रा भंडार 7.26 अरब डॉलर बढ़ा

मुंबई। देश का विदेशी मुद्रा भंडार तीन जुलाई को समाप्त सप्ताह में 7.26 अरब डॉलर बढ़कर 674.19 अरब डॉलर हो गया। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। इससे पिछले समीक्षाधीन सप्ताह में विदेशी मुद्रा भंडार 5.65 अरब डॉलर घटकर 666.93 अरब डॉलर रह गया था। इस साल 27 फरवरी को समाप्त सप्ताह में पश्चिम एशिया संघर्ष शुरू होने से पहले देश का विदेशी मुद्रा भंडार बढ़कर 728.49 अरब डॉलर के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया था।

सोने में 400 रुपए की तेजी, चांदी 5,000 रुपए मजबूत

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

राष्ट्रीय राजधानी के सराफा बाजार में शुक्रवार को सोने की कीमत 400 रुपये बढ़कर 1,48,500 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गई। वहीं चांदी की कीमत में 5,000 रुपये का उछाल आया।

तेजी का कारण कारोबारियों के नीचे मूल्य पर लिवाली और अमेरिकी डॉलर में कमजोरी रुख के बाद कीमती धातुओं की मांग में आई तेजी थी। इससे पहले के सत्र में 99.9 प्रतिशत शुद्धता वाला सोना 1,48,100 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था। चांदी ने भी लगातार तीन सत्रों से जारी गिरावट का सिलसिला तोड़ा और बृहस्पतिवार के 2,32,000 रुपये प्रति किलोग्राम के बंद स्तर से 5,000 रुपये बढ़कर 2,37,000 रुपये प्रति किलोग्राम (सभी कर सहित) पर पहुंच गई।यह सुधार डॉलर सूचकांक के लगातार तीसरे सत्र में कमजोर होने की वजह से आई, जिससे कीमती धातुओं की मांग बढ़ी। साथ ही, इस हफ्ते की शुरुआत में सोने की कीमत एक हफ्ते के निचले स्तर पर पहुंचने के बाद निवेशकों ने कम कीमतों का फायदा उठाते हुए लिवाली की।

- सोने की कीमत बढ़कर 1,48,500 रुपए प्रति दस ग्राम
- चांदी बढ़कर हुई 2,37,000 रुपए प्रति किलोग्राम

नवीन जिंदल समूह झारखंड में 70 हजार करोड़ करेगा निवेश

नई दिल्ली। उद्योगपति नवीन जिंदल ने झारखंड में इस्पात, परमाणु ऊर्जा और नवीकरणीय ऊर्जा परियोजनाएं स्थापित करने के लिए 70,000 करोड़ रुपये से अधिक निवेश करने की शुक्रवार को घोषणा की। जिंदल ने वीडियो संदेश में कहा कि इस संबंध में समूह ने झारखंड सरकार के साथ एक समझौते पर भी हस्ताक्षर किए हैं।

मुझे यह घोषणा करते हुए काफी खुशी हो रही है कि नवीन जिंदल समूह ने राज्य में इस्पात, परमाणु ऊर्जा और नवीकरणीय ऊर्जा परियोजनाओं में 70,000 करोड़ रुपये से अधिक निवेश का प्रस्ताव रखा है। उन्होंने कहा कि प्रस्तावित निवेश में इस्पात क्षेत्र में 40,000 करोड़ रुपये का निवेश शामिल है।

कंगाल होने की कगार पर आई क्रिप्टो कंपनी अमेरिकन बिटकॉइन कार्प

ट्रंप को बर्बाद कर गया बेटा, जिद ने डुबोए 5700 करोड़ रुपए

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बेटे एरिक ट्रंप की क्रिप्टोकरेंसी कंपनी अमेरिकन बिटकॉइन कॉर्प इस समय गहरे संकट में है। बिटकॉइन के मंदी के दौर में जाने और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की मांग बढ़ने के कारण निवेशकों ने उन कंपनियों को प्राथमिकता दी जो अपने इंफ्रास्ट्रक्चर को एआई डेटा सेंटरों में बदल सकती थीं।

- कंपनी के शेयरों में 95 फीसदी से अधिक की गिरावट दर्ज

इसके विपरीत, अमेरिकन बिटकॉइन कॉर्प अपनी पुरानी क्रिप्टो रणनीति पर ही टिकी रही। इसके परिणामस्वरूप कंपनी के शेयरों में उसके उच्चतम स्तर से 95 प्रतिशत से अधिक की गिरावट आई है। ब्लूमबर्ग के अनुसार, पिछले 10 महीनों में एरिक ट्रंप की हिस्सेदारी के बाजार मूल्य में 600 मिलियन डॉलर (करीब 5700 करोड़ रुपए) से अधिक की कमी आई है।

एआई में क्यों नहीं उतर पाई कंपनी?

असल में कंपनी के पास सिर्फ बिटकॉइन माइनिंग मशीनें और बिटकॉइन हैं। जबकि बिजली, जमीन, डेटा सेंटर और दूसरी बड़ी इंफ्रास्ट्रक्चर सुविधाएं उसकी साझेदार कंपनी हट 8 के पास हैं। हट 8 ने अपनी रणनीति बदलते हुए एआई डेटा सेंटर के कारोबार पर बड़ा दांव लगाया और उसके शेयर इस साल दोगुने से ज्यादा चढ़ गए। लेकिन अमेरिकी बिटकॉइन के पास ऐसा करने की ज्यादा गुंजाइश नहीं थी।

क्या है बिटकॉइन की स्थिति?

पिछले काफी समय से बिटकॉइन में गिरावट ज्यादा और बढ़त कम देखने को मिल रही है। हाल में इसकी कीमत 60 हजार डॉलर से नीचे आ गई थी। फिलहाल यह करीब 64 हजार डॉलर पर कारोबार कर रहा है। पिछले एक साल में बिटकॉइन में 40 फीसदी से ज्यादा की गिरावट आई है।

रिवर्स स्टॉक स्प्लिट का लेना पड़ा सहारा

नैस्डैक पर अपनी लिस्टिंग बनाए रखने के लिए कंपनी को 1 के मुकाबले 15 रिवर्स स्टॉक स्प्लिट का सहारा लेना पड़ा है और बुधवार को इसके शेयर की कीमत सर्वकालिक निचले स्तर पर पहुंच गई थी। जहां अन्य अमेरिकी माइनिंग कंपनियों (जैसे रिओट प्लेटफॉर्म, चिफर डिजिटल) ने एआई के लिए अपने इंफ्रास्ट्रक्चर को लीज पर देकर इस साल अपने शेयरों में औसतन 60 प्रतिशत से अधिक की बढ़त दर्ज की, वहीं अमेरिकन बिटकॉइन कॉर्प के शेयर 77 प्रतिशत तक गिर गए।

निवेशकों से भरोसा बनाए रखने की अपील

कंपनी के अधिकारियों और एरिक ट्रंप का मानना है कि क्रिप्टोकरेंसी अंततः सबसे अधिक रिटर्न देगी और मंदी के समय इसे जमा करना फायदेमंद होगा। हाल ही में एक पॉडकास्ट में एरिक ट्रंप ने कहा कि कंपनी की अपनी होल्डिंग्स को बेचने की कोई योजना नहीं है।

पॉलिसीबाजार ने अमिताभ को ब्रांड एंबेसडर बनाया

नई दिल्ली। बीमा मंच 'पॉलिसीबाजार' ने दिग्गज अभिनेता अमिताभ बच्चन को अपना ब्रांड एंबेसडर नियुक्त करने की शुक्रवार को घोषणा की। इसके साथ ही कंपनी ने स्वास्थ्य और 'टर्म' बीमा के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए एक अभियान की शुरुआत की है। पॉलिसीबाजार ने एक बयान में कहा कि बीमा नियामक भारतीय बीमा विनियामक एवं विकास प्राधिकरण (इरडा) के वर्ष 2047 तक 'सभी के लिए बीमा' के लक्ष्य के अनुरूप यह जागरूकता अभियान देश के हर हिस्से में रहने वाले परिवारों को वित्तीय सुरक्षा को प्राथमिकता देने और अपने भविष्य को सुरक्षित करने के लिए प्रोत्साहित करेगा।

चिंतन

ई20 पेट्रोल से होने वाला लाभ वाहन चालकों को क्यों नहीं

सरकार ने आखिरकार वह स्वीकार कर लिया है, जिसकी चर्चा लंबे समय से वाहन उपभोक्ताओं और ऑटोमोबाइल विशेषज्ञों के बीच होती रही थी। पेट्रोल में 20 प्रतिशत एथेनॉल मिश्रण कुछ वाहनों में ईंधन दक्षता यानी माइलेज को 3 से 5 प्रतिशत तक कम कर सकता है। सरकार का कहना है कि यह कमी बेहतर इंजन प्रदर्शन, कम प्रदूषण और आयातित कच्चे तेल पर निर्भरता घटाने जैसे दीर्घकालिक लाभों के सामने छोटी है। दरअसल ई20 को लेकर विवाद का केंद्र केवल माइलेज नहीं है, बल्कि यह सवाल भी है कि क्या ऊर्जा सुरक्षा के नाम पर उपभोक्ता पर अतिरिक्त बोझ डाला जा रहा है। पहली बार आधिकारिक तौर पर यह माना गया है कि माइलेज में कुछ कमी आ सकती है, लेकिन साथ ही यह भी स्पष्ट किया है कि ई20 का उद्देश्य पेट्रोल सस्ता करना नहीं, बल्कि भारत की ऊर्जा अर्थव्यवस्था को अधिक आत्मनिर्भर बनाना है। भारत दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा तेल आयातक है और अपनी कच्चे तेल की जरूरतों का लगभग 85 प्रतिशत आयात करता है। ऐसे में जैव-ईंधन (बायोफ्यूल) की ओर बढ़ना केवल पर्यावरणीय विकल्प नहीं, बल्कि रणनीतिक आवश्यकता भी है। इसी सोच के तहत वर्ष 2001 में एथेनॉल मिश्रण कार्यक्रम की शुरुआत हुई। 2022 में भारत ने निर्धारित समय से पहले 10 प्रतिशत मिश्रण का लक्ष्य हासिल किया और 2025-26 में 20 प्रतिशत मिश्रण तक पहुंच गया। इस कार्यक्रम से अब तक लगभग 1.97 लाख करोड़ रुपये की विदेशी मुद्रा की बचत हुई है और लगभग 952 लाख टन कार्बन डाइऑक्साइड उत्सर्जन कम हुआ है। साथ ही किसानों को एथेनॉल खरीद के माध्यम से 1.66 लाख करोड़ रुपये से अधिक का भुगतान हुआ है। इसने ऊर्जा सुरक्षा, पर्यावरण संरक्षण और ग्रामीण आय जैसे तीनों लक्ष्यों को एक साथ साधने का काम किया है। क्या इन उपलब्धियों का लाभ सीधे वाहन मालिकों तक भी पहुंच रहा है? यही सबसे महत्वपूर्ण प्रश्न है। यदि किसी वाहन का माइलेज 3 से 5 प्रतिशत कम होता है, तो वाहन चालक को समान दूरी तय करने के लिए अधिक ईंधन खरीदना पड़ेगा। यदि पेट्रोल की कीमत में कोई राहत नहीं मिलती और ई20 पारंपरिक पेट्रोल से सस्ता भी नहीं है, तो उपभोक्ता के लिए वास्तविक परिचालन लागत बढ़ सकती है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में जब कच्चा तेल सस्ता होता है, तब एथेनॉल की लागत पेट्रोल से अधिक भी हो सकती है। इसका अर्थ है कि ई20 को केवल सस्ते ईंधन के रूप में प्रस्तुत करना उचित नहीं होगा। सरकार ने यह भी स्पष्ट किया है कि ई20 को लेकर वाहन सुरक्षा संबंधी आशंकाएं व्यापक परीक्षणों के बाद ही दूर की गई हैं। यदि ई20 एक राष्ट्रीय रणनीति है, जिसका लाभ पूरे देश को मिलेगा तो क्या उसका आर्थिक भार केवल वाहन उपभोक्ताओं को उठाना चाहिए? क्या सरकार को कर संरचना, मूल्य निर्धारण या अन्य प्रोत्साहनों के माध्यम से इस अतिरिक्त लागत का कुछ हिस्सा स्वयं वहन नहीं करना चाहिए? इसी प्रकार, यदि माइलेज में कमी वैज्ञानिक तथ्य है, तो इसकी स्पष्ट जानकारी वाहन खरीदते समय उपलब्ध कराई जानी चाहिए। किसी भी बड़े सुधार की सफलता केवल उसके उद्देश्य से नहीं, बल्कि उसके क्रियान्वयन और जनता की स्वीकृति से तय होती है। यदि देश ऊर्जा आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ रहा है, तो इस यात्रा में नागरिकों का विश्वास भी उतना ही आवश्यक है जितना उनका योगदान। ऊर्जा परिवर्तन तभी टिकाऊ होगा, जब उसका लाभ और उसकी लागत दोनों समाज के सभी वर्गों के बीच संतुलित रूप से साझा किए जाएं।

समुद्र पर बनेगा भारत का हवाई अड्डा

आर्थिकी

महेन्द्र तिवारी

महाराष्ट्र सरकार ने मुंबई के निकट पालघर जिले के कोरे बीच के पास भारत का पहला ऑफशोर अर्थात समुद्र आधारित हवाई अड्डा विकसित करने की दिशा में कदम बढ़ाया है। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने इस महत्वाकांक्षी परियोजना के लिए विस्तृत परियोजना प्रतिवेदन तैयार करने के निर्देश दिए हैं। यदि यह परियोजना निर्धारित योजना के अनुसार साकार होती है तो यह केवल एक नया एयरपोर्ट नहीं होगा, बल्कि भारत की विमानन क्षमता, समुद्री इंजीनियरिंग, व्यापार, पर्यटन और औद्योगिक विकास का नया प्रतीक बनेगा। यह परियोजना देश को उन चुनिंदा देशों की श्रेणी में खड़ा कर सकती है, जिन्होंने समुद्र से भूमि तैयार कर विश्वस्तरीय हवाई अड्डों का निर्माण किया है।

भारत की आर्थिक प्रगति का सबसे बड़ा आधार उसकी आधुनिक अवसंरचना है। पिछले कुछ वर्षों में देश ने सड़क, रेल, बंदरगाह, मेट्रो, एक्सप्रेसवे और हवाई अड्डों के क्षेत्र में अभूतपूर्व विस्तार देखा है। अब इसी श्रृंखला में एक और ऐतिहासिक पहल जुड़ने जा रही है। महाराष्ट्र सरकार ने मुंबई के निकट पालघर जिले के कोरे बीच के पास भारत का पहला ऑफशोर अर्थात समुद्र आधारित हवाई अड्डा विकसित करने की दिशा में कदम बढ़ाया है। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने इस महत्वाकांक्षी परियोजना के लिए विस्तृत परियोजना प्रतिवेदन तैयार करने के निर्देश दिए हैं। यदि यह परियोजना निर्धारित योजना के अनुसार साकार होती है तो यह केवल एक नया एयरपोर्ट नहीं होगा, बल्कि भारत की विमानन क्षमता, समुद्री इंजीनियरिंग, व्यापार, पर्यटन और औद्योगिक विकास का नया प्रतीक बनेगा। यह परियोजना देश को उन चुनिंदा देशों की श्रेणी में खड़ा कर सकती है, जिन्होंने समुद्र से भूमि तैयार कर विश्वस्तरीय हवाई अड्डों का निर्माण किया है। ऑफशोर एयरपोर्ट का विचार अपने आप में अत्यंत आधुनिक और दूरदर्शी है। सामान्यतः हवाई अड्डे विशाल भूमि पर बनाए जाते हैं, लेकिन महानगरों में भूमि की उपलब्धता लगातार कम होती जा रही है।

बढ़ती आबादी, तेजी से फैलते शहर और भूमि अधिग्रहण से जुड़ी सामाजिक तथा कानूनी चुनौतियां नई परियोजनाओं को कठिन बना देती हैं। ऐसे में समुद्र के भीतर कृत्रिम भूमि तैयार कर उस पर एयरपोर्ट का निर्माण एक व्यावहारिक विकल्प बनकर उभरा है। अरब सागर में पुनः प्राप्त भूमि पर बनने वाला यह एयरपोर्ट भारतीय इंजीनियरिंग क्षमता की नई पहचान बनेगा। प्रस्तावित एयरपोर्ट की क्षमता इसे विश्व के प्रमुख हवाई अड्डों की श्रेणी में ला सकती है। योजना के अनुसार यहां प्रतिवर्ष लगभग 9 करोड़ यात्रियों के आवागमन और लगभग 30 लाख मीट्रिक टन कार्गो की आवाजाही की व्यवस्था होगी। दो समानांतर रनवे विकसित किए जाने की भी योजना है, जिससे बड़ी संख्या में विमानों का संचालन संभव हो सकेगा। यह क्षमता केवल वर्तमान आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए नहीं बल्कि आने वाले कई दशकों की मांग को ध्यान में रखकर निर्धारित की गई है। भारत में हवाई यात्रा करने वाले यात्रियों की संख्या लगातार बढ़ रही है और यह परियोजना भविष्य की आवश्यकताओं के अनुरूप तैयार की जा रही है। मुंबई भारत की आर्थिक राजधानी है। यहां स्थित छत्रपति शिवाजी महाराज अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा देश के सबसे व्यस्त हवाई अड्डों में शामिल है। नवी मुंबई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के निर्माण के बावजूद भविष्य में यात्रियों और माल परिवहन की बढ़ती मांग को देखते हुए अतिरिक्त क्षमता की आवश्यकता महसूस की जा रही है। प्रस्तावित ऑफशोर एयरपोर्ट इस चुनौती का दीर्घकालिक समाधान बन सकता है। इससे न केवल मुंबई क्षेत्र के हवाई यातायात का दबाव कम होगा बल्कि अंतरराष्ट्रीय उड़ानों और माल परिवहन के लिए भी नई संभावनाएं खुलेंगी। इस परियोजना की सबसे बड़ी विशेषता इसका बहुआयामी संपर्क तंत्र है। प्रस्तावित एयरपोर्ट को वधावन बंदरगाह, मुंबई अहमदाबाद हाई स्पीड रेल, मुंबई वडोदरा एक्सप्रेसवे तथा प्रस्तावित उत्तन विरार सी लिंक से जोड़ने की योजना है। इसके अतिरिक्त समर्पित माल

गलियारे और अन्य सड़क संपर्क भी विकसित किए जाएंगे। इससे हवाई, समुद्री, रेल और सड़क परिवहन का ऐसा समन्वित नेटवर्क तैयार होगा जो भारत में मल्टीमॉडल परिवहन का उत्कृष्ट उदाहरण बन सकता है। वधावन बंदरगाह स्वयं भारत की सबसे महत्वपूर्ण समुद्री परियोजनाओं में गिना जा रहा है। यदि उसके साथ विशाल कार्गो क्षमता वाला एयरपोर्ट भी विकसित हो जाता है तो पश्चिमी भारत में अंतरराष्ट्रीय व्यापार का नया केंद्र उभर सकता है। समुद्री मार्ग से आने वाला माल कम समय में हवाई मार्ग से देश और विदेश भेजा जा सकेगा। हवाई मार्ग से आने वाला उच्च मूल्य का सामान सीधे बंदरगाह तक पहुंचाया जा सकेगा। इससे निर्यात और आयात दोनों क्षेत्रों को गति मिलेगी तथा वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में भारत की भूमिका और मजबूत होगी। स्थानीय युवाओं को निर्माण, विमानन, आतिथ्य, सुरक्षा, परिवहन और तकनीकी सेवाओं में रोजगार के अवसर प्राप्त होंगे। इससे क्षेत्रीय आर्थिक असंतुलन भी कम हो सकता है। इतनी विशाल परियोजना के साथ कई तकनीकी और पर्यावरणीय चुनौतियां भी जुड़ी हुई हैं। समुद्र से भूमि तैयार करना अत्यंत जटिल इंजीनियरिंग कार्य है। किसी भी बड़े विकास कार्य में पर्यावरण संरक्षण और सतत विकास के सिद्धांतों का पालन अनिवार्य है। यदि इन पहलुओं की अनदेखी की गई तो दीर्घकाल में परियोजना को कठिनाइयों का सामना करना पड़ सकता है। आर्थिक दृष्टि से भी यह परियोजना अत्यंत महत्वपूर्ण मानी जा रही है। बड़े पैमाने पर निर्माण कार्य से इस्पात, सीमेंट, मशीनरी, इंजीनियरिंग, परिवहन और निर्माण उद्योग को बढ़ावा मिलेगा। परियोजना पूर्ण होने के बाद विमानन, पर्यटन, व्यापार, ई कॉमर्स, लॉजिस्टिक्स और निर्यात आधारित उद्योगों में नई ऊर्जा आएगी। विदेशी निवेशकों के लिए भी यह क्षेत्र अधिक आकर्षक बन सकता है क्योंकि आधुनिक परिवहन अवसंरचना निवेश का सबसे महत्वपूर्ण आधार होती है। इससे महाराष्ट्र के साथ साथ पूरे पश्चिमी भारत की प्रतिस्पर्धात्मक क्षमता बढ़ेगी। भारत ने पिछले दशक में विमानन क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति की है। छोटे शहरों तक हवाई सेवाएं पहुंचाने की योजनाओं से लेकर नए अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डों के निर्माण तक अनेक प्रयास किए गए हैं। आज भारत विश्व के सबसे तेजी से बढ़ते विमानन बाजारों में शामिल है। ऐसे समय में ऑफशोर एयरपोर्ट जैसी परियोजना यह संकेत देती है कि देश केवल वर्तमान आवश्यकताओं को पूरा करने तक सीमित नहीं रहना चाहता बल्कि भविष्य की मांग को ध्यान में रखकर दीर्घकालिक योजना बना रहा है। हालांकि परियोजना की सफलता इस बात पर निर्भर करेगी कि योजना निर्माण से लेकर क्रियान्वयन तक सभी चरणों में पारदर्शिता, वैज्ञानिक दृष्टिकोण और जनसहभागिता सुनिश्चित की जाए। स्थानीय समुदायों की चिंताओं को समझना, पर्यावरणीय प्रभावों का निष्पक्ष मूल्यांकन करना, वित्तीय अनुशासन बनाए रखना और समयबद्ध निर्माण करना उतना ही महत्वपूर्ण होगा जितना स्वयं एयरपोर्ट का निर्माण। यदि इन सभी पहलुओं पर संतुलित ढंग से कार्य किया गया तो यह परियोजना केवल महाराष्ट्र ही नहीं बल्कि पूरे भारत के लिए विकास का नया मॉडल बन सकती है। भारत आज उस दौर में प्रवेश कर चुका है जहां अवसंरचना केवल सुविधाओं का विस्तार नहीं, बल्कि आर्थिक शक्ति, वैश्विक प्रतिस्पर्धा और राष्ट्रीय आत्मविश्वास का आधार बन चुकी है। पालघर के समुद्र में प्रस्तावित यह ऑफशोर एयरपोर्ट उसी बदलते भारत की कहानी कहता है जो सीमित संसाधनों में भी नए समाधान खोजने का साहस रखता है। यदि यह सपना साकार होता है तो यह केवल समुद्र पर बना एक हवाई अड्डा नहीं होगा, बल्कि भविष्य के भारत की दूरदृष्टि, तकनीकी क्षमता और विकास के संकल्प का जीवंत प्रतीक बनकर उभरेगा।

(लेखक स्वतंत्र पत्रकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

लेख पर अपनी प्रतिक्रिया **haribhoomi@gmail.com** पर दे सकते हैं।

जनसंख्या दिवस

राजेश जैन

148 करोड़ लोगः भारत की सबसे बड़ी ताकत या चुनौती

आज के दिन 11 जुलाई को हर साल विश्व जनसंख्या दिवस मनाया जाता है। यह दिन दुनिया की बढ़ती आबादी के आंकड़ों की चर्चा का अवसर बनता है, लेकिन भारत के लिए इसका महत्व इससे कहीं अधिक है। यह केवल जनसंख्या गिनने का दिन नहीं, बल्कि यह सोचने का अवसर है कि क्या देश अपनी सबसे बड़ी मानव पूंजी को विकास की ताकत बना पाएगा या यही आबादी भविष्य में सबसे बड़ी चुनौती बन जाएगी। आज भारत लगभग 148 करोड़ लोगों के साथ दुनिया का सबसे अधिक आबादी वाला देश है। एक वर्ग इसे देश की सबसे बड़ी शक्ति मानता है, जबकि दूसरा इसे बेरोजगारी, संसाधनों पर बढ़ते दबाव और सामाजिक असमानता की वजह मानता है। सच यह है कि आबादी अपने आप में न ताकत होती है और न बोझ। उसकी दिशा शिक्षा, स्वास्थ्य, कौशल और रोजगार तय करते हैं। किसी भी देश की वास्तविक ताकत उसके नागरिकों की गुणवत्ता से तय होती है। यदि लोग शिक्षित, स्वस्थ और कुशल हैं तो बड़ी आबादी आर्थिक विकास का इंजन बन जाती है। कमजोर शिक्षा, सीमित रोजगार और खराब स्वास्थ्य व्यवस्था उसी आबादी को विकास में बाधा बना देती है। चीन ने दशकों तक प्रशिक्षित कार्यबल के दम पर दुनिया की फैक्ट्री बनने का गौरव हासिल किया, लेकिन आज वहां तेजी से बढ़ती वृद्ध आबादी नई चुनौती बन गई है। भारत की स्थिति अलग है। यहां औसत आयु लगभग 29 वर्ष है और करीब 65 प्रतिशत आबादी कार्यशील आयु वर्ग में है। हमारे लिए यह जनसांख्यिकीय लाभांश यानी डेमोग्राफिक डिविडेंड है, लेकिन यह अवसर स्थायी नहीं है। यदि आने वाले वर्षों में शिक्षा, कौशल और रोजगार पर पर्याप्त निवेश नहीं हुआ तो यही लाभांश भविष्य में आर्थिक और सामाजिक दबाव में बदल सकता है। भारत केवल आबादी के लिहाज से बड़ा नहीं है, बल्कि दुनिया के सबसे आकर्षक उपभोक्ता बाजारों में भी शामिल है। यही वजह है कि वैश्विक कंपनियां भारत को अगले दो दशकों का सबसे महत्वपूर्ण बाजार मान रही हैं। डिजिटल इंडिया और यूपीआई जैसी पहलों ने इस क्षमता को नई गति दी है। इंटरनेट गांवों तक पहुंचा है, डिजिटल भुगतान आम हो चुका है और स्टार्टअप संस्कृति ने युवाओं के लिए नए अवसर खोले हैं। इन उपलब्धियों के बावजूद एक बड़ी चुनौती सामने है। हर साल लाखों युवा रोजगार बाजार में प्रवेश करते हैं, लेकिन उद्योगों को योग्य कर्मचारी नहीं मिलते और युवाओं को उनकी क्षमता के अनुरूप रोजगार नहीं मिलता। समस्या केवल नौकरियों की संख्या नहीं, बल्कि रोजगार योग्य कौशल की भी है। यहीं सरकार की नीतियों की असली परीक्षा शुरू होती है। पिछले एक दशक में नई शिक्षा नीति, स्किल इंडिया, मेक इन इंडिया, डिजिटल इंडिया, स्टार्टअप इंडिया और आयुष्मान भारत जैसी कई महत्वाकांक्षी योजनाएं शुरू की गईं। इनसे नए अवसर जरूर बने हैं, लेकिन अपेक्षित परिणाम अभी पूरी तरह सामने नहीं आए हैं।

नई शिक्षा नीति कौशल आधारित शिक्षा पर जोर देती है, लेकिन ग्रामीण क्षेत्रों में शिक्षकों की कमी, डिजिटल संसाधनों का अभाव और राज्यों के बीच असमानताएं इसकी राह कठिन बनाती हैं। स्किल इंडिया ने प्रशिक्षण का दायरा बढ़ाया है, लेकिन उद्योगों और प्रशिक्षण संस्थानों के बीच बेहतर तालमेल अभी भी जरूरी है। स्टार्टअप इंडिया ने नवाचार को बढ़ावा दिया है, हालांकि इसका लाभ अभी मुख्य रूप से बड़े शहरों तक सीमित है। छोटे शहरों और ग्रामीण भारत को भी इस बदलाव से जोड़ना होगा। इतनी बड़ी आबादी वाले देश के लिए मजबूत स्वास्थ्य व्यवस्था अनिवार्य है। आयुष्मान भारत जैसी योजनाओं ने लाखों परिवारों को राहत दी है, लेकिन ग्रामीण स्वास्थ्य सेवाएं, डॉक्टरों की उपलब्धता, कुपोषण और मानसिक स्वास्थ्य जैसी चुनौतियां अभी भी गंभीर हैं। इसी तरह महिलाओं की आर्थिक भागीदारी बढ़ाए बिना भारत अपनी पूरी क्षमता हासिल नहीं कर सकता। भारत के लिए अगले 20 से 25 वर्ष निर्णायक हैं। 148 करोड़ लोगों का देश होना न उपलब्धि है और न समस्या। असली सवाल यह है कि इन लोगों में कितने शिक्षित, स्वस्थ, कुशल और उत्पादक हैं। यदि भारत अपनी मानव पूंजी में सही निवेश करता है तो यही आबादी उसकी सबसे बड़ी ताकत बनेगी। यदि यह अवसर चूक गया, तो यही संख्या भविष्य की सबसे बड़ी चुनौती भी साबित हो सकती है। विश्व जनसंख्या दिवस हमें यही याद दिलाता है कि किसी भी राष्ट्र की सबसे बड़ी संपत्ति उसके नागरिक होते हैं। भारत के पास दुनिया की सबसे बड़ी युवा मानव पूंजी है। अब यह देश पर निर्भर है कि वह इसे विकास की सबसे बड़ी शक्ति बनाता है या एक चूके हुए अवसर में बदल देता है।

(लेखक स्वतंत्र पत्रकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

मुंह के मौन से ज्यादा ज़रूरी 'मन का मौन'

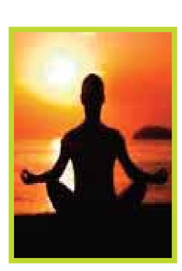

संकलित

दर्शन

हम सभी मनुष्य जन्मते ही अपना मुख चलाना शुरू कर देते हैं, जिसका प्रमाण है जन्म लेते ही शिशु का रोना। बोलना हमारी स्वाभाविक क्रिया है, जो हमें करनी ही पड़ती है। यह बात और है कि कभी-कभी बाहर के शोर में हम इतने खो जाते हैं कि ईश्वर का स्वर हमें सुनाई ही नहीं पड़ता। इसीलिए ही महापुरुषों से हमें एक उत्तम राय मिलती है कि सप्ताह में या माह में एक दिन अवश्य मौन रहें, परंतु हम मुख को तो बंद कर लेते हैं, परंतु हमारे मन का बोलना बंद नहीं हो पाता। इसलिए ही तो अधिकतर डाक्टर सभी मरीजों को कहते हैं कि 'अपने मन को ज्यादा नहीं चलाओ।' अर्थात 'मन का मौन' करो। कहते हैं कि बिना हड्डी की जीभ जब बोलने लगती है, तो कइयों की हड्डियां तोड़ देती है। इसीलिए तो हमें यह बचपन से सिखाया जाता है कि पहले सोचो फिर बोलो, क्योंकि जैसे कमान से निकला हुआ तीर वापस नहीं आता, ठीक उसी तरह मुख से निकला हुआ वचन भी वापस नहीं लिया जा सकता। इसका सबसे श्रेष्ठ उदहारण है महाभारत की कथा, जिससे हमें यह सीख मिलती है कि कैसे एक जुबान के फिसलने से संकटकाल का निर्माण हो गया। इसीलिए 'कम बोलें-धीरे बोलें-मीठा बोलें।' हम जब भी कुछ बोलें तो हमारे वचन दूसरों के लिए सुखदायी हों, न कि कांटा चुभाने वाले दुखदायी। संसार में ऐसे अनेक लोग हैं जिन्होंने कटु वचन बोलने के संस्कार के कारण अपने संबंधों में खटास पैदा कर ली है। इसलिए हमें सदैव सही समय और सही जगह पर सही शब्द का प्रयोग करना चाहिए।

एक दिन का पुण्य ही क्यूं

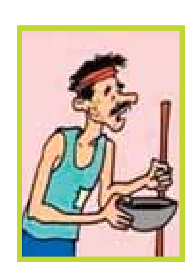

संकलित

प्रेरणा

निर्जला एकादशी से अगले दिन एक भिखारी एक सज्जन की दुकान पर भीख मांगने पहुंचा। सज्जन व्यक्ति ने 1 रुपए का सिक्का निकाल कर उसे दे दिया। भिखारी को प्यास भी लगी थी, वो बोला बाबूजी एक गिलास पानी भी पिलवा दो, गला सूखा जा रहा है। सज्जन व्यक्ति ने गुस्से में कहाः तुम्हारे बाप के नौकर बैठे हैं क्या हम यहां, पहले पैसे, अब पानी, थोड़ी देर में रोटी मांगेगा, चल भाग यहाँ से। भिखारी बोलाः बाबूजी गुस्सा मत कीजिये मैं आगे कहीं पानी पी लूंगा। पर जहां तक मुझे याद है, कल आपने निर्जला एकादशी व्रत कथा का पाठ किया था, तथा कल इसी दुकान के बाहर मीठे पानी की छबील लगी थी और आप स्वयं लोगों को रोक रोक कर जबरदस्ती अपने हाथों से गिलास पकड़ा रहे थे, मुझे भी कल आपके हाथों से दो गिलास शर्बत पीने को मिला था। मैंने तो यही सोचा था, आप बड़े धर्मात्मा आदमी है, पर आज मेरा भरम टूट गया। कल की छबील तो शायद आपने लोगों को दिखाने के लिये लगाई होगी? मुझे आज आपने कड़वे वचन बोलकर अपना कल का सारा पुण्य खो दिया। मुझे छमा करना अगर मैं कुछ ज्यादा बोल गया हूँ तो। सज्जन व्यक्ति को बात दिल पर लगी, उसकी नजरों के सामने बीते दिन का प्रत्येक दृश्य घूम गया। उसे अपनी गलती का अहसास हो रहा था। वह स्वयं अपनी गद्दी से उठा और अपने हाथों से गिलास में पानी भरकर उस बाबा को देते हुए उसे क्षमा प्रार्थना करने लगा। भिखारीः बाबूजी मुझे आपसे कोई शिकायत नही, परन्तु अगर मानवता को अपने मन की गहराइयों में नही बसा सकते तो एक-दो दिन किये हुए पुण्य कार्य व्यर्थ ही हैं।

सटाका

आज की पाती

स्वदेशी हाइड्रोजन ट्रेन से होगा हरित रेल क्रांति का आगाज

भारतीय रेल केवल देश का सबसे बड़ा सार्वजनिक परिवहन तंत्र नहीं, बल्कि भारत की आर्थिक, सामाजिक और औद्योगिक प्रगति की जीवनरेखा भी है। लगभग डेढ़ शताब्दी पहले भाप के इंजनों से शुरू हुई इसकी यात्रा आज अत्याधुनिक तकनीकों के नए युग में प्रवेश कर चुकी है। वंदे भारत, अमृत भारत, समर्पित माल गलियारे 'कवच' जैसी स्वदेशी सुरक्षा प्रणाली और व्यापक विद्युतीकरण के बाद अब भारतीय रेल हाइड्रोजन फ्यूल-सेल तकनीक के साथ एक और ऐतिहासिक उपलब्धि की दहलीज पर खड़ी है। विगत दिनों दिल्ली-जींद रेलखंड पर स्वदेशी हाइड्रोजन ट्रेन का सफल परीक्षण इस बात का संकेत है कि भारत हरित, आत्मनिर्भर और भविष्य उन्मुख रेल व्यवस्था की दिशा में निर्णायक कदम बढ़ा चुका है।

-सरिता कुमारी, झज्जर

करंट अफेयर

10 लाख महिलाओं को मदद मिलनी बंद हो गई : संरा

महिलाओं के लिए काम करने वाली संयुक्त राष्ट्र की एक एजेंसी ने शुक्रवार को कहा कि पिछले 18 महीनों में बजट में कटौती के कारण कम से कम 10 लाख महिलाओं को मानवीय और अन्य जरूरी मदद नहीं मिल पा रही है। एजेंसी 'यूएन वीमेन' का कहना है कि सर्वेक्षण में शामिल 84 प्रतिशत महिला संगठनों ने बताया है कि जनवरी 2025 से उनकी जरूरतें बढ़ गई हैं। इसी समय अमेरिका में डोनाल्ड ट्रंप ने सत्ता संभाली थी और विदेशी मदद में कटौती शुरू की थी। अमेरिका संयुक्त राष्ट्र को सबसे ज्यादा वित्तीय सहायता देने वाला देश है। एजेंसी की शीर्ष अधिकारी सोफिया कॉलटॉर्प ने कहा, ' 'महिलाओं के संगठनों से वापस लिया गया हर डॉलर, यौन हिंसा की शिकार महिलाओं, विस्थापित माताओं, स्कूल छोड़ने पर मजबूर लड़कियों और जीवित रहने के लिए संघर्ष कर रहे समुदायों से वापस लिया गया डॉलर है।'' सर्वेक्षण में शामिल लगभग 90 प्रतिशत महिला समूहों ने कहा कि वे अब जरूरत के मौजूदा स्तर को पूरा नहीं कर सकते, और हर पांच में से एक समूह ने कहा कि उन्हें आशंका है कि वे अगले साल कुछ समय के लिए या हमेशा के लिए कामकाज बंद कर देंगे।

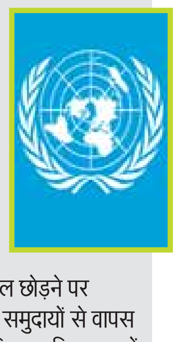

ऑफ बीट

युवाओं में बढ़ रहा कम उम्र में जुए की लत का खतरा

विशेषज्ञों का कहना है कि युवाओं में कम उम्र में जुए की लत लगने का खतरा बढ़ रहा है और इस समस्या से निपटने के लिए सरकार को जुए के विज्ञापनों और उद्योग पर कड़े नियंत्रण लगाने के साथ-साथ परिवारों को भी बच्चों को इसके दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करना होगा। अध्ययन के अनुसार आठ प्रतिशत से अधिक वयस्क किसी न किसी रूप में जुए के दुष्प्रभावों से प्रभावित हैं, जबकि लगभग एक प्रतिशत वयस्क अत्यधिक जोखिम वाले स्तर पर जुआ खेलते हैं। शोधकर्ताओं ने कहा कि 18 से 34 वर्ष आयु वर्ग के युवाओं पर विशेष रूप से जुए की लत का जोखिम है। नियमित रूप से 'पोकी' (पोकर मशीन) और ऑनलाइन सट्टेबाजी करने वाले इस आयु वर्ग के लगभग 90 प्रतिशत लोगों को आर्थिक नुकसान, रिश्ते टूटने और अन्य गंभीर समस्याओं का सामना करना पड़ता है। विशेषज्ञों के अनुसार, पोकर मशीन और ऑनलाइन सट्टेबाजी जैसे जुए के कुछ स्वरूप अन्य की तुलना में अधिक नुकसानदेह हैं और इनसे लत लगने की आशंका अधिक रहती है। उन्होंने कहा कि जुए से होने वाला सबसे आम नुकसान आर्थिक होता है। इसमें खर्च के लिए कम धन बचने से लेकर जीवनभर की बचत या मकान तक गंवाने जैसी गंभीर स्थितियां शामिल हैं।

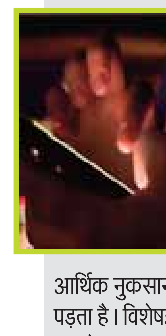

ट्रेंड

भारत-न्यूज़ीलैंड की दोस्ती

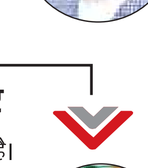

नाद वोकल एन्सेम्बल की शानदार प्रस्तुति देखकर बहुत खुशी हुई। संगीत में लोगों को एक साथ लाने की अनोखी क्षमता होती है और आज की प्रस्तुति ने भारत-न्यूज़ीलैंड की दोस्ती की गर्मजोशी और गहराई को खूबसूरती से दर्शाया।

- **नरेंद्र मोदी,** प्रधानमंत्री

रेड्डी का गणित कमजोर

मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी का गणित कमजोर है। वे बार-बार कहते हैं कि केंद्र ने कुछ नहीं दिया। कांग्रेस के ये लोग बस एक ही बात दोहराते हैं: वे खुद कुछ कमा नहीं सकते और दूसरों का सहारा लेना बंद नहीं करेंगे! हिमाचल प्रदेश में भी वे यही करते हैं।

- **जगत प्रकाश नड्डा,** केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री

16 पार्षद भाजपा में शामिल

आज दिल्ली की प्रगति और जनसेवा के संकल्प को नई मजबूती मिली है। इंद्रप्रस्थ डेवलपमेंट पार्टी के सोलह पार्षद भारतीय जनता पार्टी में शामिल हो गए हैं। पार्षदों का यह निर्णय राजधानी के विकास कार्यों को नई गति देगा।

- **रेखा गुप्ता,** सीएम, नई दिल्ली

अप्रेंटिसशिप जरूरी

अब भारत में अप्रेंटिसशिप की बड़े पैमाने पर वापसी के लिए सही समय आ गया है। मैन्युफैक्चरिंग हमारे लिए बहुत ज़रूरी है। और एआई व नई टेक्नोलॉजी के आने के साथ, 'काम करते हुए सीखना' ही आगे बढ़ने का सही रास्ता है।

- **अनिल अग्रवाल,** उद्यमी

हमारा पता

हरिभूमि कार्यालय

66/1 इंडस्ट्रियल एरिया, रिछाई, जबलपुर (मप्र)

पिन कोड-482002

ई-मेल : edit@haribhoomi.com

वेब-साइट : www.haribhoomi.com

गुआंग्शी प्रांत में सैकड़ों सांप ब्रीडिंग फार्म से भागे, लोगों में दहशत

चीन की बाढ़ में टूटा सांपों का फार्महाउस, पानी में तैर रहे हजारों सांप

एजेंसी ▶▶ गुआंग्शी

चीन इन दिनों भारी बारिश और बाढ़ की चपेट में है। शहर के कई इलाके जलमग्न है। इन सबके बीच गुआंग्शी इलाके के लोगों को एक अप्रत्याशित घटना का सामना करना पड़ रहा है, दरअसल सैकड़ों सांपों ने इस इलाके पर कब्जा कर लिया है।

सरकारी ब्रॉडकास्टर के मुताबिक, गुआंग्शी में भारी बाढ़ के चलते ब्रीडिंग फार्म से सैकड़ों सांप भाग निकले, जिससे अधिकारियों को हाई अलर्ट पर रहना पड़ रहा है। ग्लोबल टाइम्स और अन्य चीनी मीडिया आउटलेट्स की रिपोर्ट के अनुसार, कम से कम 1900 सांप खुले में घूम रहे हैं। बाढ़ से बचने के लिए जूझ रहे लोगों को सांपों ने डस लिया जिससे अभी तक तीन महिलाओं की मौत की खबर सामने आई है। खबर है कि गुआंग्शी के शहर हेंगझोउ में तीन महिलाओं को सांप के काटने के बाद इलाज नहीं मिल पाया। बाढ़ और रास्तों के बंद होने के कारण वह समय पर अस्पताल नहीं पहुंच पाई थी। सोशल मीडिया पर बाढ़ के पानी में तैरते सांपों के वीडियो वायरल हो रहे हैं, जिनमें लोगों को जांच तक गहरे पानी में उन फुर्तीले सांपों को पकड़ने की कोशिश करते हुए देखा जा सकता है।

भागे हुए सांप बेहद खतरनाक प्रजाति के

ग्लोबल टाइम्स की एक रिपोर्ट के मुताबिक, जो सांप फार्म से भाग निकले हैं, उनमें कोबरा, करैत, नील और स्पाइडर जैसे जहरीले सांप भी शामिल हैं। भागे हुए सांपों को पकड़ने के लिए टीमें तैनात की गई हैं और अधिकारियों ने सांप के काटने से पीड़ित लोगों के तुरंत इलाज के लिए अस्थायी मेडिकल क्लिनिक भी बनाए हैं।

गुआंग्शी में सांप पालने का सबसे बड़ा हब

बता दें गुआंग्शी चीन में कमर्शियल सांप पालन का सबसे बड़ा हब है, जहां पारंपरिक दवाओं, चमड़े के सामान और मांस के लिए, लगभग 3 करोड़ (30 मिलियन) सरीसृपों (रेप्टाइल्स) को पाला जाता है। बुधवार को क्षेत्रीय कार्यालय से जारी एक बयान में कहा गया कि हेंगझोउ इलाके के कई गांवों के पानी में डूबने के बाद कुछ जगह पानी में सांप देखे गए हैं।'

चीन बाढ़ ने बरपा रखा है कहर

दरअसल इस इलाके में खतरनाक उफान के बाद जलाशय टूट गए और पानी का तेज बहाव कस्बों और शहरों में घुस गया। इस दौरान छह लोगों की मौत हो गई और लगभग 1,30,000 लोगों को सुरक्षित जगहों पर पहुंचाइ गया। गुआंग्शी क्षेत्रीय प्रचार कार्यालय के अनुसार, बचाव अभियान में 8,000 से ज्यादा लोग और लगभग 5,700 नावें तैनात की गई हैं।

टीम के साथ लोग खुद सांप पकड़ने में जुटे

आसपास के ग्रामीणों ने मिलकर एक अपनी टीम बनाई है। यह टीम खुद पानी में घुसकर सांपों को पकड़ रही है। लोगों का कहना है कि अधिकांश सांप पानी में बह गए हैं, लेकिन कुछ कचरे और जमा पानी पर बचे हैं। स्थानीय लोग मछली पकड़ने वाले औजार से सांपों को पड़कने में जुटे हैं।

खबर संक्षेप

विदेश जाने पर भाजपा ने साधा राहुल पर निशाना

नई दिल्ली। भाजपा ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर कथित तौर पर

''विदेश में छुट्टियां मनाने'' के लिए निशाना साधा और उन्हें एक ''अगंभीर राजनेता'' बताया जो छात्रों का इस्तेमाल सिर्फ राजनीतिक मकसद के लिए करते हैं। सत्तारूढ़ दल ने दावा किया कि गांधी की गैरमौजूदगी के कारण इस महीने उनके निर्धारित छात्र संवाद कार्यक्रम रद्द करने पड़े हैं। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता तुहिन सिन्हा ने गांधी की अनुपस्थिति पर सवाल उठाते हुए कहा राहुल ''छुट्टियां मनाने में व्यस्त हैं'' और उन्होंने राजनीतिक गतिविधियों के बजाय छुट्टियों को प्राथमिकता दी है।

ऋण धोखाधड़ी में बैंक के पूर्व प्रबंधक व नौ कर्मचारी बर्खास्त

थेनी। तमिलनाडु के थेनी जिले में फर्जी महिला स्वयं सहायता समूह के ऋण खातों से जुड़े 14 करोड़ रुपये की कथित धोखाधड़ी का पता चलने के बाद केनरा बैंक के एक पूर्व शाखा प्रबंधक और नौ अन्य कर्मचारियों की सेवा से बर्खास्त कर दिया गया है। पुलिस ने बताया कि आरोप है कि यह धोखाधड़ी जिले में बैंक की दो शाखाओं में की गई, जहां इस मामले के मुख्य आरोपी कार्तिक शाखा प्रबंधक के पद पर कार्यरत थे। शुरुआत में चिन्नामनूर के निकट स्थित ओडाईपट्टी शाखा में अनधिकृत लेन-देन के माध्यम से 14 करोड़ की अनियमितताओं का पता चला था।

एक करोड़ की स्मैक बरामद, तस्कर गिरफ्तार

मुजफ्फरनगर। उत्तर प्रदेश के शामली जिले के बाबरी थाना क्षेत्र में पुलिस ने एक तस्कर को

गिरफ्तार कर उसके कब्जे से 518 ग्राम स्मैक बरामद की है, जिसकी अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत एक करोड़ रुपये से अधिक आंकी गई है। अपर पुलिस अधीक्षक (एएसपी) सुमित शुक्ला ने बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस ने जांच अभियान के दौरान मोटरसाइकिल सवार मुर्सलीन को रोककर उसकी तलाशी ली। तलाशी में उसके पास से 518 ग्राम स्मैक बरामद हुई।

इजरायली प्रधानमंत्री नेतन्याहू का ऐलान, अभी युद्ध समाप्त नहीं हुआ है

'ईरान संग समझौता हो या न हो, तेहरान को कभी नहीं बनाने देंगे परमाणु हथियार'

» इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने कहा कि इजरायल किसी भी हाल में ईरान को परमाणु हथियार हासिल नहीं करने देगा। उन्होंने कहा कि देश विदेशी खरीद पर निर्भरता कम करने के लिए अपने यहां हथियारों का उत्पादन बढ़ाएगा। वायु सेना के पायलटों के ग्रेजुएशन समारोह में नेतन्याहू ने कहा, 'हमारी नीति बिल्कुल साफ है। समझौता हो या न हो, ईरान के पास परमाणु हथियार नहीं होंगे।'

एजेंसी ▶▶ यरुशलम

सिन्हुआ समाचार एजेंसी के अनुसार, उन्होंने कहा कि अगर अमेरिका और इजरायल ने ईरान पर हमले नहीं किए होते, तो ईरान खुद को हथियारों से लैस कर चुका होता। यह बयान ऐसे समय आया है जब अमेरिका और ईरान के बीच फिर से हमले हुए हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि तेहरान के साथ समझौते की संभावना अब खत्म हो चुकी है।

ट्रंप के 'ओके' का इंतजार, हमले को तैयार नेतन्याहू

अमेरिका और ईरान के बीच फिर तेज हुए सैन्य तनाव के बीच इजरायल भी दोबारा युद्ध में शामिल हो सकता है। एक इजरायली अधिकारी के हवाले से कहा गया, जरूरत पड़ी तो हम ईरान फिर कार्रवाई करेंगे। इजरायल ईरान के खिलाफ फिर से सैन्य कार्रवाई करने के लिए अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की मंजूरी का इंतजार कर रहा है। हमने पहले भी अमेरिका के साथ खड़े होकर यह साबित किया है। अधिकारी ने यह भी माना कि इजरायल दोबारा युद्ध जैसी स्थिति नहीं चाहता, लेकिन ईरान की गतिविधियों को नजरअंदाज भी नहीं किया जा सकता।

ईरान को झटका लगा लेकिन खतरा बरकरार

स्थानीय मीडिया के अनुसार नेतन्याहू ने कहा, 'ईरानी शासन को करारा झटका लगा है और हमारी नीति साफ है कि ईरान के पास परमाणु हथियार नहीं होंगे, चाहे कोई समझौता हो या न हो। अगर हमने कार्रवाई नहीं की होती तो ईरान परमाणु हथियार हासिल कर चुका होता। युद्ध अभी खत्म नहीं हुआ है और हमारे सामने नई चुनौतियां उभर रही हैं।'

ट्रंप की हत्या की साजिश रच रहा ईरान, इजरायली दावा

वाशिंगटन। इजरायल की खुफिया एजेंसी ने पेंटागन को संकेत दिया है कि तेहरान एक बार फिर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की हत्या की साजिश रच रहा है। सीएनएन के अनुसार, ईरान की कथित हत्या की योजना के बारे में यह चेतावनी इसी सप्ताह मिली है। हालांकि, एक अन्य सूत्र ने बताया कि अमेरिकी खुफिया एजेंसियों को हाल के हफ्तों में इस योजना की सुगबुगाहट मिल रही थी, लेकिन इजरायल से मिली चेतावनी नई थी और एक विशिष्ट साजिश से संबंधित थी। पेंटागन अधिकारियों के अनुसार ट्रंप की सुरक्षा में कोई कमी नहीं है।

इजरायली सेना प्रमुख बोले-जंग के लिए तैयार

इजरायल के सेना प्रमुख एयाल जमीर ने कहा कि इजरायल ईरान और लेबनान की स्थिति पर लगातार नजर रखे हुए है और जरूरत पड़ने पर तुरंत कार्रवाई के लिए तैयार है। वहीं रक्षा मंत्री इजराइल काट्ज ने कहा कि सेना पूरी तरह सतर्क है और अभियान दोबारा शुरू करने के लिए तैयार है। इस बीच, रक्षा मंत्री इजरायल काट्ज ने गुरुवार को कहा कि जब तक हिज्बुल्लाह पूरी तरह से हथियार नहीं छोड़ देता, तब तक इजरायली सेना लेबनान में बनी रहेगी।

गुरूग्राम में नंदाल गिरोह और पुलिस के बीच हुई भीषण गोलीबारी, 3 जवान भी घायल

एसजीटी विवि संस्थापक के बेटे को बंधक बनाने वाले चार शूटर मुठभेड़ में ढेर

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

दिल्ली से सटे हरियाणा के गुरूग्राम में गुरुवार देर रात को पुलिस और दीपक नंदाल गिरोह से जुड़े 5 शूटरों का आमना-सामना हो गया, जिसमें चार शूटर ढेर हो गए और एक घायल है। घटना पॉश इलाका गोल्फ कोर्स रोड एक्सटेंशन के पास सुशांत लोक-2 की है। सभी आरोपियों ने गुरुग्राम के एसजीटी विश्वविद्यालय के संस्थापक के बेटे को आवास पर बंधक बना लिया था और रिहाई के बदले 1 करोड़ रुपए की फिरौती मांगी जा रही थी। इसकी सूचना मिलने पर पुलिस पहुंची तो उनकी शूटरों से मुठभेड़ हुई। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, हमलावर व्यवसायी परिवार को धमकाने के लिए आए थे।

बताया जा रहा है कि नंदाल से लगातार धमकियां मिल रही थी, जो विदेश से अपना धंधा चलाता है। पुलिस ने बताया कि कारोबारी को वांछित गैंगस्टर नंदाल बार-बार विदेश से फिरौती के संदेश भेज रहा था।

पुलिस ने बताया- कैसे दिया मुठभेड़ को अंजाम

पुलिस ने बताया कि स्कॉर्पियो में सवार हथियारबंद लोगों के बारे में सूचना मिलने पर क्राइम ब्रांच की एक टीम को मौके पर भेजा गया था। जब टीमें मौके पर पहुंचीं, संदिग्धों ने व्यवसायी के घर पर गोलीबारी शुरू कर दी थी। पुलिस ने उनसे आत्मसमर्पण करने को कहा था, लेकिन उन्होंने टीम पर गोलीबारी की और भागने की कोशिश की। इसके बाद पुलिस ने आत्मरक्षा में और आरोपियों को भागने से रोकने के लिए जवाबी कार्रवाई की थी।

घर पर ही बदमाशों ने बना लिया था बंधक

गिरोह के 5 बदमाशों ने गुरुवार रात को विश्वविद्यालय संस्थापक के बेटे शाल बेरी को उनके सुशांत लोक स्थित आवास में बंधक बना लिया था। इसके बाद पुलिस की क्राइम ब्रांच को कंट्रोल रूम से महिंद्रा स्कॉर्पियो कार में हथियारबंद लोगों की संदिग्ध गतिविधि की जानकारी मिली। पुलिस जैसे ही सुशांत लोक इलाके में पहुंची बदमाशों ने अत्याधुनिक हथियारों से गोलीबारी शुरू कर दी। पुलिस ने उनको घेरकर मुठभेड़ में ढेर कर दिया। गोलीबारी में 3 पुलिसकर्मी भी घायल हैं।

फिरोजाबाद कोर्ट ने सुनाया फैसला

बच्चे को पटककर मारने वाले को सजा-ए-मौत, 40 दिन में फैसला

एजेंसी ▶▶ फिरोजाबाद

उत्तर प्रदेश के फिरोजाबाद में डेढ़ साल के मासूम आरव को पटक-पटककर बेरहमी से मारने वाले विराज उर्फ जीतेंद्र पाठक को स्थानीय कोर्ट ने फांसी की सजा सुनाई है। शिकोहाबाद में 30 मई को हुई वारदात का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था, जिसने लोगों को अंदर तक झकझोर दिया। पुलिस ने जांच पूरी कर 6 दिन में आरोपपत्र दाखिल किया और कोर्ट ने 40 दिन में फैसला सुना दिया।

फैसला सुनते ही दोषी रो पड़ा और सिर पीटने लगा। यादव कॉलोनी में वारदात को अंजाम देने के बाद आरोपी विराज फरार था, जिसे पुलिस ने 6 घंटे में गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने उसे दोनों पैर में गोली मारकर पकड़ा था। वीडियो में वह आरव को 8 बार पटकते हुए देखा गया, जो महत्वपूर्ण सबूत साबित हुआ। यह वीडियो बेहद दर्दनाक और रोंगटे खड़े करने वाला है। शिकोहाबाद पुलिस ने 6 दिन में सभी 13 गवाहों के बयान, कैमरा फुटेज समेत अन्य साक्ष्य कोर्ट में जमा कर दिए थे।

रति से एकतरफा प्यार करता था विराज : बदायूं निवासी विराज रिश्ते में रति का फुफेरा देवर था। उसने रति के रिश्ते में अनबन देखकर कुछ दिन पहले शादी का प्रस्ताव रखा। रति ने बच्चे का हवाला देकर शादी से मना कर दिया, जिससे विराज काफी नाराज था। तभी उसने बच्चे को रास्ते से हटाने की सोची। 30 मई को वह यादव कॉलोनी पहुंचा और बच्चे को टॉफी दिलाने के बहाने गोद में उठा ले गया। उसने सड़क पर बच्चे की दिनदहाड़े पटक-पटककर जान ले ली।

पी विराज ने बच्चे को क्यों मारा?

फिरोजाबाद में बामई गांव की रहने वाली रति की 2024 में बदायू के सियाराम नगर निवासी सुनित से शादी हुई थी। उनका एक बेटा आरव था। ससुराल में अनबन के कारण रति 5 महीने से मायके में थी। रति अपनी मां और बेटे के साथ 30 मई को यादव कॉलोनी में रहने वाली अपनी मौसी पुष्पलता से मिलने आई थीं। उनको सड़क हादसे में चोट लगी थी। तभी रति के पति की बुआ का बेटा विराज भी वहां पहुंच गया।

आत्मीय स्वागत...

आकलैंड। भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी दो दिवसीय यात्रा पर न्यूजीलैंड पहुंचे। यहां पहुंचने पर उनका स्वागत भारतीय लोगों ने पारंपरिक रूप से किया।

स्पेन के जंगल में आग 12 की मौत, 23 लापता

मैड्रिड। स्पेन के जंगल में लगी आग ने शुक्रवार तड़के तक 12 लोगों की जान ले ली जबकि 23 अन्य लोग लापता हैं। आग लगने की इस घटना को स्पेन के इतिहास के सबसे घातक दावानल में से एक बताया जा रहा है। लोकप्रिय पर्यटन स्थल दक्षिणी प्रांत अल्मेरिया में लगी इस आग में कई लोगों के शव जली हुई गाड़ियों के अंदर मिले। माना जा रहा है कि आग से बचकर भागने की कोशिश के दौरान उनकी मौत हो गई। आग पर काबू पाने के लिए 150 दमकलकर्मी और स्पेन की सैन्य आपदा इकाई के 220 सैनिक तैनात हैं। अब तक यह आग 3,200 हेक्टेयर से अधिक जंगल और कृषि भूमि को अपनी चपेट में ले चुकी है। क्षेत्रीय आपदा प्रबंधन अधिकारियों के अनुसार, मृतकों में ब्रिटेन के चार नागरिक तथा कुछ अन्य विदेशी नागरिक भी शामिल हैं।

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने झांसी फैमिली कोर्ट के जज से मांगा जवाब

दूसरी शादी के बाद पहले पति से गुजारा भत्ता क्यों...?

एजेंसी ▶▶ प्रयागराज

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने झांसी के अतिरिक्त प्रधान जज फैमिली कोर्ट से यह स्पष्ट करने को कहा है कि तलाक के बाद महिला के दूसरी शादी करने की जानकारी होने के बावजूद पहले पति से गुजारा भत्ता देने का आदेश क्यों दिया गया। जस्टिस प्रवीण कुमार गिरी की पीठ ने मामले की सुनवाई करते हुए फैमिली कोर्ट से स्पष्टीकरण तलब किया। कोर्ट ने निर्देश दिया कि वह बताएं कि पत्नी के दूसरे विवाह का तथ्य आपत्ति-पत्र में स्पष्ट रूप से दर्ज होने के बावजूद पहले पति से प्रति माह 10 हजार रुपये गुजारा भत्ता देने का आदेश किस आधार पर दिया गया।

खास बातें

- तलाक के लगभग एक महीने बाद महिला ने दूसरा विवाह कर लिया था व शपथ पत्र भी किया था पेष
- इस मामले की अगली सुनवाई 21 जुलाई को होगी

तलाक के बाद महिला ने की दूसरी शादी

मामले के अनुसार पति-पत्नी के बीच 30 जुलाई 2025 को झांसी के अतिरिक्त प्रधान जज फैमिली कोर्ट ने तलाक की डिक्री पारित की थी। पति ने इसके खिलाफ अपील दाखिल की। इस बीच तलाक के लगभग एक महीने बाद महिला ने दूसरा विवाह कर लिया। पति का कहना है कि पत्नी ने शपथपत्र में खुद दूसरी शादी की जानकारी दी थी। इस मामले की अगली सुनवाई 21 जुलाई को होगी।

विधवा को मुआवजा मिलने में देरी पर हाईकोर्ट खफा

वहीं, हाईकोर्ट ने उत्तर प्रदेश सरकार की एडवोकेट वेलफेयर स्कीम के तहत मुआवजा मिलने में देरी पर नाराजगी जताई है। कोर्ट ने एक अधिवक्ता की विधवा को मुआवजे के लिए बार-बार अदालत के चक्कर लगवाने को जबरन थोपा गया मुकदमा करार देते हुए उप्र अधिवक्ता कल्याण कोष ट्रस्टी सोसाइटी के सदस्य सचिव से जवाब मांगा है।

सही हलफनामा दाखिल करने निर्देश

यह आदेश जस्टिस अजीत कुमार एवं जस्टिस इंद्रजीत शुक्ला की खंडपीठ ने ज्योतिमा की याचिका पर सुनवाई करते हुए दिया है। कोर्ट ने कहा कि अगली सुनवाई तक सही हलफनामा दाखिल नहीं किया गया, तो सदस्य सचिव को व्यक्तिगत रूप से हाजिर होना होगा। इस मामले की अगली सुनवाई 27 जुलाई को होगी।

बांकीपुर उपचुनाव

कल ही दाखिल किया था नामांकन

भाजपा प्रत्याशी अभिषेक ने वापस ले लिया नाम

एजेंसी ▶▶ बांकीपुर

बिहार में बांकीपुर विधानसभा उपचुनाव के लिए बीजेपी उम्मीदवार अभिषेक कुमार

सिन्हा ने गुरुवार को अपना नामांकन पत्र दाखिल किया और शुक्रवार को अपना नामांकन वापस ले लिया। उन्होंने इस संबंध में प्रदेश अध्यक्ष संजय सरावगी को पत्र लिखकर चुनाव नहीं लड़ पाने की जानकारी दी। यह सीट पार्टी के नेता नितिन नवीन के इस्तीफे के बाद खाली हुई थी. उपचुनाव 30 जुलाई को होगा और वोटों की गिनती 3 अगस्त को होना है। वहीं, नामांकन दाखिल करने की आखिरी तारीख 13 जुलाई है। अभिषेक कुमार सिन्हा के नामांकन के दौरान एनडीए के वरिष्ठ नेता मौजूद थे, जिनमें जेडी(यू) के प्रदेश अध्यक्ष उमेश कुशवाहा, एलजेपी (आरवी) की सांसद शांभवी चौधरी, बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष संजय सरावगी और वरिष्ठ बीजेपी नेता रविशंकर प्रसाद शामिल थे।

पारिवारिक कारणों का दिया हवाला

अपने पत्र में अभिषेक सिन्हा ने कहा, 'पारिवारिक कारणों से मैं विधानसभा उपचुनाव लड़ने में असमर्थ हूं। मैं पार्टी के एक समर्पित कार्यकर्ता के रूप में पहले की तरह अपनी जिम्मेदारियां निभाता रहूंगा। इसके लिए मैं पार्टी के केंद्रीय और प्रदेश नेतृत्व का आभार व्यक्त करता हूं। हालांकि, नामांकन वापस लेने के फैसले पर बीजेपी की ओर से अब तक कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया है।

यातायात नियमों के कड़ाई से पालन के निर्देश

छह महीने में 1903 सड़क हादसे 324 मौतों पर कलेक्टर सख्त

जबलपुर। जिले में लगातार बढ़ रही सड़क दुर्घटनाओं पर अंकुश लगाने के लिए शुक्रवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में कलेक्टर राघवेन्द्र सिंह की अध्यक्षता में सड़क सुरक्षा समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में पुलिस अधीक्षक संपत उपाध्याय, डीएफओ पुनीत सोनकर, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी अभिषेक गहलोत, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (यातायात) अंजना तिवारी सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद रहे। बैठक में सामने आए आंकड़ों के अनुसार पिछले छह महीनों में जिले में 1903 सड़क दुर्घटनाएं हुईं, जिनमें 324 लोगों की जान गई, जबकि 2239 लोग घायल हुए। इन आंकड़ों पर गंभीर चिंता जताते हुए कलेक्टर ने दुर्घटनाओं में कमी लाने के लिए सभी संबंधित विभागों को समन्वित और प्रभावी कार्रवाई के निर्देश दिए।

बैठक में दुर्घटनाओं के प्रमुख कारणों के रूप में तेज रफ्तार, नशे की हालत में वाहन चलाना, हेलमेट और सीट बेल्ट का उपयोग नहीं करना तथा यातायात संकेतों की अनदेखी को चिन्हित किया गया। कलेक्टर ने यातायात पुलिस को विशेष अभियान चलाकर हेलमेट और सीट बेल्ट के नियमों का सख्ती से पालन कराने, ओवरलोडिंग और नशे में वाहन चलाने वालों के खिलाफ प्रभावी कार्रवाई करने के निर्देश दिए। वहीं लोक निर्माण विभाग, एमपीआरडीसी और एनएचएआई को दुर्घटना संभावित ब्लैक स्पॉट्स की पहचान कर वहां संकेतक, स्पीड ब्रेकर, स्ट्रीट लाइट, रोड मार्किंग, रिफ्लेक्टर लगाने और सड़कों के गड्ढों की मरम्मत जल्द पूरी करने को कहा गया।

स्कूल वाहनों पर रहेगा विशेष फोकस......

बैठक में शहर के भीतरी क्षेत्रों में यातायात व्यवस्था सुधारने के लिए अतिक्रमण हटाने, अवैध पार्किंग पर नियंत्रण और ई-रिक्शा संचालन को व्यवस्थित करने का निर्णय लिया गया। जयंती टॉकीज और बल्देवबाग जैसे व्यस्त क्षेत्रों में विशेष यातायात प्रबंधन लागू करने के निर्देश भी दिए गए। स्कूली बच्चों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता बताते हुए कलेक्टर राघवेन्द्र सिंह ने स्कूल वाहनों के संचालन के लिए नई गाइडलाइन तैयार करने, सभी वाहन चालकों का पुलिस चरित्र सत्यापन कराने तथा स्कूल संचालकों के साथ शीघ्र बैठक आयोजित करने के निर्देश दिए। इसके अलावा नो-एंट्री क्षेत्रों में कैमरे लगाने, सभी चिन्हित ब्लैक स्पॉट्स को समाप्त करने के लिए कार्ययोजना तैयार करने तथा बारिश के दौरान सड़कों पर आने वाले गौवंश की सुरक्षा सुनिश्चित करने पर भी विशेष जोर दिया गया।

आर्मी पब्लिक स्कूल क्रमांक-2 में 'हैक फेस्ट-2026', नवाचार में जबलपुर टीम बनी चैंपियन

जबलपुर। मुख्यालय मध्य भारत एरिया के तत्वावधान में आर्मी पब्लिक स्कूल क्रमांक-2, जम्मू एवं कश्मीर राइफल्स रेजिमेंटल सेंटर द्वारा बत्रा ऑडिटोरियम में 'हैक फेस्ट-2026' का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन ब्रिगेडियर उदय साम्याल, कमांडेंट ने किया। इस अवसर पर श्रीमती रेनू साम्याल, अध्यक्षा, फैमिली वेलफेयर ऑर्गेनाइजेशन विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहीं।प्रतियोगिता में प्रयागराज, अयोध्या, गोरखपुर, वाराणसी तथा जबलपुर के आर्मी पब्लिक स्कूलों के विद्यार्थियों ने तकनीकी मॉडल एवं नवाचार परियोजनाएं प्रस्तुत कीं। बाद में लेफ्टिनेंट जनरल हरबिंदर सिंह वंद्रा, जनरल ऑफिसर कमांडिंग, मध्य भारत एरिया ने प्रदर्शनी का अवलोकन कर विद्यार्थियों की वैज्ञानिक सोच और तकनीकी कौशल की सराहना की। प्रतियोगिता में आर्मी पब्लिक स्कूल क्रमांक-2, जबलपुर ने प्रथम स्थान और समग्र चैंपियनशिप हासिल की, जबकि आर्मी पब्लिक स्कूल अयोध्या दूसरे तथा आर्मी पब्लिक स्कूल प्रयागराज तीसरे स्थान पर रहे। समापन समारोह में विजेताओं को सम्मानित किया गया।

जेडीओएस का छठा वार्षिक सम्मेलन कल, देशभर के नेत्र रोग विशेषज्ञ जुटेंगे

जबलपुर। डिवीजनल ऑप्थैल्मिक सोसायटी (जेडीओएस) द्वारा प्रो. डॉ. आर.के. मिश्रा मेमोरियल के छठे वार्षिक सम्मेलन का आयोजन 12 जुलाई को प्रातः 10:30 बजे वेलकम होटल बाय आईटीसी, जबलपुर में होगा। सम्मेलन में देशभर के प्रतिष्ठित नेत्र रोग विशेषज्ञ ऑक्यूलोप्लास्टी, ऑर्बिट, नेत्र आघात एवं आधुनिक नेत्र चिकित्सा से जुड़े नवीनतम विषयों पर अपने शोध और अनुभव साझा करेंगे। सम्मेलन के मुख्य अतिथि विवेक रुसिया, कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश, मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय होंगे, जबकि विशिष्ट अतिथि प्रो. डॉ. नवनीत सक्सेना, डीन, नेताजी सुभाषचंद्र बोस मेडिकल कॉलेज रहेंगे। मुख्य वक्ता पद्मश्री डॉ. अशोक कुमार ग्रोवर (नई दिल्ली) तथा डॉ. नरेन्द्र पाटीदार (जानकीकुंड, चित्रकूट) विशेषज्ञ व्याख्यान देंगे। सम्मेलन में वैज्ञानिक सत्र, केस प्रेजेंटेशन, प्रो. डॉ. आर.के. मिश्रा मेमोरियल अवार्ड सत्र एवं युवा नेत्र रोग विशेषज्ञों के लिए वैज्ञानिक प्रतियोगिता भी आयोजित होगी। जेडीओएस के अध्यक्ष डॉ. रविन दास ने बताया कि सम्मेलन का उद्देश्य चिकित्सकों को आधुनिक उपचार पद्धतियों से अवगत कराना है। वहीं, सचिव डॉ. अविजित विश्नोई ने नेत्र रोग विशेषज्ञों एवं प्रशिक्षणरत चिकित्सकों से अधिकाधिक संख्या में सहभागिता की अपील की।

"हर-हर महादेव" जयघोष के बीच संपन्न हुआ शिव-पार्वती विवाह, गुरूधाम ग्वारीघाट में उमड़ा आस्था का सैलाब

शिवमहापुराण कथा के चौथे दिन हुआ दिव्य विवाहोत्सव

भजनों और वैदिक मंत्रोच्चार से भक्त हुए भाव-विभोर

जबलपुर। माँ नर्मदा के पावन तट स्थित गुरूधाम, ग्वारीघाट में आयोजित आठ दिवसीय श्री शिवमहापुराण कथा के चौथे दिन बुधवार को भगवान शिव और माता पार्वती का दिव्य विवाहोत्सव श्रद्धा, उल्लास और आध्यात्मिक वातावरण के बीच संपन्न हुआ। वैदिक मंत्रोच्चार, मंगल गीतों और 'हर-हर महादेव' के गगनभेदी जयघोष से पूरा कथा परिसर भक्तिमय हो उठा। बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने शिव-पार्वती विवाह के साक्षी बनकर स्वयं को धन्य माना।

कथा व्यास पूज्य आशीर्वाद महाराज (श्रीधाम वृंदावन) ने शिव-पार्वती विवाह प्रसंग का भावपूर्ण वर्णन करते हुए कहा कि यह विवाह केवल दो दिव्य शक्तियों का मिलन नहीं, बल्कि शिव और शक्ति के सनातन स्वरूप की एकता का प्रतीक है। उन्होंने बताया कि भगवान शिव वैराग्य, तप और कल्याण के प्रतीक हैं, जबकि माता पार्वती शक्ति, समर्पण और सृजन की अधिष्ठात्री हैं। दोनों का मिलन संसार में धर्म, संतुलन और मंगल की स्थापना का संदेश देता है।

कथा के दौरान श्रद्धालुओं ने शिव-पार्वती विवाह की झांकी का दर्शन कर पुष्पवर्षा की और भक्ति रस में सराबोर होकर भजनों पर नृत्य किया। पूरा गुरूधाम परिसर भगवान भोलेनाथ की भक्ति में डूबा नजर आया। महिलाओं ने मंगल गीत गाए और पुरुषों ने डमरू की थाप पर 'बम-बम भोले' के नारे लगाए।

नित्य हो रहे हैं अनुष्ठान

आयोजन के अंतर्गत प्रतिदिन प्रातः 7 से 8:30 बजे तक शिवलिंग निर्माण, सुबह 9 से 11 बजे तक रुद्राभिषेक तथा दोपहर 3 से शाम 6:30 बजे तक श्री शिवमहापुराण कथा का आयोजन किया जा रहा है। कथा का समापन 12 जुलाई को हवन, पूर्णाहुति एवं विशाल भंडारे के साथ होगा। कथा का सीधा प्रसारण श्री राधाकृष्ण राधा यूट्यूब चैनल पर किया जा रहा है। आयोजक नेमा परिवार ने श्रद्धालुओं से कथा में शामिल होकर पुण्य लाभ अर्जित करने का आग्रह किया है।

पदोन्नति में भेदभाव का विरोध, कर्मचारी संघ ने सौंपा ज्ञापन; आंदोलन की चेतावनी

जबलपुर। मध्य प्रदेश लघु वेतन कर्मचारी संघ, जिला स्वास्थ्य समिति, जबलपुर ने नेताजी सुभाष चंद्र बोस शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय में चल रही पदोन्नति प्रक्रिया में चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों के साथ भेदभाव की आशंका जताते हुए संबंधित अधिकारी को ज्ञापन सौंपा। संघ ने मांग की कि मध्य प्रदेश लोक सेवा पदोन्नति नियम, 2025 एवं पूर्व की व्यवस्था के अनुरूप वार्ड बॉय, आया, खलासी, माली, धोबी, स्वीपर, वॉचमैन सहित सभी पात्र कर्मचारियों को समान रूप से पदोन्नति का लाभ दिया जाए। संघ के प्रांतीय महामंत्री अजय कुमार दुबे ने कहा कि यदि पदोन्नति प्रक्रिया में किसी भी प्रकार का पक्षपात या भेदभाव किया गया तो कर्मचारी हितों की रक्षा के लिए चरणबद्ध आंदोलन किया जाएगा। इस दौरान वीरेंद्र तिवारी, विपिन पीपरे, ओमप्रकाश पनगरहा, राजू महतो, सुरेश वाल्मीकि, प्रशांत श्रीवास्तव, रोहित कुशवाहा, सोम सिंह उदय, अमर पनगरहा, सुधीर सोनी, सुनील पाठक, रामबाबू बम्हन, सुनील गोटेल, सुरेश धूलिया, लालचंद मल्लाह, निशा बैगा, कविता बर्मन, नीतू बैगा, सुरभि गुहेरिया, रत्ना बर्मन सहित अन्य कर्मचारी उपस्थित रहे।

लायंस एवं गुंजन ने किया तनिष्क का सम्मान

जबलपुर । शहीद स्मारक सभागार में संस्कारधानी गौरव, इंडियन आइडल फेम तनिष्क शुक्ला के सम्मान समारोह के अवसर पर लायंस परिवार जबलपुर एवं गुंजन कला सदन मध्यप्रदेश द्वारा पूर्व डिस्ट्रिक्ट गवर्नर एवं प्रांतीय महामंत्री लायन नरेन्द्र जैन, संयोजक द्वय प्रतुल श्रीवास्तव, विजय जायसवाल, आलोक पाठक एवं युवराज गढ़वाल ने साफा, शाल,श्रीफल, माला पहनाकर सम्मान किया। इस अवसर पर सांसद आशीष दुबे, विधायक डॉ. अभिलाष पांडे, पार्षद कमलेश अग्रवाल की उपस्थिति उल्लेखनीय रही।

डॉ. जाकिर हुसैन वार्ड में किया गया 1 करोड़ के 14 विकास कार्यों का भूमिपूजन

विधायक लखन घनघौरिया ने रखी आधारशिला

जबलपुर। नगर निगम के डॉ. ज़ाकिर हुसैन वार्ड क्रमांक-40 में लगभग एक करोड़ रुपये की लागत से स्वीकृत 14 विकास कार्यों का भूमिपूजन पूर्व मंत्री एवं पूर्व क्षेत्र के विधायक लखन घनघौरिया ने गोहलपुर स्थित अंसारी भवन के समीप आयोजित समारोह में किया। उन्होंने कहा कि सड़क, नाली, पेयजल सहित मूलभूत सुविधाओं का विस्तार उनकी प्राथमिकता है और वार्ड के विकास में कोई कमी नहीं आने दी जाएगी।कार्यक्रम में वरिष्ठ कांग्रेस नेता कदीर सोनी, अब्दुल हकीम बाबा, नगर कांग्रेस अध्यक्ष सौरभ शर्मा, पार्षद अख्तर अंसारी, गुलाम हुसैन, वकील अंसारी, कलीम खान, कांग्रेस अल्पसंख्यक विभाग के अध्यक्ष अशरफ मंसूरी सहित अन्य जनप्रतिनिधि मौजूद रहे। इस दौरान सड़क, नाली, नाला निर्माण, सार्वजनिक वाटर कूलर स्थापना, कांटा बीड़ी मैदान के सौंदर्यीकरण तथा मंडी मदार टेकरी कब्रिस्तान में टीन शेड सहित कुल 14 विकास कार्यों की आधारशिला रखी गई।वार्ड पार्षद मुकीमा याकूब अंसारी ने कहा कि इन कार्यों से वार्डवासियों को आवागमन, जल निकासी और पेयजल जैसी सुविधाओं में राहत मिलेगी। अंत में वरिष्ठ कांग्रेस नेता याकूब अंसारी ने सभी अतिथियों का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम में पूर्व पार्षद ताहिर अली सहित बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित रहे।

राष्ट्रीय आइस स्केटिंग प्रतियोगिता में जबलपुर के चार विशेष खिलाड़ी करेंगे मध्य प्रदेश का प्रतिनिधित्व

जबलपुर। देहरादून में आयोजित होने वाली राष्ट्रीय आइस स्केटिंग प्रतियोगिता के लिए मध्य प्रदेश की चार सदस्यीय विशेष टीम में जबलपुर के ईशान गुप्ता, उत्कर्ष कुमार जैन, श्रेष्ठ मिश्रा और राघव वर्मा का चयन हुआ है। सभी खिलाड़ी विशेष ओलंपिक भारत (मध्य प्रदेश) की ओर से राज्य का प्रतिनिधित्व करेंगे।खिलाड़ियों ने मुख्य कोच रामकिशोर सोनी एवं असिस्टेंट स्पोर्ट्स कोच अमर कदम के मार्गदर्शन में प्रशिक्षण प्राप्त किया। वेलकम टू स्पेशल चाइल्ड स्पोर्ट्स अकादमी, जबलपुर की संरक्षिका डॉ. मधुलिका त्रिपाठी और ज्योत्सना सिंह ठाकुर ने खिलाड़ियों व प्रशिक्षकों को शुभकामनाएं दीं। वहीं, विशेष ओलंपिक भारत (मध्य प्रदेश) के क्षेत्रीय निदेशक दीपांकर बेनर्जी, खेल निदेशक एहतेशाम उद्दीन तथा सहायक खेल निदेशक राजेंद्र बारस्कर ने टीम को बधाई देते हुए राष्ट्रीय प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन और पदक जीतने की शुभकामनाएं दीं। चयन से शहर में हर्ष का माहौल है।

रोटरी क्लब ने 225 छात्राओं को वितरित की निःशुल्क कॉपियां, मेधावियों का किया सम्मान

जबलपुर। रोटरी क्लब जबलपुर साउथ ने शिक्षा प्रोत्साहन अभियान के तहत शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, चेरीताल में प्रथम चरण के दौरान 225 से अधिक छात्राओं को निःशुल्क कॉपियों का वितरण किया। इस अवसर पर गत वर्ष कक्षा 12वीं उत्तीर्ण करने वाली तीन मेधावी छात्राओं का सम्मान भी किया गया।

क्लब अध्यक्ष अखिल खंडेलवाल ने छात्राओं को भविष्य में करियर निर्माण के लिए हर संभव सहयोग का आश्वासन दिया। कार्यक्रम में चेरीताल वार्ड की पार्षद श्रीमती प्रतिभा भापकर, विधयेश भापकर, पूर्व अध्यक्ष सारंग भिड़े, सचिव आशीष गुप्ता, नरेंद्र बत्रा, राकेश गिदरोनिया, उमंग अग्रवाल, प्रशांत नागायच, अतुल राजपूत, अनूप रिछारिया, विद्यालय के प्राचार्य एवं शिक्षकगण उपस्थित रहे।

पूर्व क्षेत्र विद्युत कंपनी में 139 सहायक अभियंता बने कार्यपालन अभियंता, 1,944 को मिला पदोन्नति का लाभ

जबलपुर। मध्यप्रदेश पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी लिमिटेड ने पदोन्नति प्रक्रिया के तहत 139 सहायक अभियंताओं को कार्यपालन अभियंता (एक्जीक्यूटिव इंजीनियर) के पद पर पदोन्नत किया है। लंबे समय से पदोन्नति की प्रतीक्षा कर रहे अधिकारियों के लिए इसे महत्वपूर्ण निर्णय माना जा रहा है। कंपनी के अनुसार विभागीय पदोन्नति समिति की अनुशंसा पर अब तक विभिन्न संवर्गों के कुल 1,944 अधिकारियों एवं कर्मचारियों को पदोन्नति का लाभ दिया जा चुका है।इनमें प्रथम श्रेणी के 78, द्वितीय श्रेणी के 147, तृतीय श्रेणी के 627 तथा चतुर्थ श्रेणी के 1,092 कर्मचारी शामिल हैं। प्रबंध संचालक अजय गुप्ता एवं मुख्य महाप्रबंधक (मानव संसाधन एवं प्रशासन) सम्पदा सराफ गुर्जर ने सभी पदोन्नत अधिकारियों एवं कर्मचारियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि पदोन्नति नई जिम्मेदारियों के साथ बेहतर कार्यकुशलता और गुणवत्तापूर्ण विद्युत सेवाएं देने का अवसर भी है।

विद्युत अग्नि सुरक्षा दिवस पर हुआ राष्ट्रीय सम्मेलन, 'जीरो एक्सीडेंट' लक्ष्य पर दिया जोर

जबलपुर। राष्ट्रीय विद्युत सुरक्षा दिवस-2026 के अवसर पर नई दिल्ली स्थित मानेकशॉ सेंटर के जोरावर ऑडिटोरियम में विद्युत अग्नि सुरक्षा विषय पर राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित किया गया। सम्मेलन में विद्युत जनित अग्नि दुर्घटनाओं की रोकथाम, सुरक्षित कार्य संस्कृति और जन-जागरूकता बढ़ाने पर विशेष जोर दिया गया। भारत सरकार के विद्युत मंत्री मनोहर लाल खट्टर ने अपने संदेश में कहा कि विद्युत अवसंरचना के विस्तार के साथ सुरक्षा और जिम्मेदारी की संस्कृति को मजबूत करना आवश्यक है। वहीं विद्युत एवं नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा राज्य मंत्री श्रीपाद येसो नाइक ने नागरिकों से घरों और कार्यस्थलों को विद्युत दुर्घटनाओं से सुरक्षित बनाने की अपील की। सम्मेलन में केंद्रीय विद्युत प्राधिकरण के अध्यक्ष एवं पदेन सचिव घनश्याम प्रसाद, विद्युत प्रणाली सदस्य एवं पदेन अपर सचिव विजय कुमार सिंह तथा बीएसईएस के निदेशक अमल सिन्हा ने विद्युत सुरक्षा पर विचार रखे। विशेषज्ञों ने विद्युत सुरक्षा को दैनिक जीवन का हिस्सा बनाने, नियमित जांच, सुरक्षित वायरिंग, विशेषज्ञों की सलाह और "जीरो एक्सीडेंट" लक्ष्य को प्राथमिकता देने के सुझाव दिए। सम्मेलन में मध्यप्रदेश का प्रतिनिधित्व ऊर्जा विभाग की ओर से मध्यप्रदेश पावर ट्रांसमिशन कंपनी के सहायक अभियंता (सतर्कता) एवं जनसंपर्क अधिकारी शशिकांत ओझा ने किया। विशेषज्ञों ने कहा कि विकसित भारत-2047 के लक्ष्य में सुरक्षित एवं जिम्मेदार विद्युत उपयोग की अहम भूमिका होगी।

विद्यालयों में सिर्फ पढ़ाई पर हो ध्यान, लापरवाही पर होगी कार्रवाई: जेडी घनश्याम सोनी

जबलपुर। संयुक्त संचालक लोक शिक्षण, जबलपुर संभाग घनश्याम सोनी के निर्देश पर संभाग के शासकीय विद्यालयों का ऑनलाइन निरीक्षण किया गया। निरीक्षण दल ने संभाग के विभिन्न जिलों के कुल 53 विद्यालयों की शैक्षणिक एवं प्रशासनिक व्यवस्थाओं का जायजा लिया। निरीक्षण में कुछ विद्यालयों में लेसन प्लान तैयार नहीं करने, समय से पूर्व विद्यालय बंद करने, प्रधानाचार्य एवं शिक्षक डायरी का संधारण नहीं करने, विद्यार्थियों की कम उपस्थिति, स्वच्छता व्यवस्था में कमी तथा अभिलेखों के अद्यतन में लापरवाही जैसी कमियां सामने आईं। निरीक्षण दल में उप संचालक पी.पी. सिंह, सहायक संचालक रश्मि झारिया, प्रशासनिक अधिकारी उर्मिला पाठक एवं सहायक सांख्यिकी अधिकारी सुषमा पटेल शामिल रहीं। जेडी घनश्याम सोनी ने कहा कि विद्यालयों में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, नियमित कक्षाएं, अनुशासन और स्वच्छ वातावरण सुनिश्चित करना संस्था प्रमुखों की प्राथमिक जिम्मेदारी है। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को कमियों का शीघ्र निराकरण कर प्रतिवेदन प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि भविष्य में भी ऑनलाइन एवं औचक निरीक्षण जारी रहेंगे और लापरवाही मिलने पर नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

CHANGE OF NAME

I, SUNITA SIDDHARTH INGLE Mother of 4591837M Rank NK Name INGLE AJAY SIDDHARTH presently, residing at VILL-MARODA, PO-KAWASA, TEH - AKOT, DISTT- AKOLA (MAHARASHTRA)- 444101 I, have changed of my name from **SUNITA A.S INGLE** (Name as per my son, Army service records) to **SUNITA SIDDHARTH INGLE** (name as per my AADHAR CARD NO. 9010 5471 5208) vide affidavit dated 10/07/2026 formerly before Public Notary JABALPUR (MP)

CORRECT NAME
SUNITA SIDDHARTH INGLE
INCORRECT NAME
SUNITA A.S INGLE

CHANGE OF NAME

I, ARMY NO. 15229013W RANK L/NK NAME NIYAS C P S/O ABDU RAZAK CP OF UNIT CQA (W), GCF, JABALPUR (MP) AADHAR CARD No. 7009 4173 7222 I, have changed name of my MOTHER from name **BASHEERA** (Name as per my Army Service Records) to **BASHEERA C V** (Name as per my MOTHER, AADHAR CARD NO. 6120 4897 3616) vide affidavit dated 09/07/2026 (date of affidavit) formerly before Public Notary RAMDAS SHARMA MP HIGH COURT, JABALPUR (Name and place of Court).

CORRECT NAME
BASHEERA CV
INCORRECT NAME
BASHEERA

CHANGE OF NAME AND DATE OF BIRTH

I, ARMY NO. 15229013W RANK L/NK NAME NIYAS C P S/O ABDU RAZAK CP OF UNIT CQA (W), GCF, JABALPUR (MP) AADHAR CARD No. 7009 4173 7222 I, have changed name and date of birth of my FATHER from name **ABDU RAZAK CP** and date of birth **28/05/1964** (Name and date of birth as per my Army Service Records) to name **ABDUL RAZAK C P** and date of birth **28/01/1962** (name and date of birth as per my FATHER, AADHAR CARD NO. 9246 1054 1243) vide affidavit dated 09/07/2026 (date of affidavit) formerly before Public Notary RAMDAS SHARMA MP HIGH COURT, JABALPUR (Name and place of Court).

CORRECT NAME - ABDUL RAZAK C P
CORRECT DATE OF BIRTH
28/01/1962
INCORRECT NAME - ABDU RAZAK CP
INCORRECT DATE OF BIRTH
28/05/1964

CHANGE OF NAME

I, SIDDHARTH BALIRAM INGLE Father of 4591837M Rank NK Name INGLE AJAY SIDDHARTH presently, residing at VILL -MARODA, PO-KAWASA, TEH-AKOT, DISTT- AKOLA (MAHARASHTRA)- 444101 I, have changed of my name from **SIDDARTH BALIRAM INGLE** (Name as per my son, Army service records) to **SIDDHARTH BALIRAM INGLE** (name as per my AADHAR CARD NO. 3640 9220 9181) vide affidavit dated 10/07/2026 formerly before Public Notary JABALPUR (MP)

CORRECT NAME
SIDDHARTH BALIRAM INGLE
INCORRECT NAME
SIDDARTH BALIRAM INGLE

खबर संक्षेप

28,372 मीट्रिक टन पहुंची राठी स्टील की बिक्री

नई दिल्ली। स्टेनलेस स्टील लॉन्ग प्रोडक्ट्स और टीएमटी बार्स क्षेत्र की प्रमुख कंपनियों में शामिल राठी स्टील एंड पावर लिमिटेड ने 30 जून 2026 को समाप्त पहली तिमाहीके लिए मजबूत परिचालन प्रदर्शन दर्ज किया है। कंपनी ने बिक्री मात्रा और कारोबार में वृद्धि हासिल की। वित्तवर्ष 2027 की पहली तिमाही में कंपनी की कुल बिक्री मात्रा 28,372 मीट्रिक टन रही। कंपनी के स्टेनलेस स्टील उत्पादों और एमएस टीएमटी रीबार के विविध उत्पाद पोर्टफोलियो तथा बाजार विस्तार की रणनीति के कारण संभव हुआ।

सैमसंग गैलेक्सी फोल्डेबल का प्री-रिजर्वेशन शुरू

गुरुग्राम। सैमसंग ने भारत में अपनी अगली गैलेक्सी फोल्डेबल स्मार्टफोन सीरीज़ के लिए प्री-रिजर्वेशन शुरू करने की घोषणा की है। ग्राहक इन नए फोल्डेबल डिवाइसों को ग्लोबल लांच से पहले प्री-रिजर्व कर सकते हैं। ग्राहक 999 रुपए की रिफंडेबल टोकन राशि देकर आगामी गैलेक्सी फोल्डेबल स्मार्टफोन्स का प्री-रिजर्वेशन कर सकते हैं। यह सुविधा सेमसंगडॉटकॉम, सैमसंग एक्सक्लूसिव स्टोर्स, अमेजनडॉटइन,फ्लिपकार्टडॉटकॉम और देशभर के प्रमुख रिटेल स्टोर्स पर उपलब्ध है।

फ्लिपकार्ट की फूड एंड न्यूट्रिशन कैटेगरी में 50% की वृद्धि, टियर-2 शहरों से बढ़ी मांग

नई दिल्ली। घरेलू ई-कॉमर्स मार्केटप्लेस फ्लिपकार्ट ने अपनी फूड एंड न्यूट्रिशन कैटेगरी में सालाना आधार पर 50 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की है। कंपनी के अनुसार इस बढ़ोतरी में जेन-जी ग्राहकों, टियर-2 और टियर-3 शहरों के उपभोक्ताओं तथा फ्लिपकार्ट मिनट्स की अहम भूमिका रही है, जिसकी कुल मांग में 25 प्रतिशत हिस्सेदारी रही।फ्लिपकार्ट के वाइस प्रेसिडेंट (कंज्यूमेबल्स) निशांत दलाल ने कहा कि उपभोक्ता अब स्वास्थ्य और पोषण से जुड़े उत्पादों को प्राथमिकता दे रहे हैं। प्रोटीन ओट्स, प्रोटीन मूसली, हाई-प्रोटीन पीनट बटर, ड्राई फ्रूट्स, ऑलिव ऑयल, कोल्ड-प्रेस्ड ऑयल और प्रीमियम हेल्थ फूड की मांग में उल्लेखनीय बढ़ोतरी दर्ज की गई है। कंपनी ने बताया कि पिछले एक वर्ष में इन उत्पादों की ऑनलाइन खोज में 80 प्रतिशत तक वृद्धि हुई है। कंपनी के तीसरे फ्लिपकार्ट फूड फेस्ट 2026 में 50 से अधिक ब्रांड, 1,000 से ज्यादा क्रिएटर्स और कई सेलिब्रिटी शेफ शामिल हुए। आयोजन में 10 से अधिक नए उत्पाद लॉन्च किए गए, जबकि 7 से 15 जुलाई तक ग्राहकों के लिए विशेष इन-ऐप ऑफर्स भी उपलब्ध कराए गए।

एमडी कुमार पुरुषोत्तम ने मिशन मोड पर डीपीसी के दिए निर्देश

16 साल बाद मंडी बोर्ड के अधिकारी-कर्मचारियों को मिली पदोन्नति की सौगात, पहले चरण में करीब 50 को मिला लाभ

मप्र के 1,000 से अधिक अधिकारी और कर्मचारी पदोन्नति प्रक्रिया से लाभान्वित होंगे

शेष पात्र कर्मचारियों की पदोन्नति प्रक्रिया भी चरणबद्ध तरीके से पूरी किए जाने की है तैयारी

वाणिज्य प्रतिनिधि ▶▶ भोपाल

मध्यप्रदेश राज्य कृषि उपज विपणन (मंडी) बोर्ड के अधिकारी और कर्मचारियों को करीब 16 वर्ष बाद पदोन्नति की सौगात मिली है। विभागीय पदोन्नति समिति (डीपीसी) की अनुशंसा पर मंडी बोर्ड के प्रबंध संचालक एवं आयुक्त कुमार पुरुषोत्तम के निर्देश पर पहले चरण में करीब 50 अधिकारियों और कर्मचारियों के पदोन्नति आदेश जारी किए गए हैं।

जानकारी के अनुसार, मंडी बोर्ड मुख्यालय के चक्कर लगाए बिना ही अधिकारियों और कर्मचारियों को पदोन्नति का लाभ मिला, जिससे विभाग में खुशी का माहौल है। इससे पहले वर्ष 2010 में तत्कालीन प्रबंध संचालक एवं आयुक्त अजातशत्रु श्रीवास्तव के कार्यकाल में बड़े स्तर पर पदोन्नतियां हुई थीं।

कुमार पुरुषोत्तम का आभार व्यक्त करते योगेश नागले

विभिन्न संवर्गों में पदोन्नति आदेश जारी

मंडी बोर्ड अधिकारियों के अनुसार मध्यप्रदेश शासन में पदोन्नति प्रक्रिया शुरू होने के बाद मंडी बोर्ड के एमडी कुमार पुरुषोत्तम ने मिशन मोड में डीपीसी की प्रक्रिया पूरी कराते हुए लंबित मामलों का निराकरण कराया। इसके बाद विभिन्न संवर्गों में पदोन्नति आदेश जारी किए गए। बताया जा रहा है कि पहले चरण में संयुक्त संचालक, उप संचालक, सहायक संचालक, अनुभाग अधिकारी, सचिव-'अ' तथा अन्य पदों पर पदोन्नतियां की गई हैं।

अफसर से लेकर चतुर्थ श्रेणी तक की डीपीसी

उप संचालक से संयुक्त संचालक पद पर श्रीमती प्रवीण चौधरी (मुख्यालय भोपाल), प्रवीण कुमार वर्मा (आंचलिक कार्यालय इंदौर), नितिन कोल्हे (मुख्यालय भोपाल) पदोन्नत किए गए है। जबकि सहायक संचालक एवं लेखाधिकारी से उप संचालक पर में अतुल निपाणे, अविनाश पाठे, करुणेश कुमार तिवारी,सुश्री अनुपमा जैन, सुश्री सोना जायसवाल, लक्ष्मण वास्केल सहित कुछ अधिकारी उप संचालक बने हैं। इसके अलावा अनुभाग अधिकारी एवं सहायक सांख्यिकी अधिकारी से सहायक संचालक बने अधिकारियों में राजेंद्र झारिया, राजेश कुमार, श्रीमती सुनैना प्रसाद सहित तीन अधिकारियों पदोन्नति हुई है। जबकि अपर संचालक पद पर दो अधिकारियों को पदोन्नति हुई। संयुक्त संचालक से अपर संचालक पद पर रोहिणी प्रसाद चक्रवर्ती और सुश्री संगीता ढोके को पदोन्नत किया गया है। साथ ही सचिव-ब से सचिव-अ पद पर पदोन्नत अधिकारियों में सुश्री ऋतु गढ़वाल, योगेश नागले, ओमप्रकाश खेड़े, सुरेश कुमार परते, रस्सू वसुनिया, अर्चना सहलाम, रजनी वर्मा, सविता धुर्वे, किशोर कुमार नरगावें, हिम्मत सिंह जमरा, अरविंद कुमार परिहार के नाम शामिल है। सहायक वर्ग-1 से अनुभाग अधिकारी पद पर शंकर गोखे, चिमनलाल अहिरवार, रामलाल बोरिया, श्रीमती मीनू राठौर, गोविंद प्रसाद मरावी, श्रीमती सुषमा राजपूत, सहदेव सिकदर, श्रीमती ललिता साठे, आशीष सक्सेना, रवि प्रकाश नाग पदोन्नत हुए हैं।

पदोन्नत अधिकारियों को तत्काल प्रभाव से उच्च पद का कार्यभार ग्रहण के दिए निर्देश

सभी पदोन्नतियां सर्वोच्च न्यायालय में लंबित विशेष अनुमति याचिका (एसएलपी) क्रमांक 13954/2016 तथा भविष्य में सर्वोच्च न्यायालय एवं उच्च न्यायालय द्वारा पारित होने वाले आदेशों के अधीन है। सभी पदोन्नत अधिकारियों को तत्काल प्रभाव से वर्तमान पद से कार्यमुक्त कर उच्च पद का कार्यभार ग्रहण करने के निर्देश दिए गए हैं। साथ ही, मध्यप्रदेश लोक सेवा पदोन्नति नियम, 2025 के तहत वेतन निर्धारण के लिए संबंधित अधिकारियों को आदेश प्राप्ति के एक माह के भीतर अपना विकल्प प्रस्तुत करना होगा।

कुमार पुरुषोत्तम
प्रबंध संचालक, मंडी बोर्ड

अंतरिक्ष विज्ञान अनुसंधान को मिलेगा नया आयाम

वीआईटी यूनिवर्सिटी में एनएआरएल ने स्थापित किया जीएनएसएस रिसीवर

इससे अंतरिक्ष विज्ञान, भू-स्थानिक अनुसंधान को नई गति मिलेगी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

वीआईटी भोपाल यूनिवर्सिटी ने अंतरिक्ष विज्ञान अनुसंधान के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। भारत सरकार के अंतरिक्ष विभाग के अंतर्गत कार्यरत राष्ट्रीय वायुमंडलीय अनुसंधान प्रयोगशाला (एनएआरएल) ने विश्वविद्यालय परिसर में जीएनएसएस (ग्लोबल नेविगेशन सैटेलाइट सिस्टम) रिसीवर प्रणाली स्थापित की है। यह स्थापना एनएआरएल की 'नॉर्थ–साउथ चेन फॉर आयनोस्फीयर एंड स्पेस वेदर ऑब्जर्वेशन' परियोजना के तहत की गई है।

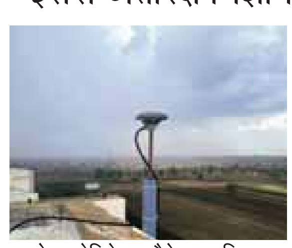
ग्लोबल नेविगेशन सैटेलाइट सिस्टम

विश्वविद्यालय के अनुसार, यह अत्याधुनिक प्रणाली आयनोस्फीयर और अंतरिक्ष मौसम (स्पेस वेदर) के अध्ययन के लिए महत्वपूर्ण डेटा उपलब्ध कराएगी। इससे अंतरिक्ष विज्ञान, स्वदेशी नेविगेशन तकनीक और भू-स्थानिक अनुसंधान को नई गति मिलेगी। यह जीएनएसएस रिसीवर टोटल इलेक्ट्रॉन कंटेंट , आयनोस्फेरिक सिंटिलेशन, सिग्नल क्षरण, लॉस ऑफ लॉक तथा सौर और भू-चुंबकीय गतिविधियों से उत्पन्न आयनोस्फेरिक बदलावों की निरंतर निगरानी करेगा। इससे प्राप्त आंकड़े अंतरिक्ष मौसम, भूगणित, उपग्रह नेविगेशन और पोजिशनिंग-नेविगेशन-टाइमिंग से जुड़े शोध कार्यों में उपयोगी साबित होंगे।

विश्वविद्याल अनुसंधान ढांचे को और मजबूत करेगी

परियोजना के विश्वविद्यालय समन्वयक एवं वीआईटी भोपाल के वरिष्ठ सहायक प्राध्यापक डॉ. शरद चन्द्र त्रिपाठी ने कहा कि यह सुविधा विश्वविद्यालय के अनुसंधान ढांचे को और मजबूत करेगी। उनके अनुसार, इससे शोधकर्ताओं और विद्यार्थियों को जीएनएसएस, स्वदेशी नेविगेशन तकनीक और स्पेस वेदर जैसे क्षेत्रों में वास्तविक समय के वैज्ञानिक आंकड़ों पर काम करने का अवसर मिलेगा और राष्ट्रीय स्तर के अनुसंधान संगठनों के साथ सहयोग को भी बढ़ावा मिलेगा।

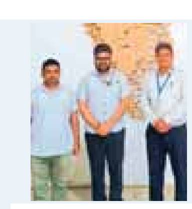

खाद्य विश्लेषक कर न्यायालय के निर्देशों की अनदेखी

जांच रिपोर्ट में देरी,मिलावट के मामलों में एक्शन पर असर, बच रहे मिलावटखोर

वाणिज्य प्रतिनिधि ▶▶ भोपाल

मध्यप्रदेश के खाद्य एवं औषधि सुरक्षा प्रशासन की कार्यप्रणाली एक बार फिर सवालों के घेरे में है। खाद्य विश्लेषकों पर आरोप है कि वे खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम में निर्धारित समय-सीमा के भीतर जांच रिपोर्ट संबंधित अधिकारियों को नहीं भेज रहे हैं और अगर रिपोर्ट भेज दी भी जाती है संबंधित अधिकारी रिपोर्ट को अमल लाते हुए कार्रवाई सुनिश्चित नहीं कर रहे हैं जिससे मिलावट के मामलों में कार्रवाई प्रभावित हो रही है। विभागीय सूत्रों से प्राप्त जानकारी के अनुसार अधिनियम के तहत खाद्य विश्लेषक को सामान्यतः 14 दिनों के भीतर जांच रिपोर्ट भेजनी होती है। यदि किसी कारणवश यह संभव नहीं हो, तो उसे देरी का कारण बताते हुए संबंधित डेजिनेटेड अधिकारी को लिखित सूचना देनी होती है। लेकिन कई मामलों में न तो समय पर रिपोर्ट भेजी जा रही है और न ही देरी का कारण बताया जा रहा है। हाल ही में एक मामले की न्यायालय में सुनवाई के दौरान भी जांच रिपोर्ट में हुई देरी का मुद्दा उठा।

इस मामले के बाद खाद्य विश्लेषकों की कार्यप्रणाली और जवाबदेही को लेकर सवाल और तेज हो गए हैं। विभागीय सूत्रों का दावा है कि खाद्य सुरक्षा अधिकारी समय पर नमूने लेकर उन्हें प्रयोगशाला तक पहुंचा देते हैं। प्रयोगशाला में प्रारंभिक जांच भी समय पर पूरी हो जाती है, लेकिन अंतिम रिपोर्ट संबंधित जिलों को भेजने में कई बार सप्ताहों या महीनों की देरी हो जाती है। इससे मैदानी अमले की कार्रवाई कमजोर पड़ने और न्यायिक प्रक्रिया प्रभावित होती है।

रिपोर्ट जारी करने की प्रक्रिया का ऑडिट कराया जाए

खाद्य विभाग अधिकारियों का कहना है कि यदि रिपोर्ट में अनावश्यक देरी होती है, तो इसका लाभ आरोपित व्यापारियों को मिलता है और मिलावट के मामलों में अभियोजन कमजोर पड़ सकता है। विभागीय सूत्रों ने कहाकि रिपोर्ट भेजने में देरी के मामले लगातार सामने आ रहे हैं, अतः इसकी उच्चस्तरीय जांच कर यह तय किया जाना चाहिए कि देरी के लिए कौन जिम्मेदार है । इसके साथ ही यह भी सुझाव दिया है कि खाद्य प्रयोगशालाओं में रिपोर्ट जारी करने की प्रक्रिया का ऑडिट कराया जाए, ताकि पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित हो सके।

पुराने भोपाल के जनकपुरी थोक बाजार का मामला

खुले नाले में गिरा व्यापारी का स्कूटर, घायल हो रहे राहगीर

वाणिज्य प्रतिनिधि ▶▶ भोपाल

पुराने भोपाल के जनकपुरी स्थित थोक किराना बाजार में खुला नाला व्यापारियों और आगंतुकों के लिए आफत बने हुए है। खुले नाला में व्यापारी और यहां पहुंचने वाले लोगों की दुपहिया वाहन गिर रहे हैं जिससे वे घायल हो रहे है। शुक्रवार को एक व्यापारी की एक्टिवा स्कूटर खुले नाले में गिर गई, जिससे वह घायल हो गया। हादसे के बाद स्थानीय व्यापारियों में नगर निगम के प्रति नाराजगी देखी गई। व्यापारियों का कहना है कि बाजार क्षेत्र में नाला लंबे समय से खुला पड़ा है। इसकी शिकायत कई बार नगर निगम से की जा चुकी है, लेकिन अब तक नाले को ढकने या सुरक्षा के कोई पुख्ता इंतजाम नहीं किए गए हैं। व्यापारी अनुपम अग्रवाल के अनुसार, यह पहली घटना नहीं है। इससे पहले भी खुले नाले के कारण कई लोग हादसे का शिकार होकर घायल हो चुके हैं। व्यापारियों ने आरोप लगाया कि शिकायतों के बावजूद प्रशासन द्वारा कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई। व्यापारियों ने नगर निगम से मांग की है कि दुर्घटनाओं को रोकने के लिए खुले नाले को तत्काल ढका जाए और बाजार क्षेत्र में आवश्यक सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित की जाए।

नाले में गिरे स्कूटर को निकलते हुए

20 टीमों ने नवाचार, गुणवत्ता एवं समस्या समाधान के उत्कृष्ट मॉडल प्रस्तुत किए

सीआईआई मप्र की 37वीं क्वालिटी सर्कल प्रतियोगिता संपन्न

वाणिज्य प्रतिनिधि ▶▶ भोपाल

भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) मध्यप्रदेश द्वारा भोपाल में 37वीं क्वालिटी सर्कल प्रतियोगिता का सफल आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में 11 प्रतिष्ठित औद्योगिक इकाइयों की 20 टीमों ने भाग लिया और अपने-अपने उद्योगों में अपनाई गई गुणवत्ता सुधार, नवाचार एवं समस्या समाधान से जुड़े सफल प्रोजेक्ट प्रस्तुत किए। यह प्रतियोगिता कर्मचारियों को अपने अनुभव साझा करने, एक-दूसरे से सीखने तथा उद्योगों में गुणवत्ता आधारित कार्य संस्कृति को बढ़ावा देने का एक प्रभावी मंच साबित हुई। विभिन्न औद्योगिक क्षेत्रों से आई टीमों ने अपने नवाचार, कार्यप्रणाली और सर्वोत्तम प्रथाओं को प्रस्तुत कर निरंतर सुधार की भावना को मजबूत किया। प्रतियोगिता में विशेषज्ञ निर्णायक मंडल द्वारा प्रस्तुतियों एवं प्रश्नोत्तर के आधार पर विजेताओं की घोषणा की गई। इस अवसर पर सी.पी. शर्मा, पूर्व अध्यक्ष, सीआईआई मध्यप्रदेश एवं प्रबंध निदेशक, दौलतराम इंजीनियरिंग ने कहा कि नवाचार केवल एक विकल्प नहीं, बल्कि वर्ष 2047 तक भारत को 30 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने के लक्ष्य की मजबूत नींव है। सीआईआई पदाधिकारियों ने सभी विजेता एवं प्रतिभागी टीमों को बधाई दी। जिससे उन्हें अपने नवाचारों एवं उत्कृष्ट कार्यों को राष्ट्रीय मंच पर प्रदर्शित करने का अवसर मिलेगा।

नवाचारों एवं उत्कृष्ट कार्य करने वाला राष्ट्रीय मंच

सूचना - पाठकों से अनुरोध है कि हरिभूमि समाचार पत्र में प्रकाशित सभी प्रकार के विज्ञापनों (डिस्प्ले एवं रनिंग क्लासीफाइड) में दिए गए तथ्यों के बारे में अपने विवेक से निर्णय लें। हरिभूमि समूह की विज्ञापनों के तथ्यों से संबंधित कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।

राशिफल

मेष — मन प्रसन्न रहेगा। नौकरी के लिए परीक्षा एवं साक्षात्कारादि कार्यों में सफलता मिलेगी। सन्तान के स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

वृष — आत्मविश्वास भरपूर रहेगा। नौकरी में कार्यक्षेत्र में सुधार होगा, परन्तु परिश्रम अधिक रहेगा।आय में कमी एवं खर्च अधिक की स्थिति रहेगी।

मिथुन — आत्मविश्वास में कमी रहेगी। परिवार का साथ मिलेगा। धर्म के प्रति श्रद्धाभाव रहेगा। वस्त्रों पर खर्च बढ़ सकते हैं। मन अशान्त रहेगा।

कर्क — परिश्रम अधिक रहेगा। सेहत का ध्यान रखें। कुटुम्ब-परिवार में धार्मिक कार्य हो सकते हैं। भाइयों के सहयोग से कारोबार को गति मिल सकती है।

सिंह — व्यर्थ के क्रोध एवं वाद-विवाद से बचें।वस्त्रों आदि पर खर्च बढ़ सकते हैं। आय की स्थिति में सुधार होगा। सेहत का ध्यान रखें। सन्तान सुख में वृद्धि होगी।

कन्या — क्रोध एवं आवेश के अतिरेक से बचें। परिवार में शान्ति एवं सद्भाव बनाये रखने के लिए प्रयास करें। नौकरी में उच्च पद की प्राप्ति होगी।

तुला — स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा। शैक्षिक कार्यों के सुखद परिणाम मिलेंगे। सम्पत्ति में वृद्धि होगी।

वृश्चिक — कार्यक्षेत्र का विस्तार होगा। शैक्षिक कार्यों पर ध्यान दें। मानसिक शान्ति बनाये रखें। माता का सानिध्य मिलेगा। धर्म के प्रति श्रद्धाभाव रहेगा।

धनु — मित्रों के साथ धार्मिक स्थान की यात्रा पर जा सकते हैं। घर-परिवार में धार्मिक-मांगलिक कार्य होंगे। भवन की साज-सज्जा पर खर्च अधिक रहेंगे।

मकर — आलस्य में वृद्धि हो सकती है। कारोबार में परिश्रम अधिक रहेगा, लेकनि परिणाम संदिग्ध हैं। शैक्षिक कार्यों में व्यवधान आ सकते हैं।

कुंभ — खर्च बढ़ेंगे। आय के साधन बन सकते हैं। नौकरी में इच्छा-विरुद्ध कोई अतिरिक्त जिम्मेदारी मिल सकती है। परिश्रम की अधिकता रहेगी।

मीन — कारोबार में सुधार के लिए भाई-बहनों का सहयोग मिल सकता है। जीवनसाथी से वैचारिक मतभेद हो सकते हैं। रहन-सहन कष्टदायी होगा। तनाव से बचें।

स्वराज ने मप्र में लॉन्च किया नया 855 प्रोटेक ट्रैक्टर

मुंबई/भोपाल। महिंद्रा समूह की कंपनी स्वराज ट्रैक्टर्स ने मध्य प्रदेश में अपना नया स्वराज 855 प्रोटेक ट्रैक्टर लॉन्च किया है। 2WD और 4WD विकल्पों में उपलब्ध यह ट्रैक्टर आधुनिक तकनीक, दमदार प्रदर्शन और स्मार्ट फीचर्स से लैस है, जिससे किसानों को अधिक उत्पादकता, बेहतर दक्षता और आरामदायक संचालन मिलेगा।कंपनी के अनुसार ट्रैक्टर में 12 फॉरवर्ड व 3 रिवर्स गियर, 2,500 किलोग्राम लिफ्टिंग क्षमता, स्मार्ट कनेक्ट टेलीमैटिक्स सिस्टम, 70 लीटर फ्यूल टैंक और 500 घंटे का सर्विस इंटरवल जैसी सुविधाएं दी गई हैं। इसमें रियल-टाइम लोकेशन, ईंधन की जानकारी, सर्विस अलर्ट और सुरक्षा संबंधी स्मार्ट फीचर्स भी उपलब्ध हैं। स्वराज डिवीजन के सीईओ गगनजोत सिंह ने कहा कि प्रोटेक किसानों की जरूरतों को ध्यान में रखकर विकसित किया गया है और मध्य प्रदेश जैसे प्रमुख कृषि राज्य के लिए यह विशेष रूप से उपयोगी साबित होगा।

RAMP योजना के तहत मंडला में दो दिवसीय MSME जागरूकता कार्यशाला संपन्न

मंडला। सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्रालय की RAMP योजना के अंतर्गत मध्यप्रदेश लघु उद्योग निगम (MPLUN) ने जिला व्यापार एवं उद्योग केन्द्र (DTIC) के सहयोग से मंडला में दो दिवसीय कॉम्पोजिट MSME जागरूकता कार्यशाला आयोजित की। कार्यशाला में MSME उद्यमियों, स्टार्टअप्स, व्यापारियों, युवाओं एवं स्वयं सहायता समूहों (SHGs) को उद्यम स्थापना, व्यवसाय विस्तार, डिजिटल मार्केटिंग, वित्तीय सहायता, गुणवत्ता प्रमाणन तथा सरकारी योजनाओं की विस्तृत जानकारी दी गई। कार्यक्रम में दिनेश कुमार मरस्कोले, अनिल विरानी, सुरेंद्र पमनानी एवं उद्योगपति गिरीश जी ने स्थानीय उद्यमिता को रोजगार और आर्थिक विकास का आधार बताते हुए युवाओं को शासन की योजनाओं का लाभ उठाने का आह्वान किया। वहीं विशेषज्ञ मयूर कुमार शर्मा, हिरेन्द्र ठाकुर, हेमंत झा, सुधा एवं चंदन बाधवानी ने ONDC, ZED, IPR, GI, SHG Formalization, वित्तीय सशक्तिकरण एवं डिजिटल प्लेटफॉर्म के माध्यम से व्यवसाय विस्तार पर मार्गदर्शन दिया।

शब्द पहेली - 6283

बाएँ से दाएँ
1.महीन व कीमती कपड़ा-4
3.गिरवी रखी वस्तु-3
5.चहा,पेय पदार्थ-2
6.ऐयार,गुप्तचर-3
7.संध्या,सांझ-2
9.रसद,किराणा सामग्री-3
11.करामात,करतब-5
14.विक्रय स्थल-3
16.कलाकार-4
17.चाहत,लगन-2
18.सद्,अच्छा-2
19.लंबा कोट-4
23.पानी की बूंद-3
24.कमर में पहना जाने वाला आभूषण-5
27.लोभ,लालसा-3
28.दौड़ना(अंग्रेजी-2)
30.रेखा,लाइन-3
31.अकुवा,आकड़ा-2
32.अव्यवस्थित भीड़-3
33.अचानक,सहसा-4

ऊपर से नीचे
1.शराब-2
2.सम्राट,शहंशाह-4
3.सांभर जैसा खाद्य-3
4.सरुर, मद-2
5.चापलूस-4
6.प्राण, जीवन तत्व-2
8.चिंतन-3
10.भद्र, कुलीन-3
12.अपराध-3
13.पिता का भाई-2
15.यात्री दल-3
17.प्रेम लगन-3
18.भ्रमर,जलावर्त-3
20.चमड़ी,त्वचा-2
21.अनुकृति-3
22.आर्द्रक-4
23.कटि,मध्यांग-3
25.हठ करना, जिद करना,रोना-4
26.साजन,सनम-3
27.थूक,लेस-2
29.भीगा हुआ-2
31.उम्मीद,आशा-2

शब्द पहेली- 6282 का हल

	स	ह	का	रि	ता		अ	चा	न	क
हा	र		य		ना	वि	क		त	र
थ		त	र	जु	मा		ल	ता		दा
मा	कू	ल			र	थ		क	वि	ता
र		घ		फ	ना		खा		र	
ना	म	र	ख	ना		रा	ज	म	ह	ल
	थ		त		मो	ह		ह		प
क	ना	त		रा	ह			क	पा	ल
र		ना	प		त	म	क	ना		पा
ता	ना		ली	ड	र		थ		का	ना
र	च	यि	ता		मा	ख	न	चो	र	

सूडोकू नवताल - 6293

★★★★★ कठिनतम

	9				6			
	1					2		
5			7				3	
			4					6
		3				9		
4					8			
	7				9			8
		2					1	
			3				4	

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं।
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें।
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते।
- पहेली का केवल एक ही हल है।

सूडोकू नवताल - 6292 का हल

6	5	8	9	1	4	2	7	3
1	2	7	3	5	8	6	4	9
3	4	9	7	2	6	1	5	8
2	3	6	1	4	5	9	8	7
8	9	5	2	7	3	4	1	6
4	7	1	6	8	9	3	2	5
7	6	4	5	3	1	8	9	2
9	8	2	4	6	7	5	3	1
5	1	3	8	9	2	7	6	4

MANGAL SENACHA BANGALORE

म्यूजिकल लव स्टोरी में नजर आएंगे आदित्य, मिलाप करेंगे निर्देशन

नई दिल्ली। बॉलीवुड एक्टर आदित्य रॉय कपूर जल्द ही डायरेक्टर मिलाप जावेरी की एक नई फिल्म में नजर आने वाले हैं। यह एक्शन और बेहतरीन गानों से भरपूर एक अनोखी म्यूजिकल लव स्टोरी होगी। फिल्म निर्माता भूषण कुमार और आदित्य रॉय कपूर एक बार फिर साथ आ रहे हैं। इससे पहले दोनों आशिकी 2 और मलंग जैसी हिट फिल्मों में साथ काम कर चुके हैं। अब दोनों साथ में एक म्यूजिकल लव स्टोरी लेकर आ रहे हैं। इस फिल्म का निर्देशन मिलाप जावेरी करेंगे। मिलाप जावेरी और आदित्य रॉय कपूर एक म्यूजिकल लव स्टोरी लेकर आ रहे हैं। मिलाप जावेरी ने कहा कि आदित्य में प्यार और दर्द को पर्दे पर दिखाने का एक अनोखा टैलेंट है। इस फिल्म में उनका किरदार काफी गहरा और दमदार होगा, जिसे दर्शक बेहद पसंद करेंगे।

लाइफ Style

अंजलि

बिना ऑडिशन धमाल 4 में हुई एंट्री

पहले मैंने टेलीविजन पर काम किया था, इसलिए जो लोग टीवी देखते थे, वे मुझे जानते थे। फिल्म इंडस्ट्री के बहुत ज्यादा लोग मुझे नहीं जानते थे। फिल्म रॉकी और रानी की प्रेम कहानी ने मेरे लिए यह बदल दिया। इंडस्ट्री के लोग मुझे पहचानने लगे। अब किसी को दोबारा परिचय नहीं देना पड़ता है। यह कहना है अभिनेत्री अंजलि आनंद का।

एजेंसी ⏭ मुंबई

अंजलि आनंद शुक्रवार को रिलीज हुई फिल्म 'धमाल 4' में कामेडी करती दिख रही हैं। धमाल 4 से जुड़ने को लेकर वह कहती है कि मुझे लगता है कि यह फिल्म मेरे हिस्से में आनी ही थी। जब मेरी डायरेक्टर इंद्र कुमार से मुलाकात हुई, तो हमने करीब ढाई घंटे तक फिल्म की बात ही नहीं की। हम उनकी पुरानी फिल्मों के बारे में बातें करते रहे। फिर उन्होंने बस इतना कहा कि बेटा, मुझे तुम्हारा आडिशन लेने की जरूरत नहीं है। तुम इस फिल्म का हिस्सा हो। मुझे लगता है कि उन्होंने फिल्मों के प्रति मेरा प्यार देखा। उन्होंने मेरा दूसरा कोई काम भी नहीं देखा था, लेकिन शुरू से ही मुझ पर भरोसा किया। अंजलि कहती हैं कि बचपन से धमाल, भागम भाग, भूल भुलैया, गोलमाल से लेकर फिर हेरा फेरी तक मैंने सारी कॉमेडी फिल्में देखी हैं। ये मेरे दोस्तों की भी पसंदीदा फिल्में हैं। उनके डायलॉग आज भी हम सबको जुबानी याद हैं। मैं तो बस उस पल का इंतजार कर रही थी, जब मुझे भी अपना हुनर दिखाने का मौका मिलेगा और मैं यह साबित कर पाऊंगी कि मैंने इन सभी फिल्मों से बहुत कुछ सीखा है। अंजलि ने आगे कहा, 'अब उनके साथ परफार्म करने को मिल रहा है। सच कहूं तो मेरा अंदर का बच्चा बहुत खुश था। रितेश देशमुख से जब मैं पहली बार से मिली, तो मैंने उनसे कहा कि आपने जो फिल्म हे बेबी में शावर वाले सीन में गाना गाया था, उसे मैं आज तक नहीं भूल पाई हूं।

हॉलीवुड मसाला

ड्यून 3 में खतरनाक हुई जंग...

लॉस एंजिल्स। ड्यून 3 का आखिरकार ट्रेलर रिलीज हो चुका है, जो इस साइंस-फिक्शन सीरीज का आखिरी चैप्टर है। ट्रेलर में शानदार विजुअल्स और इमोशनल ड्रामा की झलक देखने को मिलती है। टिमोथी चालमेट एक बार फिर पॉल एट्राइड्स के रोल में नजर आ रहे हैं। लेकिन इस बार पॉल के सामने सबसे बड़ी चुनौती उसके नाम पर हो रही जंग के खतरनाक नतीजे हैं। ट्रेलर में वह अपनी ताकत और फैसलों के बोझ से जूझता दिख रहा है। जेंडाया भी ट्रेलर में नजर आती हैं। लेकिन, इस बार पॉल और चानी के रिश्ते में दरार साफ दिखती है। 'ड्यून पार्ट 2' के बाद दोनों के बीच दूरियां बढ़ गई हैं।

9 साल छोटी गर्लफ्रेंड संग ब्रैड का रिश्ता कनफर्म

नई दिल्ली। एंजेलिना जोली से अलग होने के बाद ब्रैड पिट फिर से प्यार में पड़ चुके हैं। वह खुद से 9 साल छोटी ज्वेलरी डिजाइनर को डेट कर रहे हैं, जिनके साथ उनकी रोमांटिक फोटोज सामने आई है। दरअसल, हॉलीवुड के सुपरस्टार ब्रैड पिट इन दिनों फेमस ज्वेलरी डिजाइनर इनेस डी रेमन को डेट कर रहे हैं। दोनों करीब दो साल से एक-दूसरे को डेट कर रहे हैं, लेकिन हाल ही में उन्होंने अपना रिश्ता इंस्टाग्राम पर ऑफिशियल किया है। सोशल मीडिया पर ब्रैड पिट और इनेस डी रेमन की लेटेस्ट फोटोज आग लगा रही हैं। ये तस्वीरें टेलर स्विफ्ट और ट्रैविस केल्स की शादी के फंक्शन की हैं। इनेस ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर ब्रैड पिट संग अपनी फोटोज को रीशेयर किया है जिसे सेलिब्रिटी हेयरस्टाइलिस्ट लौरी जानोलेटी ने इंस्टाग्राम अकाउंट पर शेयर किया। हेयरस्टाइलिस्ट ने दोनों की तस्वीरें शेयर करते हुए कैप्शन में लिखा, 'न्यूयॉर्क के एक खास पल के लिए मेरे फेवरेट लवर्स इनेस और ब्रैड पिट।'

मुखबिरः द स्टोरी ऑफ स्पाई का धुरंधर से तुलना

नई दिल्ली। सच्ची घटना पर आधारित एक और नई फिल्म 'मुखबिरः द स्टोरी ऑफ स्पाई' का ट्रेलर रिलीज कर दिया गया है। इसे देख यूजर्स 'धुरंधर' से तुलना कर रहे हैं। जिस तरह हमजा ने पाकिस्तान में घुसकर धज्जियां उड़ाई थीं, उसी तरह इस बार हरफन बुखारी है। कई सच्ची घटनाओं पर आधारित 'धुरंधर' के बाद अब एक और जासूसी फिल्म आ रही है, जिसमें 'धुरंधर' जैसा ही दमखम देखने को मिलने वाला है। इस फिल्म का नाम है 'मुखबिरः द स्टोरी ऑफ ए स्पाई' और फिल्म की कास्ट भी काफी दमदार है। फिल्म का ट्रेलर रिलीज कर दिया गया है, जो चर्चा में है। मालूम हो कि पहले 'मुखबिर' एक वेब सीरीज के तौर पर रिलीज की गई थी, पर अब फिल्म बनाकर रिलीज की जा रही है। जिस तरह 'धुरंधर' में मौत की सजा पाए जसकीरत सिंह रंगी को एक भारतीय जासूस बनाकर पाकिस्तान हमजा अली मजारी के नाम से भेजा जाता है।

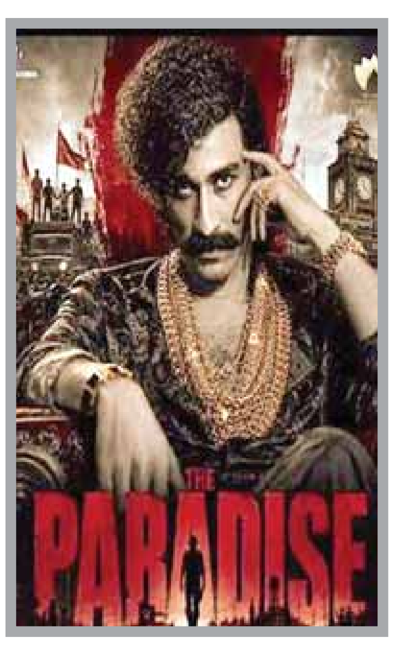

द पैराडाइज से राघव का नया पोस्टर जारी

मुंबई। फिल्म 'द पैराडाइज' में राघव जुयाल अहम भूमिका में नजर आएंगे। उनके किरदार का नाम विक्रम मालिक है। इस फिल्म में अभिनेता का नेगेटिव रोल है। शुक्रवार को राघव के जन्मदिन के मौके पर मेकर्स ने फिल्म से उनका पोस्टर रिलीज किया है। इसके साथ शुभकामनाएं दी हैं। राघव जुयाल ने आज इंस्टाग्राम अकाउंट से एक पोस्ट साझा किया है। इसी के साथ 'द पैराडाइज' से राघव के किरदार की झलक दिखाई है। सामने आए पोस्टर में राघव जुयाल मुंह में सिगरेट दबाए धुआं के छल्ले बना रहे हैं। काला चश्मा लगा रखा है और तीखे तेवर के साथ देख रहे हैं। उनका यह लुक किसी खूंखार डॉन जैसा है। किल और बैड्स ऑफ बॉलीवुड में राघव जुयाल पहले ही अपनी अदाकारी से दर्शकों का दिल जीत चुके हैं। अब वे तेलुगु फिल्म में अपने अभिनय का जलवा दिखाएंगे। इसके लिए उन्होंने ट्रांसफॉर्मेशन किया है और अपने लुक पर काफी काम किया है।

टीवी मसाला

रक्तांचल 3 में बदला और वर्चस्व का खूंखार खेल, आमने-सामने विजय-वसीम

नई दिल्ली। पूर्वांचल में माफिया की असल कहानी पर बनी वेब सीरीज 'रक्तांचल' के तीसरे सीजन का ट्रेलर रिलीज हो गया है। विजय सिंह और वसीम खान एक बार फिर आमने सामने हैं। इस बार बात सिर्फ बदले की नहीं है, बल्कि राजनीति के बदलते समीकरण और धोखेबाजी की भी है। रितम श्रीवास्तव के डायरेक्शन में बनी यह सीरीज 16 जुलाई से स्ट्रीम होगी। कहानी सिद्धार्थ मिश्रा ने लिखी है। समय ने बहुत कुछ छीना है हमसे, अब क्रोध भी नहीं है, सिर्फ एक आग है... ''रक्तांचल' सीजन 3' का ट्रेलर शुक्रवार को रिलीज हो गया है और पहले ही कुछ सेकेंड में विजय सिंह के किरदार का यह डायलॉग टोन सेट कर देता है। सच्ची घटनाओं पर आधारित इस वेब सीरीज का करीब दो मिनट का यह ट्रेलर हमें पूर्वांचल के उस खूंखार इलाके में वापस ले जाता है, जहां विजय सिंह और वसीम खान की पुरानी दुश्मनी, दबी हुई नफरत और सत्ता के नए खेल एक बार फिर भड़कने को तैयार हैं। कहानी पूर्वी उत्तर प्रदेश के पूर्वांचल इलाके के दो मशहूर माफिया की 1980 के दशक की असल घटनाओं से प्रेरित है। सीरीज में क्रांति प्रकाश झा और निकितिन धीर लीड रोल में हैं। जब 2020 में इसका पहला सीजन और फिर 2022 में दूसरा सीजन रिलीज हुआ था, तब इस सीरीज की हिंसक और राजनीतिक दुनिया ने दर्शकों का ध्यान खींचा था। अब तीसरे सीजन में बात वर्चस्व से आगे बढ़कर बदले की है।

हिना और रुबिना का नया टॉक शो हुआ ट्रोल

नई दिल्ली। टीवी के चर्चित सितारे भी अक्सर विवादों का हिस्सा बनते हैं। हाल ही में टीवी सेलेब्स से जुड़ी कुछ कंट्रोवर्सीज पर रुबिना दिलैक और हिना खान ने अपने नए टॉक शो में बात की। यह बातचीत फैंस और सोशल मीडिया यूजर्स को

नहीं पसंद आई। इस वजह से दोनों एक्ट्रेसेस को ट्रोल भी किया गया है। रुबिना दिलैक ने अपने इंस्टाग्राम पेज पर अपने नए शो 'पीओवी' का एक वीडियो शेयर किया। इसमें रुबिना के पति और एक्टर अभिनव शुक्ला भी नजर आए। साथ ही हिना खान और उनके पति रॉकी भी मौजूद दिखे। यह चारों शिल्पा शिंदे और आकांक्षा चमोला जैसी टीवी एक्ट्रेसेस की पिछली कंट्रोवर्सी पर चर्चा कर रही थीं। दोनों को लेकर अपने विचार जाहिर कर रही थीं। जब फैंस ने हिना खान और रुबिना के टॉक शो का वीडियो देखा तो उन्होंने खरी-खोटी सुना दी। दरअसल, यह दोनों ही टीवी की पॉपुलर एक्ट्रेसेस हैं, दोनों की अच्छी-खासी फैन फॉलोइंग है। इन्हें इस तरह से दूसरों एक्टर्स की कंट्रोवर्सी पर बात करते देख, फैंस को अच्छा नहीं लगा। कई सोशल मीडिया यूजर्स ने इन्हें खूब ट्रोल किया।

सिलक्यारा टनल हादसे पर बनेगी फिल्म, कबीर होंगे निर्देशक

मुंबई। आमिर खान प्रोडक्शंस, माइंड ब्लोइंग फिल्म्स और कबीर खान फिल्म्स ने नई फिल्म 'सिलक्यारा 41' का ऐलान किया है। अपकमिंग फिल्म भारत के उत्तराखंड में मौजूद सिलक्यारा टनल में हुए अद्भुत बचाव अभियान पर आधारित होगी। इस अभियान में विक्टोरिया (ऑस्ट्रेलिया) के स्थानीय हीरो और दुनिया भर में मशहूर टनलिंग एक्सपर्ट अर्नोल्ड डिक्स ने शानदार काम किया था। इस फिल्म को अवॉर्ड जीतने वाले भारतीय फिल्ममेकर कबीर खान डायरेक्ट करेंगे। इसे मशहूर ऑस्ट्रेलियाई स्क्रीनराइटर एंड्रयू एनास्टासियोस (द वॉटर डिवाइनर) ने लिखा है। यह फिल्म भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच एक रोमांचक साझेदारी को दिखाएगी। फिल्म के बारे में बात मेकर्स ने बताया 'हमें माइंड ब्लोइंग फिल्म्स और आमिर खान प्रोडक्शंस के बीच इस अहम सहयोग की घोषणा करते हुए बहुत खुशी हो रही है। सिलक्यारा टनल बचाव अभियान की कहानी ने मुझे गहराई से प्रभावित किया है। यह नामुमकिन हालात में हिम्मत, मजबूती, सूझ-बूझ और इंसानियत की कहानी है। हमें इस ऐतिहासिक दिन पर इसकी घोषणा करते हुए गर्व हो रहा है। भारत और ऑस्ट्रेलिया अपने आपसी रिश्तों में एक नया अध्याय शुरू कर रहे हैं।' ऐसे समय में जब दोनों देशों के नेता और प्रतिनिधिमंडल रिश्तों को मजबूत करने और आपसी सहयोग के नए दौर की शुरुआत करने के लिए मिल रहे हैं।

राजेश ने माचिस से शुरू किया कॅरियर परिणीता फिल्म से मिली शोहरत

नई दिल्ली। बॉलीलुड और बंगाली फिल्मों में बेहतरीन अदाकारी के लिए मशहूर अभिनेता राजेश शर्मा इन दिनों चर्चा में हैं। खबर है कि वह हैदराबाद में प्रभास की अपकमिंग फिल्म 'फौजी' की शूटिंग में बिजी थे, तभी उनकी तबीयत बिगड़ गई। उन्हें कोलकाता के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया है। राजेश शर्मा कई दशकों से इंडस्ट्री में हैं। फिल्मों और टीवी शो में काम करने वाले इस स्टार ने कई हिट प्रोजेक्ट्स में काम किया है। उनका जन्म 8 अक्टूबर 1970 को लुधियाना, पंजाब में हुआ था। उन्हें कम उम्र में ही एक्टिंग का शौक हो गया था। इसी वजह से उन्होंने नई दिल्ली के नेशनल स्कूल ऑफ ड्रामा में ट्रेनिंग ली। उन्होंने अपने करियर की शुरुआत थिएटर से की थी। एक एक्टर के तौर पर उनकी पहली फिल्म 1996 में आई 'माचिस' थी। उन्होंने कई बंगाली फिल्मों

में काम किया, जिसके बाद 2003 में 'परिणीता' फिल्म से शोहरत मिली। तब से, उन्होंने कई बड़े बजट की फिल्मों में काम किया है और भारतीय सिनेमा में लगातार सक्रिय रहे हैं। उन्होंने कई फिल्मों में अलग-अलग तरह के किरदार निभा कर अपने फैंस का दिल जीता है।

कीड़े काटने से बीमार

प्रभास की आने वाली फ़िल्म की शूटिंग के दौरान कथित तौर पर कीड़े के काटने से बीमार पड़े लोकप्रिय बंगाली अभिनेता राजेश शर्मा अब भी डॉक्टरों की निगरानी में हैं। फ़िलहाल वह ख़तरे से बाहर हैं और डॉक्टर उनका इलाज कर रहे हैं।

इन बड़ी फिल्मों में किया काम

राजेश शर्मा की बेहतरीन फिल्मों में भूल भुलैया 3, पीकू, खोसला का घोसला, द डर्टी पिक्चर, टॉयलेटः एक प्रेम कथा, तनु वेड्स मनु' और कई अन्य शामिल हैं। उन्हें स्पेशल 26 और एम.एस. धोनीः द अनटोल्ड स्टोरी से खासा पहचान मिली। राजेश शर्मा ने साल 2005 में बंगाली अभिनेत्री सुदीप्ता चक्रवर्ती के साथ शादी की थी।

रिलीज होते ही रच दिया था इतिहास, आज भी किया जाता है पसंद

लाइटर को जलाते हुए बना किशोर कुमार का ब्लॉकबस्टर गाना

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

फिल्मों में जितनी अहम स्टोरी होती है, उतना ही उसके गानें। आज हम आपको किशोर कुमार के एक गाने के बारे में बताते हैं। इस गाने को किशोर कुमार की आवाज, आर डी बर्मन के म्यूजिक और आनंद बख्शी के लिरिक्स ने सुपरहिट बना दिया था। इतना ही नहीं आप हैरान हो जाएंगे कि इस गाने का सिगरेट जलाते हुए लाइटर से जुड़ा एक दिलचस्प किस्सा है।

लाइटर जलाने से जुड़ा गाने को लेकर किस्सा

इस गाने को लेकर विशाल ददलानी ने बताया था। उन्होंने एक रिएलिटी शो के दौरान कहा था कि पंचम दा सारी रात काम करके उन्होंने गाना बनाया था। जब धुन बनकर तैयार हो गई तो उन्होंने फिर इसे आनंद बख्शी को दिया ताकि वो इसके लिरिक्स लिख सकें। उस समय अब बारिश का मौसम था। आनंद बख्शी रात में घर जा रहे थे और रास्ते में वह सिगरेट जलाने की कोशिश कर रहे थे, लेकिन बारिश की वजह से उनका लाइटर जल नहीं रहा था और बार-बार वो बुझ रहा था। तभी उनके दिमाग में एक लाइन आई कि चिंगारी कोई भड़के तो सावन उसे बुझाए। बस इसी के बाद उन्होंने गानों की शुरुआत की।

कौनसा था वो गाना

हम जिस गाने की बात कर रहे हैं वो है चिंगारी कोई भड़के। यह गाना फिल्म अमर प्रेम का है जिसमें राजेश खन्ना, शर्मिला टैगौर, विनोद मेहरा अहम किरदार में थे। अब आपको बताते हैं इस गाने से जुड़ा दिलचस्प किस्सा।

बख्शी साहब ने अमर बना दिया गाना

विशाल ने फिर कहा था, 'असली कलाकार वही होते हैं जो जिंदगी की साधारण घटनाओं को इतना खूबसूरत बना दें कि वो हमेशा के लिए लोगों के दिल में बस जाए। एक आम इंसान शायद इस घटना को नजरअंदाज कर देता, लेकिन बख्शी साहब जैसे गीतकार ने उस मोमेंट को उन लाइन से गाने को अमर बना दिया।'यह गाना काफी सुपरहिट हुआ था और आज भी इस गाने को काफी पसंद किया जाता है।

आरडी बर्मन ने की थी खूब मेहनत

आईएमडीबी की रिपोर्ट के मुताबिक आर डी बर्मन इस फिल्म के दौरान अपने कमरे में जाते और सुबह 9 बजे से लेकर रात के 9 बजे तक काम करते थे। वहीं, इस फिल्म का दूसरा गाना ये क्या हुआ, कैसे हुआ 1970 में आई बंगाली फिल्म राजकुमारी का पूरा कॉपी था जो था ये कि होलो। इस गाने को किशोर कुमार ने गाया था और म्यूजिक आर डी बर्मन ने दिया था।

बंगाली डायरेक्टर ने इंग्लिश में लिखी थी स्क्रिप्ट

बंगाली राइटर और डायरेक्टर अरविंद मुखर्जी को हिंदी नहीं आती थी इसलिए उन्होंने अमर प्रेम की स्क्रिप्ट इंग्लिश में लिखी थी। इसके बाद राइटर रमेश पंद ने उसे पूरा हिंदी में ट्रांसलेट किया, सिर्फ एक लाइन को छोड़कर पुष्पा आई हेट टियर्स।

फ्रांस ने क्वार्टर फाइनल में मोरक्को को 2-0 से हराया

एमबाप्पे का मैजिक, फ्रांस ने लगातार तीसरी बार सेमीफाइनल में मारी एंट्री

एजेंसी ▶▶| फॉक्सबोरो

काइलियन एमबाप्पे ने पहले हाफ में पेनल्टी किक चूकने के बाद शानदार वापसी करके एक गोल किया और एक गोल करने में मदद की, जिससे फ्रांस ने विश्व कप फुटबॉल के पहले क्वार्टर फाइनल में मोरक्को को 2-0 से हराकर लगातार तीसरी बार सेमीफाइनल में जगह बनाई। फ्रांस की तरफ से ओस्मान डेम्बेले ने दूसरा गोल किया। अब सेमीफाइनल में उसका मुकाबला मंगलवार को डलास में स्पेन या बेल्जियम में से किसी एक से होगा।

जीत नहीं जाते, तब तक चैन से नहीं बैठेंगे : एमबाप्पे

एमबाप्पे ने कहा, 'आराम करने का सिर्फ एक ही तरीका है और वो है जीत हासिल करना। जब तक हम जीत नहीं जाते, हम चैन से नहीं बैठेंगे। हम सेमीफाइनल में पहुंच गए हैं और बहुत खुश हैं, लेकिन अभी लंबा सफर तय करना बाकी है।' एमबाप्पे ने कहा, 'मेरे टखने में चोट लगी थी, लेकिन मैं ठीक हूं।'

एमबाप्पे का मनोबल अविश्वसनीय : डेम्बेले

डेम्बेले ने कहा, ' एमबाप्पे हमारे कप्तान हैं और उनका मनोबल अविश्वसनीय है। हम उनसे और भी अधिक गोल की उम्मीद कर रहे हैं।'

एमबाप्पे के विश्व कप में 20 गोल पूरे

एमबाप्पे का 60वें मिनट में किया गया गोल उनके विश्व कप करियर का 20वां गोल था, जिससे वह अर्जेंटीना के कप्तान लियोनेल मेस्सी से सिर्फ एक गोल पीछे रह गए। डेम्बेले ने 66वें मिनट में टूर्नामेंट का अपना पांचवां गोल किया। कतर में 2022 में खेले गए सेमीफाइनल में फ्रांस ने मोरक्को को इसी स्कोर से हराया था। फ्रांस अब लगातार तीन विश्व कप के फाइनल में खेलने वाला तीसरा देश बनने की राह पर है। एमबाप्पे ने इस साल के विश्व कप में अपना आठवां गोल करने के बाद अपनी बाहें फैलाकर चारों ओर चक्कर लगाया।

'गोल्डन बूट' की दौड़ मेस्सी की बराबरी पर एमबाप्पे

फॉक्सबोरो। काइलियन एमबाप्पे फ्रांस की विश्व कप क्वार्टर फाइनल में मोरक्को पर 2-0 की जीत से 'गोल्डन बूट' की दौड़ में अर्जेंटीना के कप्तान लियोनेल मेस्सी की बराबरी पर पहुंच गए हैं।इन दोनों खिलाड़ियों ने मौजूदा टूर्नामेंट में अभी तक 8- 8 गोल किए हैं। वह टूर्नामेंट में सर्वाधिक गोल करने वाले खिलाड़ी को मिलने वाले 'गोल्डन बूट' की दौड़ में सबसे आगे हैं। एमबाप्पे ने हालांकि तीन गोल करने में मदद की है, जबकि मेस्सी ने एक बार ही ऐसा किया है। 'गोल्डन बूट' हासिल करने की दौड़ में इन दोनों को नॉर्वे के स्टार स्ट्राइकर एर्लिंग हालैंड (सात गोल), इंग्लैंड के हेरी केन (छह) और फ्रांस के ओस्मान डेम्बले (पांच) से कड़ी चुनौती मिल रही है।

मोरक्को के डिफेंडर ने एमबाप्पे को गिराया

मैच का पहला शॉट भी एमबाप्पे ने ही चौथे मिनट में लगाया था, जो गोल के दाहिनी ओर से थोड़ा बाहर चला गया। फिर 25वें मिनट में जब वह बाईं ओर से आगे बढ़ रहे थे तो बॉक्स के अंदर मोरक्को के डिफेंडर नौसेर मज़राउई ने उन्हें गिरा दिया। इससे फ्रांस को पेनल्टी मिल गई। लेकिन एमबाप्पे का दाहिने कोने की ओर मारा गया शॉट गोलकीपर यासीन बोनू ने सही दिशा का अनुमान लगाकर रोक लिया। मोरक्को को गोल करने का सबसे अच्छा मौका हाफ टाइम की सीटी बजने से ठीक पहले मिला जब अशरफ हकीमी ने बॉक्स के बाहर से एक फ्री किक मारी जो दाहिने पोस्ट के पास से निकल गई। फ्रांस के पास अब ब्राजील और पश्चिम जर्मनी की तरह लगातार तीन विश्व कप फाइनल में पहुंचने का मौका है।

विंबलडन : ओस्टापेंको-अरेवालो ने जीता मिक्स्ड डबल्स का खिताब

एजेंसी ▶▶| लंदन

जेलेना ओस्टापेंको और मार्सेलो अरेवालो की जोड़ी ने शानदार वापसी करते हुए विंबलडन का मिक्स्ड डबल्स खिताब अपने नाम किया। फाइनल मुकाबले में उन्होंने ऑस्ट्रेलिया की स्टॉर्म हंटर और मार्क पोलमैन्स की जोड़ी को 4-6, 7-5, 6-2 से हराया। फाइनल की शुरुआत ऑस्ट्रेलियाई जोड़ी ने शानदार अंदाज में की। हंटर और पोलमैन्स ने पहला सेट 6-4 से जीत लिया।

दूसरे सेट में भी उन्होंने जल्दी सर्विस ब्रेक हासिल कर 3-1 की बढ़त बना ली थी। ऐसा लग रहा था कि मुकाबला सीधे सेटों में खत्म हो जाएगा, लेकिन ओस्टापेंको और अरेवालो ने इसके बाद शानदार वापसी की। दोनों खिलाड़ियों ने बेहतरीन तालमेल दिखाया और अगले आठ में से छह गेम जीतकर दूसरा सेट 7-5 से अपने नाम कर लिया।

इसके साथ ही मैच निर्णायक तीसरे सेट में पहुंच गया। तीसरे सेट से पहले सेंटर कोर्ट की छत बंद कर दी गई। इसके बाद ओस्टापेंको और अरेवालो ने अपनी लय बरकरार रखी। उन्होंने चौथे और आठवें गेम में विरोधी टीम की सर्विस तोड़ी और तीसरा सेट 6-2 से जीतकर 1 घंटा 56 मिनट में मैच और खिताब को अपने नाम कर लिया।

विंबलडन जीतना खास एहसास - ओस्टापेंको

जीत के बाद ओस्टापेंको ने कहा कि यह उनके लिए शानदार सप्ताह रहा। उन्होंने कहा कि अब वह सिंगल्स, डबल्स और मिक्स्ड डबल्स, तीनों वर्गों में ग्रैंड स्लैम चैंपियन बन चुकी हैं। उन्होंने बताया कि मार्सेलो अरेवालो के साथ खेलना उन्हें बहुत पसंद है और दोनों कोर्ट पर खेल का पूरा आनंद लेते हैं। उनके अनुसार, विंबलडन जीतना हमेशा खास एहसास होता है।

विंबलडन में खेलना सपना सच होने जैसा - अरेवालो

अरेवालो ने कहा कि एल साल्वाडोर जैसे छोटे देश से आकर विंबलडन के सेंटर कोर्ट पर खेलना उनके लिए किसी सपने के सच होने जैसा है। उन्होंने कहा कि वह अपने देश के बच्चों को प्रेरित करना चाहते हैं और उन्हें यह विश्वास दिलाना चाहते हैं कि मेहनत और अपने सपनों पर भरोसा करके बड़ी सफलता हासिल की जा सकती है। उन्होंने अपनी जोड़ीदार ओस्टापेंको की भी तारीफ करते हुए कहा कि उनके साथ खेलना उनके लिए गर्व की बात है।

अरेवालो ने जीता करियर का तीसरा ग्रैंड स्लैम खिताब

मार्सेलो अरेवालो के लिए भी यह उपलब्धि ऐतिहासिक रही। वह विंबलडन का खिताब जीतने वाले एल साल्वाडोर के पहले खिलाड़ी बन गए हैं। यह उनके करियर का तीसरा ग्रैंड स्लैम खिताब है। इससे पहले वह 2022 और 2024 में रोलैंड गैरोस (फ्रेंच ओपन) पुरुष डबल्स का खिताब जीत चुके हैं।

खबर संक्षेप

अमुंडी एवियन चैंपियनशिप अदिति संयुक्त 35वें स्थान पर

एवियन-लेस-बैंस। भारतीय गोल्फर अदिति अशोक ने अमुंडी एवियन चैंपियनशिप के पहले दौर में एक अंडर 70 का स्कोर बनाया, जिससे वह संयुक्त 35वें स्थान पर चल रही हैं। लेडीज यूरोपियन टूर में पांच बार की विजेता और 2016 में हीरो महिला इंडियन ओपन की चैंपियन अदिति नौवीं बार इस टूर्नामेंट में खेल रही हैं, लेकिन वह केवल एक बार ही शीर्ष 25 में जगह बना पाई। वह शीर्ष पर काबिज जापान की अकी इवाई से सात शॉट पीछे हैं। अदिति ने पहले नौ होल में दो बर्डी लगाई लेकिन इस बीच वह दो बोगी भी कर गई। इसके बाद उन्होंने एक बोगी करने के बाद 14वें और 15वें होल पर लगातार दो बर्डी हासिल की।

नगारवा जिम्बाब्वे वनडे और टेस्ट टीम के कप्तान

हरारे। जिम्बाब्वे क्रिकेट ने अपनी पुरुष और महिला राष्ट्रीय टीमों के कप्तानों की आधिकारिक घोषणा कर दी है। बोर्ड ने बताया कि तेज गेंदबाज रिचर्ड नगारवा पुरुषों की टेस्ट और वनडे टीम के कप्तान बने रहेंगे, जबकि अनुभवी ऑलराउंडर सिकंदर रजा टी20 फॉर्मेट में कप्तानी करते रहेंगे। महिला टीम की कमान अनुभवी ऑलराउंडर जोसेफिन नकोमो को दी गई है। नगारवा ने हाल ही में हरारे स्पोर्ट्स क्लब में बांग्लादेश के खिलाफ एकमात्र टेस्ट मैच में कप्तानी की शुरुआत की थी और वनडे टीम का भी नेतृत्व कर रहे हैं। टेस्ट टीम में युवा बल्लेबाज ब्रायन बेनेट को उपकप्तान बनाया गया है। वनडे प्रारुप में सिकंदर रजा उपकप्तान रहेंगे। महिला टीम में लेफ्ट-आर्म तेज गेंदबाज नोमवेलो सिबांडा को उपकप्तान नियुक्त किया गया है।

साउथम्प्टन में आज साख बचाने उतरेगी इंडिया

एजेंसी ▶▶| साउथम्प्टन

ब्रिटेन के दौरे में अब तक निराशाजनक प्रदर्शन करने वाली भारतीय टीम को अगर इंग्लैंड के खिलाफ 'क्लीन स्वीप' से बचना है तो उसे शनिवार 11 जुलाई को होने वाले पांचवें टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच में खेल के हर विभाग में अच्छा प्रदर्शन करना होगा।

दक्षिणी शहर साउथम्प्टन में पांच मैचों की श्रृंखला का आखिरी मैच खेलेगी। इस श्रृंखला का पहला मैच बारिश के कारण रद्द कर दिया गया था। कप्तान बनने के बाद उन्हें अब भी अपनी पहली जीत की तलाश है। भारतीय टीम के 2006 में पहली बार टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेलने के बाद से यह सबसे लंबा अंतराल है जबकि वह कोई मैच नहीं जीत पाई।

भारत को 'क्लीन स्वीप' से बचने के लिए करना होगा अच्छा प्रदर्शन

नॉटिंघम में भारत ने की सबसे खराब बल्लेबाजी

ओल्ड ट्रैफर्ड में खेले गए दूसरे मैच को छोड़कर भारतीय टीम ने खेल के हर विभाग में लचर प्रदर्शन किया। दूसरे मैच में भारत अच्छी स्थिति में दिख रहा था लेकिन रवि बिश्नोई के 17वें ओवर ने भारत को जीत से दूर कर दिया। नॉटिंघम में भारत ने अब तक का सबसे खराब बल्लेबाजी प्रदर्शन किया और टीम 76 रन पर आउट हो गई। ब्रिस्टल में खेले गए चौथे मैच में टीम प्रत्येक विभाग में नाकाम रही। अब भारतीय टीम प्रतिष्ठा बचाने के लिए मैदान पर उतरेगी। अय्यर का कट्टर प्रशंसक उनकी कप्तानी के शुरुआती दिनों में 0-4 की शर्मनाक हार से बेहतर 1-3 की हार को ही स्वीकार कर लेगा।

महिला विंबलडन : ऑल इंग्लैंड क्लब में चेक गणराज्य की बनेंगी चैंपियन

एजेंसी ▶▶| लंदन

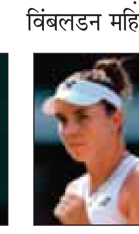

लिंडा नोस्कोवा ने बचपन में टेनिस पर ज्यादा ध्यान नहीं दिया था, जब तक कि उन्होंने 2011 में चेक गणराज्य की अपनी हमवतन पेट्रा क्वितोवा को विंबलडन फाइनल जीतते हुए नहीं देखा।

ऑल इंग्लैंड क्लब के सेंटर कोर्ट पर पहली बार खेलने वाली 21 वर्षीय नोस्कोवा ने कहा, 'शायद यही वह पहला क्षण था जब मुझे अहसास हुआ कि टेनिस जैसा कोई खेल भी होता है।' लेकिन अब वह विंबलडन के महिला एकल फाइनल में हैं, जहां उनका सामना चेक गणराज्य की एक अन्य खिलाड़ी कैरोलिना मुचोवा से होगा। विंबलडन महिला एकल का फाइनल शनिवार को खेला जाएगा। नोस्कोवा ने सेमीफाइनल में मार्टा कोस्त्युक को सीधे सेटों में 6-4, 6-4 से हराया जबकि मुचोवा ने कोको गॉफ को 6-2 1-6 7-6(10) से पराजित किया। इसका मतलब यह है कि 2023 में मार्केटा वोंद्रोसोवा और 2024 में बारबोरा क्रेज्सिकोवा के बाद चार साल में ऑल इंग्लैंड क्लब में तीसरी चेक महिला चैंपियन होगी।

19 सितंबर से 4 अक्टूबर तक होगा टूर्नामेंट

एशियाई खेल : महिला हॉकी टीम का ऐलान, सलीमा संभालेंगी कप्तानी

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

अनुभवी मिडफील्डर सलीमा टेटे 19 सितंबर से 4 अक्टूबर तक होने वाले एशियाई खेलों के दौरान भारत की 20 सदस्यीय महिला हॉकी टीम की कमान संभालेंगी।

सलीमा की कप्तानी में ही भारत ने पिछले महीने न्यूजीलैंड में एफआईएच नेशंस कप में अपराजेय रहकर खिताब जीतने के साथ प्रो लीग में वापसी की थी। भारत के मुख्य कोच शोर्ड मारिन ने कहा,' हमारे पास ऐसी टीम में, जिसमें जूनियर, अनुभवी खिलाड़ियों और सीनियर खिलाड़ियों का अच्छा मिश्रण है, जो लगातार एक दूसरे के सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के लिए प्रयास करते हैं।'

सविता, बिछू देवी होंगी गोलकीपर

सविता और बिछू देवी खारीबम टीम में दो गोलकीपर होंगी। वहीं डिफेंस में सुशीला चाजू, इशिका चौधरी और ज्योति के साथ लालथांटलुआंगी और शिल्पी डबास को मौका दिया गया है। मिडफील्ड का जिम्मा सलीमा के साथ निक्की प्रधान, साक्षी राणा, सुनेलिटा टोप्पो, नेहा और दीपिका सोरेंग पर रहेगी। फॉरवर्ड पंक्ति में लालरेम्सियामी, रूतुजा पिसाल, नवनीत कौर, बलजीत कौर और नेशंस कप में सर्वाधिक छह गोल करने वाली दीपिका हैं। मारिन ने कहा ,' इस समूह ने साबित कर दिया है कि वे फॉर्म में हैं और फिट भी। हमें यकीन है कि यह टीम एशियाई खेलों की चुनौती के लिए तैयार है।'

राष्ट्रमंडल खेलों से हटी तैराक मैककेओन

सिडनी। पांच बार की ओलंपिक तैराकी स्वर्ण पदक विजेता केली मैककेओन बीमार होने के कारण राष्ट्रमंडल खेलों और उसके बाद होने वाली पैन पैसिफिक चैंपियनशिप से हट हो गई हैं। इस बैकस्ट्रोक तैराक ने तोक्यो ओलंपिक में 100 और 200 मीटर दोनों स्पर्धाओं में जीत हासिल की और 2024 में पेरिस खेलों में भी इस उपलब्धि को दोहराया। उन्होंने पिछले साल सिंगापुर में आयोजित विश्व चैंपियनशिप में भी दोनों स्पर्धाओं में जीत दर्ज की थी। मैककेओन ने कहा, 'अस्वस्थ होने के कारण नाम वापस लेने से मैं बेहद दुखी हूं। कुछ दिन पहले मुझे जुकाम हो गया था लेकिन बाद में पता चला कि असल में मुझे 'ग्लैंडुलर फीवर' हो गया था।' उन्होंने कहा, 'ट्रायल्स से पहले मैं बीमार थी और मेरी तबीयत में कोई सुधार नहीं हुआ है।

बिग बैश लीग

बीबीएल का पहला मैच चेन्नई में क्रिकेट के नए चैप्टर की शुरुआत

12 दिसंबर को बिग बैश लीग के 16वें सीजन का मुकाबला

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और ऑस्ट्रेलियाई पीएम एंथनी अल्बानीज ने मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड (एमसीजी) में हुए खास कार्यक्रम में बड़ा ऐलान किया। उन्होंने बताया कि ऑस्ट्रेलिया की घरेलू टी20 लीग बिग बैश लीग (बीबीएल) के 16वें सीजन का पहला मुकाबला चेन्नई के एमए चिदंबरम क्रिकेट स्टेडियम में 12 दिसंबर को खेला जाएगा। दोनों देशों द्वारा मिलकर शुरू की गई इस नई पहल को भारत में क्रिकेट के नए चैप्टर की शुरुआत भी माना जा रहा है।

बीबीएल की लोकप्रियता में होगा इजाफा

क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया का भी यही कहना है कि भारत में मैच होने से बिग बैश लीग की लोकप्रियता में कई गुना इजाफा होगा। माना जा रहा है कि बीबीएल के इस मैच को देखने फैंस भारी तादाद में पहुंच सकते हैं। हालांकि, बिग बैश लीग के इस कदम को महज एक शुरुआत माना जा रहा है। भारत में क्रिकेट की लोकप्रियता और सजे हुए बाजार को देखते हुए भविष्य में अन्य देश भी अपनी लीगों के मुकाबले भारत में करवाने की पेशकश कर सकते हैं।

पहली बार होगा बीबीएल का मैच विदेशी धरती पर

ऑस्ट्रेलिया के क्रिकेट इतिहास में यह पहला मौका होगा जब बिग बैश लीग का कोई मैच विदेशी धरती पर खेला जाएगा। हालांकि, चुनावों की वजह से भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) कई बार आईपीएल का आयोजन घर से बाहर कर चुका है। मगर ऐसा पहली बार होगा जब किसी विदेशी टी20 लीग का मैच भारत में होगा। इसकी वजह यह भी है कि भारत में क्रिकेट को काफी महत्व दिया जाता है। देश में क्रिकेट को लेकर खास तरह का जुनून भी देखने को मिलता है। भारत में क्रिकेट का बाजार भी काफी बड़ा है और स्टेडियम में लाखों की संख्या में फैंस पहुंचते हैं।

ब्रुक की नजरें टी20 रैंकिंग में इंग्लैंड को शीर्ष पर पहुंचाना

'क्लीन स्वीप' की तैयारी में इंग्लैंड, खतरे में भारत की बादशाहत

एजेंसी ▶▶| ब्रिस्टल

भारत के खिलाफ पांच मैचों की श्रृंखला में 3-0 की अजेय बढ़त हासिल करने के बाद इंग्लैंड के कप्तान हैरी ब्रूक ने स्वीकार किया कि उन्हें इस टी20 अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला के इतने एकतरफा होने की उम्मीद नहीं थी, ऐसे में उसका लक्ष्य अंतिम मुकाबला जीतकर 'क्लीन स्वीप' करने के साथ मौजूदा विश्व चैंपियन को इस प्रारुप की रैंकिंग के शीर्ष स्थान से हटाना है। इंग्लैंड अगर इसमें भी जीत दर्ज करता है तो वह भारत को पछाड़कर आईसीसी टी20 अंतरराष्ट्रीय रैंकिंग में शीर्ष स्थान हासिल कर लेगा।

जीतना हमारा बड़ा लक्ष्य

ब्रूक ने कहा, ' अगर हम दुनिया की नंबर एक टीम बन जाते हैं और इंग्लैंड (फुटबॉल विश्व कप में) सेमीफाइनल तक पहुंचता है, तो यह हमारे लिए बेहद शानदार उपलब्धि होगी।' उन्होंने कहा, ' हमें बताया गया है कि अगला मैच जीतते ही हम शीर्ष रैंकिंग पर पहुंच जाएंगे और यह निश्चित रूप से हमारा बड़ा लक्ष्य है।' ब्रूक ने कहा, 'भारत बेहद मजबूत टीम है। पिछले कुछ वर्षों की तुलना में इस श्रृंखला में यह टीम अपने सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन से थोड़ा पीछे रही है, लेकिन हमें खुशी है कि हमने अपनी योजनाओं को शानदार ढंग से अमल में उतारा।'

भारत को हराना विशेष उपलब्धि : ब्रूक

इंग्लैंड के कप्तान ने कहा, ' ईमानदारी से कहूं तो भारत जैसी टीम को 4-0 से हराना बेहद विशेष उपलब्धि होगी और इसके साथ दुनिया की शीर्ष रैंकिंग की टीम बनना इसे और भी यादगार बना देगा।''इंग्लैंड के कप्तान ने माना कि उन्हें भारत के खिलाफ इतनी आसान सफलता की उम्मीद नहीं थी। ब्रूक ने कहा, 'हमारी सीमित ओवरों की टीम सही दिशा में आगे बढ़ रही है। हमने लगातार बेहतरीन क्रिकेट खेली है और विभिन्न परिस्थितियों तथा पिचों के अनुरूप खुद को अच्छी तरह ढाला है। विश्व कप में भी हमारा प्रदर्शन शानदार रहा था।

हाईकोर्ट का अनोखा सुधारात्मक आदेश, गलियारों में जोरदार चर्चा

खारिज केस बहाल कराना है तो वकील को दृष्टि श्रवण बाधित स्कूल में कम्युनिटी सर्विस देनी होगी

जबलपुर। वकील साहब गायब, तो केस खारिज! – अदालतों में अक्सर दिखने वाली इस लापरवाही पर मप्र हाईकोर्ट ने जोरदार ऐसा चाबुक चलाया है। लीगल कॉरिडोर में इसकी चर्चा थम नहीं रही है। कोर्ट ने साफ कर दिया है कि वकीलों की 'लेट-लतीफी' या लापरवाही का खामियाजा उन गरीब और मजबूर मुवक्किलों को नहीं भुगतना पड़ेगा, जो न्याय की आस में अपनी चप्पलें घिस देते हैं।

इसी सोच के साथ, जस्टिस आनंद पाठक व जस्टिस बी.पी. शर्मा की डिवीजन बेंच ने एक खारिज याचिका को बहाल करने के लिए जेब से जुर्माना भरने के बजाय, दिल से 'कम्युनिटी सर्विस' करने का अनोखा और ऐतिहासिक आदेश सुनाया है। बेंच ने केस के वकील को कम्युनिटी सर्विस करने पर ही फिर से याचिका बहाल करने को कहा है। इसे समाज के विशेषाधिकार प्राप्त वर्ग की संवेदनशीलता जगाने वाला एक टेस्ट केस करार दिया है।

मामला एक मिसलेनियस पिटीशन (विविध याचिका) का था, जो वकील के न आने के कारण खारिज हो गई थी। जब

वकील इसे दोबारा बहाल कराने पहुंचे, तो कोर्ट ने उनके सामने एक 'स्पेशल टास्क' रख दिया। कोर्ट ने कहा कि अगले 15 दिनों के भीतर याचिकाकर्ता के वकील को जबलपुर के अंधमूक बायपास स्थित शासकीय दृष्टि व श्रवण बाधित उच्चतर माध्यमिक विद्यालय जाना होगा। वकील को ₹2,500 मूल्य के बढ़िया खाद्य पदार्थ और स्नैक्स लेकर वहां पहुंचना होगा। इन स्पेशल बच्चों के साथ कम से कम एक घंटा बिताना होगा, उनसे बातें करनी होंगी।

ये किसी छोटे ईश्वर की संतान नही

कोर्ट ने अपने आदेश में दिल छू लेने वाली टिप्पणी करते हुए कहा कि यह कम्युनिटी सर्विस कोई कानूनी खानापूर्ति नहीं है। यह एक घंटा वकीलों को आत्मिक संतुष्टि तो देगा ही, साथ ही इन बच्चों को भी यह भरोसा दिलाएगा कि पूरा समाज उनके साथ खड़ा है। उन्हें कभी यह अहसास नहीं होना चाहिए कि वे किसी छोटे ईश्वर की संतान हैं।

सोशल ऑडिट' का नया फॉर्मूला

इस फैसले के जरिए हाईकोर्ट ने एक बड़े विजन 'सोशल ऑडिट' (सामाजिक निगरानी) की नींव भी रख दी है। कोर्ट ने चिंता जताई कि अनाथालयों, वृद्धाश्रमों और शेल्टर होम्स से अक्सर दुर्व्यवहार या गड़बड़ियों की खबरें आती हैं।हाईकोर्ट ने कहा कि अगर समाज के संभ्रांत और पढ़े-लिखे लोग जैसे डॉक्टर, वकील, सीए और बड़े सरकारी अफसर इन सरकारी संस्थाओं का नियमित दौरा करना शुरू कर दें, तो एक सोशल प्रेशर बनेगा। जब बड़े अफसर या वकील अचानक आते-जाते रहेंगे, तो किसी भी मैनेजर या कर्मचारी की इतनी हिम्मत नहीं होगी कि वह बच्चों या बुजुर्गों के साथ बदसलूकी कर सके।

बिना एफिडेविट नहीं खुलेगी फाइल

अदालत ने यह भी सुनिश्चित किया है कि वकील इस आदेश को हल्के में न लें। स्कूल से लौटने के बाद वकील को वहां के हालात, अपने अनुभव और सुधार के सुझावों की एक डिटेल्ड रिपोर्ट बनानी होगी। इस रिपोर्ट को एक शपथ पत्र के साथ कोर्ट में जमा करना होगा। जब यह अनुपालन रिपोर्ट कोर्ट के रिकॉर्ड पर आ जाएगी, केवल तभी संबंधित याचिका को दोबारा सुनवाई के लिए बहाल किया जाएगा।

सरकार को भी टास्कः मुख्य सचिव को भेजी गई कॉपी

मामला सिर्फ एक वकील की सजा तक सीमित नहीं है। हाईकोर्ट ने इस आदेश की कॉपियां प्रदेश के मुख्य सचिव, महिला एवं बाल विकास विभाग और सामाजिक न्याय विभाग के प्रमुख सचिव को सीधे भिजवाई हैं। कोर्ट ने साफ कहा है कि राज्य सरकार इस तरह के सोशल ऑडिट को पूरे प्रदेश में लागू करने के लिए एक मजबूत और प्रभावी नीति तैयार करे।

साइकिल का टपरा बना आग का गोला

मौके पर दमकल ब्रिगेड फेल बाल्टी ब्रिगेड ने बुझाई आग

जबलपुर। गौरीघाट थाना क्षेत्र के बिग बाजार (साउथ एवेन्यू मॉल) के पास शुक्रवार की सुबह उस वक्त अफरा-तफरी मच गई, जब एक साइकिल दुकान के टपरे में भीषण आग लग गई। आग की लपटें इतनी तेज थीं कि चंद मिनटों में उसने विकराल रूप ले लिया। लेकिन इस हादसे ने नगर निगम के फायर विभाग की एक ऐसी 'अंगार' जैसी लापरवाही को उजागर कर दिया, जिसने शहर की सुरक्षा व्यवस्था की पोल खोल कर रख दी है।

मॉल तक पहुंचने वाली थी लपटें

सुबह-सुबह लगी इस आग से पूरे इलाके में हड़कंप मच गया। स्थानीय लोगों और पुलिस ने तुरंत मोर्चा संभाला और इसकी सूचना फायर ब्रिगेड को दी। सूचना मिलते ही दमकल की गाड़ी मौके पर पहुंच भी गई, लेकिन असली ड्रामा इसके बाद शुरू हुआ।ऐन मौके पर दमकल की गाड़ी में तकनीकी खराबी आ गई और वह शो-पीस बनकर खड़ी रह गई। जब दमकलकर्मी पानी फेंकने के बजाय खुद बेबस नजर आए, तो स्थानीय नागरिकों ने हिम्मत दिखाई।

'बाल्टी ब्रिगेड' ने बचाई साख

दमकलकर्मियों को बाल्टियों से पानी डालते देख आसपास के लोग खुद आगे आए। नागरिकों ने तत्परता दिखाते हुए पानी का इंतजाम किया और आग को पास ही स्थित साउथ एवेन्यू मॉल की तरफ फैलने से रोक लिया। गनीमत रही कि इस पूरे घटनाक्रम में कोई जनहानि नहीं हुई।

अधिकारी का दावाः 'आग हमने ही बुझाई'

एक तरफ जहां पूरी जनता गवाह है कि दमकल की गाड़ी खराब खड़ी थी, वहीं दूसरी तरफ प्रशासनिक लीपापोती भी शुरू हो गई है। सहायक फायर अधीक्षक का दावा है कि उनके विभाग ने ही आग पर पूरी तरह से काबू पाया है।

ओबीसी एडवोकेट्स वेलफेयर एसोसिएशन की याचिका पर सुनवाई, हाई कोर्ट व जिला अधिवक्ता संघ में भारसाधक समिति नियुक्ति और एक साथ चुनाव कराने का मुद्दा

अधिवक्ता संघ चुनाव पर हाई कोर्ट की सख्ती : एमपी स्टेट बार काउंसिल से दो दिन में जवाब तलब

जबलपुर। मप्र हाईकोर्ट ने हाईकोर्ट व जिला अधिवक्ता संघ, जबलपुर में वरिष्ठ (भारसाधक) समिति नियुक्त कर दोनों बार संघों के एक साथ चुनाव कराने की मांग वाली याचिका पर सुनवाई करते हुए एमपी स्टेट बार काउंसिल को एडवांस नोटिस जारी किया है। जस्टिस आनंद पाठक व जस्टिस बीपी शर्मा की डिवीजन बेंच ने स्टेट बार को दो दिन के भीतर निर्देश लेकर अपना पक्ष रखने के लिए कहा है। मामले की अगली सुनवाई 13 जुलाई, 2026 को निर्धारित की गई है। कोर्ट के समक्ष मध्य प्रदेश ओबीसी एडवोकेट्स वेलफेयर एसोसिएशन की ओर से दायर याचिका में कहा गया कि हाई कोर्ट अधिवक्ता संघ और जिला अधिवक्ता संघ का कार्यकाल समाप्त हो चुका है। बार एसोसिएशन के उपविधियों के अनुसार कार्यकाल समाप्त होने के 45 दिन पूर्व वरिष्ठ (भारसाधक) समिति गठित कर निष्पक्ष चुनाव कराना अनिवार्य है, लेकिन अब तक ऐसा नहीं किया गया।

याचिकाकर्ता की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता रामेश्वर सिंह ठाकुर तथा अधिवक्ता विनायक प्रसाद शाह, अखलेश प्रजापति, परमानंद साहू, शिवांशु कोल, अभिलाषा सिंह लोधी और पुष्पेंद्र शाह ने पक्ष रखा। उन्होंने बताया कि इस संबंध में पहले राज्य बार काउंसिल के प्रभारी अध्यक्ष को अभ्यावेदन दिया गया था, लेकिन कार्रवाई नहीं होने पर हाई कोर्ट की शरण लेनी पड़ी। प्रारंभिक सुनवाई के बाद कोर्ट ने स्टेट बार काउंसिल से 13 जुलाई तक यह बताने को कहा है कि याचिका में उठाए गए मुद्दों पर अब तक क्या कार्रवाई की गई है।

बिना नाम, एनरोलमेंट नंबर और मोबाइल के अब नहीं चलेगी कोर्ट स्लिप

हाई कोर्ट ने कोर्ट स्लिप के दुरुपयोग पर कसा शिकंजा

जबलपुर। मप्र हाईकोर्ट ने कोर्ट स्लिप के जरिए मामलों की लिस्टिंग कराने की अपारदर्शी व्यवस्था पर सख्त रुख अपनाया है। कोर्ट ने निर्देश दिए हैं कि अब प्रत्येक कोर्ट स्लिप पर संबंधित अधिवक्ता का पूरा नाम, एनरोलमेंट नंबर और मोबाइल नंबर लिखना अनिवार्य होगा। इस संबंध में सभी अधिवक्ताओं को नोटिस जारी किए जाएंगे और सूचना काज लिस्ट में भी प्रकाशित की जाएगी।

दरअसल, जस्टिस विशाल धगट की सिंगल बेंच के समक्ष भैयाजी ठाकुर व अन्य की याचिका पर सुनवाई के दौरान यह तथ्य सामने आया कि कुछ अधिवक्ताओं ने हस्तक्षेप आवेदन स्वीकृत हुए बिना ही वकालतनामा दाखिल कर रखा है। इसके बावजूद वे कोर्ट स्लिप के माध्यम से लगातार प्रकरण की लिस्टिंग का आग्रह कर रहे थे। न्यायालय ने रिकार्ड का परीक्षण किया तो पाया कि प्रस्तुत कोर्ट स्लिप पर केवल हस्ताक्षर थे, लेकिन अधिवक्ता का नाम, एनरोलमेंट नंबर और मोबाइल नंबर दर्ज नहीं था। अदालत ने इसे गंभीर मानते हुए रजिस्ट्रार को नई व्यवस्था लागू करने के निर्देश दिए।

इसी मामले में राज्य शासन और निजी पक्ष को जवाब दाखिल करने के लिए अंतिम अवसर के रूप में चार सप्ताह का समय दिया गया है। कोर्ट ने स्पष्ट किया कि इसके बाद जवाब दाखिल करने का अधिकार स्वतः समाप्त हो जाएगा। अगली सुनवाई 10 अगस्त 2026 से प्रारंभ होने वाले सप्ताह में होगी। तब तक अंतरिम राहत प्रभावी रहेगी।

अमानक गुटखा बेचने पर छह माह की जेल, 10 हजार का जुर्माना

जबलपुर। अमानक और मानव स्वास्थ्य के लिए असुरक्षित गुटखा बेचने के मामले में जिला अदालत ने आरोपी शमशेर हुसैन को दोषी पाया। खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम, 2006 की धारा 59(1) के तहत न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी अरुण कुमार गोयल की कोर्ट ने उसे छह माह के सश्रम कारावास की सजा सुनाई। 10 हजार रुपये के अर्थदंड से भी दंडित किया।

अभियोजन के अनुसार 26 सितंबर, 2019 को खाद्य सुरक्षा अधिकारी माधुरी मिश्रा ने इन्कम टैक्स आफिस के सामने स्थित आरोपी के मुन्ना पान भंडार का औचक निरीक्षण किया था। जांच के दौरान गुटखा के 50 पैकेट विधिवत नमूने के रूप में लेकर उन्हें राज्य खाद्य परीक्षण प्रयोगशाला, भोपाल भेजा गया। जांच रिपोर्ट में नमूना असुरक्षित पाया गया। इसके बाद अभियोजन स्वीकृति लेकर न्यायालय में परिवाद प्रस्तुत किया गया।

प्रकरण में सहायक जिला लोक अभियोजन अधिकारी भगवत उईके ने पैरवी की। उनके तर्कों से सहमत होते हुए न्यायालय ने आरोपी को दोषी ठहराकर सजा सुनाई। इस मामले में उप संचालक (अभियोजन) केएस मुवेल और सहायक निदेशक हनुमंत किशोर शर्मा का मार्गदर्शन रहा।

रेलवे स्टेशन पर 100 पाव अवैध शराब जब्त, युवक गिरफ्तार

जबलपुर। जीआरपी जबलपुर ने रेलवे स्टेशन पर सघन चेकिंग अभियान के दौरान एक युवक को 100 पाव अवैध देशी शराब के साथ गिरफ्तार किया है। कार्रवाई प्लेटफॉर्म क्रमांक-1 के इटारसी छोर पर की गई, जहां संदिग्ध युवक रेलवे ट्रैक पार कर झोला लेकर जा रहा था। पकड़े गए आरोपी की पहचान भानतलैया निवासी 24 वर्षीय आयुष उर्फ अंशुल चौटेल के रूप में हुई है। तलाशी में उसके पास से 18 लीटर देशी मसाला मदिरा बरामद हुई, जिसकी अनुमानित कीमत 10 हजार 700 रुपए बताई गई है। आरोपी शराब रखने संबंधी कोई वैध दस्तावेज प्रस्तुत नहीं कर सका। जीआरपी ने शराब जब्त कर आरोपी के विरुद्ध मध्यप्रदेश आबकारी अधिनियम की धारा 34(1) के तहत मामला दर्ज कर लिया है।

हवाई फायरिंग करने का आरोपी गिरफ्तार

जबलपुर। संजीवनी नगर थाना पुलिस ने एक महीने से फरार चल रहे हवाई फायरिंग करने के आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी के कब्जे से घटना में इस्तेमाल की गई देसी पिस्टल और जिंदा कारतूस भी बरामद किए गए हैं। गोरखपुर सीएसपी महादेव नागोतिया ने बताया है कि 8 जून 2026 की रात संजीवनी नगर थाना क्षेत्र की चंदन कॉलोनी में कार में कट मारने की बात को लेकर दो पक्षों के बीच विवाद हो गया था। शिकायत के अनुसार विवाद बढ़ने पर आरोपी इंगेश रजक अपने घर से पिस्टल लेकर आया और लोगों में दहशत फैलाने के उद्देश्य से फायरिंग कर दी और लेकिन आरोपी मौके से फरार हो गया था। आखिरकार लम्बी तलाश के बाद आरोपी पुलिस के हाथ लग गया।

वायरल वीडियो में घिरी लार्डगंज पुलिस

वाहन चेकिंग के दौरान पुलिस और युवक के बीच झड़प

जबलपुर। शहर के बलदेव बाग चौराहे पर वाहन चेकिंग के दौरान लार्डगंज पुलिस और एक युवक के बीच हुआ विवाद अब सिर्फ एक सामान्य पुलिस कार्रवाई का मामला नहीं रह गया है, बल्कि पुलिस की कार्यप्रणाली और आम नागरिकों के साथ व्यवहार पर गंभीर बहस छेड़ गया है। सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे वीडियो में सामने आए घटनाक्रम को लेकर तरह-तरह के दावे किए जा रहे हैं, जिससे पूरे मामले की निष्पक्ष जांच की मांग तेज हो गई है।

लार्डगंज थाना क्षेत्र में वाहन चेकिंग के दौरान संगम कालोनी उखरी निवासी भावेश रजक और पुलिसकर्मियों के बीच पहले कहासुनी हुई, मामला उस वक्त बिगड़ गया जब पुलिस कर्मी और एक एसआई और एएसआई ने युवक के साथ गालीगलौज कर दी, उस पर युवक भड़क गया। मौके पर थाना प्रभारी भी मौजूद रहे। विवाद बढ़ने के बाद युवक को थाने ले जाकर वाहन भी जब्त कर लिया गया। इस घटनाक्रम का वीडियो सोशल मीडिया में वायरल हो गया।

यह घटना कई अहम सवाल छोड़ रही है। क्या वाहन चेकिंग केवल नियमों का पालन कराने तक सीमित रहनी चाहिए या उसमें पुलिस का व्यवहार भी उतना ही अनुशासित और संवेदनशील होना चाहिए? यदि किसी नागरिक ने यातायात नियमों का उल्लंघन किया है तो उसके खिलाफ कानूनी कार्रवाई होना स्वाभाविक है, लेकिन यदि कार्रवाई के दौरान पुलिसकर्मियों के आचरण पर भी सवाल उठते हैं, तो उनकी जवाबदेही तय होना भी कानून के शासन का हिस्सा है। कानून का सम्मान तभी बढ़ेगा, जब उसे लागू करने वालों का आचरण भी कानून और मर्यादा के अनुरूप दिखाई देगा। लार्डगंज थाना प्रभारी नवल आर्यिका का कहना है कि युवक मॉडिफाई साइलेंसर वाली बुलट वाहन चला रहा था। विवाद की स्थिति निर्मित होने पर उसे थाने लाया गया, और वैधानिक कार्रवाई की गई। बहरहाल अब निगाहें जबलपुर पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों पर हैं। यदि वायरल वीडियो और अन्य साक्ष्यों के आधार पर निष्पक्ष जांच कर तथ्य सार्वजनिक किए जाते हैं, तो न केवल इस विवाद की सच्चाई सामने आएगी बल्कि आम जनता का पुलिस व्यवस्था पर विश्वास भी मजबूत होगा। कानून की निष्पक्षता का वास्तविक संदेश तभी जाएगा, जब जांच बिना किसी पूर्वाग्रह के हो और जो भी दोषी पाया जाए, उसके विरुद्ध समान रूप से कार्रवाई की जाए।

वरिष्ठ अधिकारी बनकर भेजा फर्जी यूपीआई नंबर

व्हाट्सएप हैक कर 48 हजार की ठगी

जबलपुर। साइबर अपराधियों ने ठगी का नया तरीका अपनाते हुए घंसौर एनटीपीसी पावर प्लांट में पदस्थ एक मैनेजर को अपना शिकार बना लिया। जालसाजों ने उनके वरिष्ठ अधिकारी का व्हाट्सएप अकाउंट हैक कर उसी नंबर से मैसेज और कॉल कर 48 हजार रुपए की ऑनलाइन ठगी कर ली। मामले की शिकायत मिलने के बाद गोराबाजार पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पुलिस के अनुसार एनटीपीसी घंसौर पावर प्लांट में मैनेजर पद पर कार्यरत अमित राज गौतम ने 9 जुलाई को शिकायत दर्ज कराई। उन्होंने बताया कि 8 जुलाई की दोपहर करीब 1:30 बजे उनके वरिष्ठ अधिकारी अभय कुमार साहू के व्हाट्सएप नंबर से कॉल आया। कॉल करने वाले व्यक्ति ने खुद को अभय कुमार साहू बताते हुए तत्काल आर्थिक जरूरत बताई और 48 हजार रुपए भेजने के लिए एक यूपीआई नंबर साझा किया। वरिष्ठ अधिकारी का नंबर होने के कारण अमित राज गौतम को किसी तरह का संदेह नहीं हुआ और उन्होंने बताए गए यूपीआई नंबर पर 48 हजार रुपए ट्रांसफर कर दिए। भुगतान के बाद जब उन्होंने गूगल-पे पर ट्रांजेक्शन डिटेल देखी तो उसमें मोनू कुमार नाम दिखाई दिया। इसके बाद उन्हें कुछ गड़बड़ी का अंदेशा हुआ और उन्होंने तुरंत अभय कुमार साहू से संपर्क किया।

अधिकारी का व्हाट्सएप पहले ही हो चुका था हैक

अभय कुमार साहू ने बताया कि उनका व्हाट्सएप नंबर सुबह करीब 11 बजे ही हैक हो चुका था। उन्होंने इसकी सूचना तत्काल साइबर हेल्पलाइन नंबर 1930 पर भी दी थी। इसी हैक किए गए व्हाट्सएप अकाउंट का इस्तेमाल कर साइबर ठगों ने मैनेजर को झांसे में लिया और रकम अपने खाते में ट्रांसफर करा ली।

नरसिंहपुर के गरहा में स्वास्थ्य केंद्र के सामने सामुदायिक भवन पर रोक

जबलपुर। मप्र हाईकोर्ट ने नरसिंहपुर जिले की जनपद पंचायत चावरपाठा के ग्राम गरहा स्थित उप-स्वास्थ्य केंद्र के ठीक सामने बनाए जा रहे सामुदायिक भवन के निर्माण पर अंतरिम रोक लगा दी है। एसीजे विवेक रूसिया व जस्टिस प्रदीप मित्तल की डिवीजन बेंच ने जनहित याचिका पर प्रारंभिक सुनवाई के बाद राज्य सरकार से जवाब तलब करते हुए मामले की अगली सुनवाई 24 जुलाई को निर्धारित की है।

जनहित याचिका नरसिंहपुर निवासी अमित पेठिया की ओर से दायर की गई है। याचिकाकर्ता की ओर से कोर्ट को बताया गया कि उप-स्वास्थ्य केंद्र के ठीक सामने सामुदायिक भवन का निर्माण होने से मरीजों की आवाजाही, एंबुलेंस के आवागमन तथा आपातकालीन

हाईकोर्ट ने राज्य सरकार से मांगा जवाब, 24 जुलाई को अगली सुनवाई

स्वास्थ्य सेवाओं में गंभीर व्यवधान उत्पन्न होगा। यह निर्माण सार्वजनिक हित और स्वास्थ्य सेवाओं की सुगमता के प्रतिकूल है। प्रथमदृष्टया तर्कों को महत्वपूर्ण मानते हुए कोर्ट ने निर्माण कार्य पर तत्काल प्रभाव से अंतरिम रोक लगाने के निर्देश दिए। साथ ही महाधिवक्ता कार्यालय को संबंधित विभाग से निर्देश प्राप्त कर अगली सुनवाई पर विस्तृत जवाब प्रस्तुत करने का आदेश दिया है। हाई कोर्ट के आदेश के बाद फिलहाल निर्माण कार्य पर रोक रहेगी और अब सरकार के जवाब के आधार पर आगे की सुनवाई होगी।

राजस्व अधिकारियों को मिले सब-रजिस्ट्रार के अधिकार

अब तहसील कार्यालय में होगी जमीनों की रजिस्ट्री

जबलपुर। मध्य प्रदेश में आबादी भूमि की रजिस्ट्री प्रक्रिया को सरल और तेज बनाने के लिए राज्य सरकार ने बड़ा फैसला लिया है। स्वामित्व अधिकार अभिलेख निष्पादन एवं पंजीयन योजना-2026 के तहत अब तहसीलदार, प्रभारी तहसीलदार और नायब तहसीलदार को भी सब रजिस्ट्रार के अधिकार प्रदान कर दिए गए हैं। मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में 2 जून को हुई कैबिनेट बैठक में लिए गए निर्णय के बाद पंजीयन एवं मुद्रांक विभाग ने इसका आधिकारिक नोटिफिकेशन जारी कर दिया है। नई व्यवस्था से प्रदेश के 48 लाख से अधिक परिवारों को आबादी भूमि पर मालिकाना हक मिलने का रास्ता आसान होगा। सरकार ने इस योजना के अंतर्गत स्टांप ड्यूटी, पंजीयन शुल्क और पंचायत उपकर पूरी तरह माफ कर दिया है। इन रियायतों का लगभग 3800 करोड़ रुपये का वित्तीय भार राज्य सरकार स्वयं वहन करेगी, जिससे पात्र हितग्राहियों को बिना अतिरिक्त आर्थिक बोझ के रजिस्ट्री की सुविधा मिल सकेगी।

ग्रामीणों को मिलेगी बड़ी राहत

नई व्यवस्था लागू होने के बाद ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों को अब रजिस्ट्री के लिए उप पंजीयक कार्यालयों के चक्कर नहीं लगाने पड़ेंगे। अधिकृत राजस्व अधिकारी अपने-अपने तहसील कार्यालयों में ही स्वामित्व योजना के अंतर्गत आबादी भूमि की रजिस्ट्री कर सकेंगे। सरकार का मानना है कि इससे पंजीयन प्रक्रिया में तेजी आएगी, लंबित मामलों का शीघ्र निपटारा होगा और नागरिकों को समय पर वैध दस्तावेज उपलब्ध हो सकेंगे। प्रदेश में कार्यरत 235 सब रजिस्ट्रार के साथ अब राजस्व अधिकारी भी इस व्यवस्था का संचालन करेंगे।

डिजिटल प्रक्रिया से बढ़ेगी पारदर्शिता

पंजीयन एवं मुद्रांक विभाग के निर्देश जारी होने के बाद प्रदेशभर में इस व्यवस्था को लागू करने की तैयारियां शुरू हो गई हैं। जरूरत पड़ने पर ग्रामीण क्षेत्रों में विशेष शिविर लगाकर भी रजिस्ट्री की सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी, ताकि बुजुर्ग और दूरदराज के लोग आसानी से लाभ ले सकें। पूरी प्रक्रिया को डिजिटल रिकॉर्ड से जोड़ा जाएगा, जिससे पारदर्शिता बढ़ेगी और अनियमितताओं की संभावना कम होगी। सरकार का लक्ष्य है कि आने वाले समय में सभी पात्र परिवारों को उनकी आबादी भूमि के स्वामित्व संबंधी दस्तावेज शीघ्र उपलब्ध कराए जाएं।

हरिभूमि कम्यूनिकेशन्स प्राईवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक अचिंत महेश्वरी द्वारा हरिभूमि प्रेस, 66/1, इंडस्ट्रीयल एरिया, रिछाई, जबलपुर (मध्यप्रदेश)– 482002 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, 66/1, इंडस्ट्रीयल एरिया, रिछाई, जबलपुर (मध्यप्रदेश)– 482002 से प्रकाशित। प्रधान संपादक–डॉ. हिमांशु द्विवेदी RNI No.: MPHIN/2008/24240